एजेंसी देना हैं

दैनिक जनसेवा समाचार

की मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़ में सभी जिलों एवं तहसील में एजेंसी देना हैं इच्छुक व्यक्ति शीघ्र संपर्क करे

दैनिक

जनसेवा समाचार

MPHIN/2013/53952

web:www.jansewasamachar.com

आवश्यकता हैं

दैनिक जनसेवा समाचार

को मेहनती और शिक्षित युवकों की जो आवश्यकता हैं जो विज्ञापन लाने का कार्य कर सके।

वर्ष-21 | अंक-217 | प्रात :कालीन हिन्दी दैनिक | भोपाल, सोमवार 7 सितम्बर 2026 | पृष्ठ-8 | मूल्य-1 रुपये

दुनिया के नए नक्शे पर भारत की आपत्ति

कहा- जम्मू-कश्मीर, लद्दाख हमारे नक्शे के मुताबिक दिखें, हमारी सीमाएं अटल, इनसे समझौता नहीं

नई दिल्ली(एजेंसी)। भारत ने दुनिया के नए नक्शे को लेकर आपत्ति जताई है। विदेश मंत्रालय ने रविवार को कहा कि जम्मू-कश्मीर और लद्दाख समेत भारत का पूरा इलाका भारत के आधिकारिक नक्शे के हिसाब से ही दिखना चाहिए। भारत के इलाके को गलत या भ्रामक तरीके से दिखाना हमें मंजूर नहीं है। भारत की सीमाएं अटल हैं, इससे समझौता नहीं हो सकता। विदेश मंत्रालय ने बताया कि भारत ने संयुक्त राष्ट्र (यूएन) के उस प्रस्ताव के पक्ष में वोट किया, जिसमें दुनिया के नक्शे पर देशों और महाद्वीपों का आकार उनके असली क्षेत्रफल के करीब दिखाने की बात कही गई है। हालांकि, भारत ने साफ किया कि इसका मतलब किसी एक खास नक्शे को मंजूरी देना नहीं है।

भारतः क्षेत्रफल वही, आकार बड़ा दिख सकता है

भारत की वास्तविक जमीन, अंतरराष्ट्रीय सीमाओं या क्षेत्रफल में कोई बदलाव नहीं होगा। यह बदलाव देशों की सीमाएं बदलने वाला नहीं, बल्कि नक्शे पर पृथ्वी को दिखाने का तरीका बदलने वाला है।

भारत का नक्शा देखने में भी थोड़ा अलग दिख सकता है, लेकिन भारत के मामले में बदलाव बहुत बड़ा नहीं होगा। नया नक्शा क्षेत्रफल सही अनुपात में दिखाता है। पुराने नक्शे में भूमध्य रेखा के आसपास के इलाके अपने आकार से छोटे और ध्रुवों के पास के इलाके बड़े दिखते हैं। भारत भूमध्य रेखा से बहुत दूर नहीं है, इसलिए पुराने नक्शे में भी उसका आकार कुछ हद तक छोटा दिखता है।

भारत को आपत्ति क्यों है

भारत को यूएन के इस नए नक्शे के तरीके से आपत्ति नहीं है। भारत ने बराबर क्षेत्रफल दिखाने वाले नक्शे के प्रस्ताव के पक्ष में वोट किया है। उसकी आपत्ति नक्शे में भारत के क्षेत्र को गलत तरीके से दिखाए जाने की संभावना को लेकर है। विदेश मंत्रालय ने साफ कहा है कि यह प्रस्ताव किसी खास नक्शे, नक्शा बनाने के तरीके या देशों की सीमाओं को मंजूरी नहीं देता। इसलिए भारत ने अपनी स्थिति स्पष्ट करते हुए कहा कि जम्मू-कश्मीर और लद्दाख समेत भारत का पूरा संप्रभु क्षेत्र भारत के आधिकारिक नक्शे के मुताबिक ही दिखाया जाना चाहिए। भारत के क्षेत्र का कोई भी गलत या भ्रामक चित्रण स्वीकार नहीं किया जाएगा।

ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट-2027 के लिए वैश्विक निवेशकों को आमंत्रित करने के साथ नई औद्योगिक साझेदारियों पर रहेगा विशेष फोकस

मुख्यमंत्री डॉ. यादव दुबई में वैश्विक निवेशकों के समक्ष प्रस्तुत करेंगे मध्यप्रदेश की विकास और निवेश संभावनाएं

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव रविवार से 9 सितंबर 2026 तक संयुक्त अरब अमीरात के दुबई यात्रा पर रहेंगे। मुख्यमंत्री के नेतृत्व में एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल एआईएम कांग्रेस-2026 में सहभागिता करेगा। मुख्यमंत्री की यह यात्रा मध्यप्रदेश के वैश्विक निवेश संपर्कों को सुदृढ़ करने, अंतर्राष्ट्रीय निवेशकों के समक्ष राज्य की आर्थिक एवं औद्योगिक क्षमताओं को प्रस्तुत करने और नई निवेश साझेदारियों को गति देने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल होगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव दुबई के वर्ल्ड ट्रेड सेंटर में आयोजित एआईएम कांग्रेस-2026 में मध्यप्रदेश की निवेश क्षमता, औद्योगिक आधार और विभिन्न क्षेत्रों में उपलब्ध निवेश अवसरों को वैश्विक उद्योग जगत के समक्ष प्रस्तुत करेंगे। यात्रा के दौरान 'इन्वेस्ट मध्यप्रदेश विषय पर विशेष सत्र भी प्रस्तावित है।

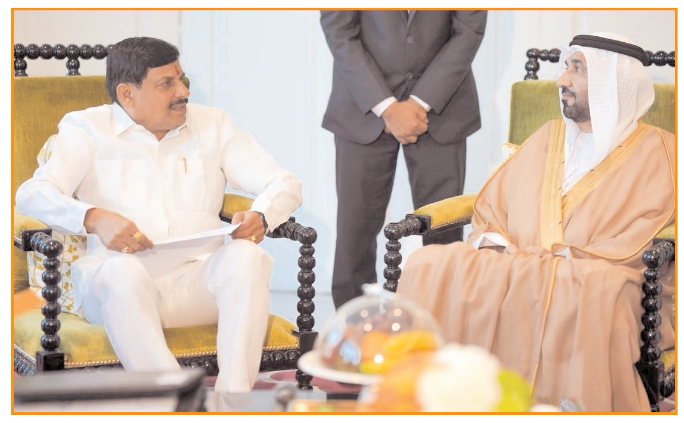

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है:- कि मध्यप्रदेश भारत के तेजी से उभरते औद्योगिक और निवेश गंतव्यों में अपनी सशक्त पहचान बना रहा है। राज्य में उपलब्ध संसाधन, बेहतर आधारभूत संरचना, उद्योग-अनुकूल वातावरण और निवेशकों के लिए विकसित सुविधाएं प्रदेश को निवेश के लिए आकर्षक बनाती हैं। हमारा प्रयास है कि वैश्विक निवेशकों के साथ मजबूत साझेदारी स्थापित कर मध्यप्रदेश के औद्योगिक विकास को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि दुबई यात्रा मध्यप्रदेश और संयुक्त अरब अमीरात के बीच आर्थिक एवं औद्योगिक सहयोग को और अधिक मजबूत बनाने का अवसर प्रदान करेगी। वैश्विक निवेशकों और उद्योग समूहों के साथ होने वाली बैठकें प्रदेश में नए निवेश और रोजगार के अवसर सृजित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी।

एआईएम कांग्रेस 2026 में उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल का करेंगे नेतृत्व

मुख्यमंत्रीकी यात्रा का एक महत्वपूर्ण उद्देश्य जनवरी 2027 में भोपाल में प्रस्तावित ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट-2027 के लिए अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर संपर्क एवं सहभागिता को बढ़ावा देना भी है। यात्रा में संयुक्त अरब अमीरात सरकार को ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट-2027 में पार्टनर कंट्री के रूप में आमंत्रित करने के प्रयास किए जाएंगे। मुख्यमंत्री एआईएम कांग्रेस के उद्घाटन समारोह, वैश्विक नेतृत्व से जुड़े कार्यक्रमों तथा विभिन्न निवेश और व्यावसायिक बैठकों में सहभागिता करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव मध्यप्रदेश मंडप का अवलोकन भी करेंगे और वैश्विक कॉर्पोरेट समूहों के साथ वन-टू-वन बैठकों में मध्यप्रदेश में निवेश की संभावनाओं पर चर्चा करेंगे। दुबई यात्रा के दौरान सरकारी एवं व्यावसायिक स्तर की बैठकों के साथ राष्ट्र प्रमुख और संस्थागत निवेशकों के साथ राउंड टेबल बैठक भी प्रस्तावित है। इन बैठकों में मध्यप्रदेश में निवेश की नई संभावनाओं तथा दीर्घकालिक आर्थिक साझेदारी पर चर्चा की जाएगी। मुख्यमंत्री की मेजबानी में बिजनेस लीडर्स लंच तथा निवेशकों के साथ संवाद कार्यक्रम भी प्रस्तावित हैं। 8 सितंबर को इन्वेस्ट मध्यप्रदेश ॰ इंटरएक्टिव सेशन के माध्यम से चुनिंदा वैश्विक निवेशकों और उद्योग जगत के प्रतिनिधियों के साथ सीधे संवाद का अवसर मिलेगा। इस दौरान मध्यप्रदेश की औद्योगिक नीतियों, निवेश-अनुकूल वातावरण और विभिन्न उभरते क्षेत्रों में उपलब्ध अवसरों को प्रमुखता से प्रस्तुत किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार का लक्ष्य केवल निवेश आकर्षित करना ही नहीं, बल्कि निवेशकों के साथ दीर्घकालिक और भरोसेमंद साझेदारी स्थापित करना है।

पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट

चीफ जस्टिस की नियुक्ति का विरोध

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पंजाब की आम आदमी पार्टी (आप) सरकार ने पंजाब एंड हरियाणा हाईकोर्ट के नए चीफ जस्टिस अश्वनी कुमार मिश्रा की नियुक्ति का विरोध किया है।

जालंधर में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर वित्तमंत्री हरपाल चीमा ने कहा कि चीफ जस्टिस की नियुक्ति के लिए संबंधित राज्य सरकार के व्यू और सहमति लेनी जरूरी होती है। इस मामले में इस प्रक्रिया को फॉलो नहीं किया है। इसे देखते हुए सीएम भगवंत मान ने रविवार को कैबिनेट की इमरजेंसी मीटिंग की। जिसमें चीफ जस्टिस की नियुक्ति के खिलाफ प्रस्ताव पास किया गया। जिसमें कहा गया कि पंजाब सरकार की सहमति तक चीफ जस्टिस को शपथ न दिलाई जाए। सरकार ने राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और गवर्नर से भी अपील की है। मीटिंग के बाद सीएम भगवंत मान ने कहा कि केंद्र सरकार की ओर से पंजाब के अधिकारों में दखल और संवैधानिक नियमों के उल्लंघन के खिलाफ सर्वसम्मति से प्रस्ताव पास किया है। पंजाब सरकार की सहमति के बिना पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट के नए चीफ जस्टिस की नियुक्ति तय प्रक्रिया और संवैधानिक नियमों का उल्लंघन है।

शाह बोले- नक्सलवाद के बाद नशा भी खत्म करेंगे

रेड कॉरिडोर की सोच वालों ने हथियार डाले

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने रविवार को गोवा में कहा कि सरकार ने नक्सलवाद खत्म कर दिया है। अब नशीले पदार्थों की समस्या से भी उसी तरह निपटा जाएगा। उन्होंने कहा कि, नक्सलवाद के बाद नशीले पदार्थों की समस्या से भी उसी तरह निपटेंगे। जिन्होंने तिरुपति से पशुपतिनाथ तक रेड कॉरिडोर की कल्पना की थी, उन्होंने अब अपने हथियार डाल दिए हैं और मुख्यधारा में शामिल हो गए हैं। दरअसल, अमित शाह गोवा के दौरे पर हैं। इस दौरान उन्होंने मीडिया से बातचीत करते हुए ये बयान दिया। **3 साल का अभियान॰ अमित शाह ने कहा**- पूरा देश नशा मुक्त भारत के तीन साल के अभियान का समर्थन करेगा। आज आपसे बात करने का उद्देश्य गोवा के पूरे मीडिया से यह अनुरोध करना भी है कि भारत को नशा मुक्त बनाने के इस लक्ष्य को हासिल करने में हमारी मदद करें। 1 करोड़ किलो से ज्यादा नशीले पदार्थ जब्त॰ उन्होंने कहा कि 2004 से 2014 तक कांग्रेस शासन के दौरान, 26 लाख किलोग्राम नशीले पदार्थ जब्त किए गए थे। जबकि, 2014 और 2026 के बीच, यह आंकड़ा बढ़कर 1 करोड़ 19 लाख किलोग्राम से अधिक हो गया। 1 लाख नशामुक्ती मित्र तैयार किए जाएंगे॰ गृह मंत्री ने कहा कि अभियान 50 करोड़ नागरिकों तक पहुंचेगा।

पीएम ने कहा था- भारत में ड्रग्स सप्लाई आतंकी साजिश का हिस्सा

पीएम मोदी ने 2 अगस्त को 'नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत संकल्प अभियान' लॉन्च किया। उन्होंने कहा था कि भारत में ड्रग्स की सप्लाई दुश्मन देशों की आतंकी साजिश का हिस्सा है। पीएम ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए अपने संबोधन में कहा था- दुश्मन देश भारतीय युवाओं को नशे के जाल में धकेलना चाहते हैं। इस साजिश को मिलकर नाकाम करना होगा।

कर्मचारियों का सवाल- क्या इसरो रॉकेट नहीं बनाएगा?

9 संगठनों ने प्राइवेटाइज़ेशन पर स्पष्टी करण मांगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। इसरो के नौ कर्मचारी संगठनों ने स्पेस एजेंसी के चेयरपर्सन वी. नारायणन को पत्र लिखकर प्राइवेटाइजेशन पर स्पष्टीकरण मांगा है। यह लेटर 4 सितंबर को लिखा गया। जानकारी आज सामने आई है। कर्मचारी संगठनों ने कहा कि सरकारी संस्थानों में निजी कंपनियों की भागीदारी हो सकती है, लेकिन इसरो मजबूत संगठन बना रहना चाहिए। इसे केवल सीमित रिसर्च एंड डेवलपमेंट (आरे एंड डी) संस्था तक सीमित न कर दिया जाए। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने एक्स पर लिखा कि स्पेस एजेंसी के अंदर से आवाजें उठने लगी हैं। जब साराभाई और धवन की विरासत को व्यवस्थित तरीके से खत्म किया जा रहा है तो बाकी लोगों को भी चुप नहीं रहना चाहिए।

मध्यप्रदेश में जहरीली शराब से 2 दिन में 11 मौतें

सागर में 24 लोगों के शरीर नीले पड़े

भोपाल (ब्यूरो)। मध्य प्रदेश के सागर में जहरीली शराब पीने से अब तक 11 लोगों की मौत हो चुकी है। इनमें 3 की मौत शनिवार देर रात हो गई थी। हालांकि कलेक्टर ने 10 मौतों की पुष्टि की है। वहीं, करीब 35 लोगों की हालत गंभीर है। इनमें से कुछ लोगों के शरीर नीले पड़ गए हैं। मामले में सहायक आबकारी आयुक्त कीर्ति दुबे, जिला आबकारी अधिकारी दिलीप खंडाते और बंडा के आबकारी उप निरीक्षक रोशनी उरेते को सस्पेंड किया गया है। गूगरा चौकी प्रभारी एएसआई पूरन सिंह और बंडा थाना प्रभारी राजेंद्र कुशवाहा भी निलंबित किए गए हैं। वहीं, संभागीय फ्लाइंग स्क्वाड प्रभारी नीरज श्रीवास्तव को ग्वालियर मुख्यालय अटैच किया गया है। जहरीली शराब का नेटवर्क तलाशा जा रहा कलेक्टर प्रतिभा पाल ने बताया कि मामला नौरोजा और घुघरा खुर्द गांव का है। शनिवार सुबह करीब 4॰30 बजे जहरीली शराब पीने से लोगों के बीमार होने की सूचना मिली। इसके बाद प्रभावित गांवों में मेडिकल टीमों ने स्क्रीनिंग शुरू की। लक्षण मिलने पर उन्हें बुंदेलखंड मेडिकल कॉलेज (बीएमसी) भेजा जा रहा है। करीब 35 लोगों को अस्पताल लाया गया है। इनमें कुछ की हालत गंभीर बताई जा रही है। गंभीर मरीजों को बीएमसी और सागर जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। प्रशासन ने बीएमसी में संदिग्ध मरीजों के लिए अलग बेड की व्यवस्था की है।

नौराज और गूगरा खुर्द पहुंचे कमिश्नर-आईजी

मौतों के बाद सागर कमिश्नर, आईजी, कलेक्टर और एसपी ग्राम नौराज और गूगरा खुर्द पहुंचे। अधिकारियों ने पीड़ित परिवारों से मुलाकात की और अस्पताल में भर्ती मरीजों के इलाज की व्यवस्था का जायजा लिया। एहतियातन क्षेत्र की 7 शराब दुकानों को सील किया गया है। इनमें बरेठी, बंडा, शाहगढ़, मगरधा, विनायका, दलपतपुर और बरायठा की दुकानें शामिल हैं।अधिकारी दुकानों से सैंपल लेकर जांच के लिए भेज रहे हैं।

19 हजार के बिल पर विवाद पर

महाराष्ट्र में शिवसेना नेता ने हॉस्पिटल कर्मचारी को थप्पड़ मारा

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के पालघर में शनिवार रात शिंदे गुट की शिवसेना के पदाधिकारियों पर रिलीफ हॉस्पिटल में डॉक्टरों और कर्मचारियों से मारपीट का आरोप है। एक शिवसेना नेता ने कर्मचारी को थप्पड़ मार दिया। कुछ लोग आईसीयू में भी घुसे और नर्स को धमकाया। हॉस्पिटल कर्मचारी की शिकायत के मुताबिक, शिवसेना जिला प्रमुख कुंदन सांखे, शहर प्रमुख राहुल घरात और अन्य लोग इमरजेंसी वार्ड में पहुंचे। उन्होंने डॉक्टरों से बहस की और कर्मचारियों के साथ गाली-गलौज और मारपीट की। बीच-बचाव करने पहुंचे कर्मचारी को राहुल घरात ने थप्पड़ मारा। यह घटना सीसीटीवी में कैद हुई है। हंगामा दही हांडी के दौरान घायल हुए गोविंदा के इलाज के बिल को लेकर हुआ था। डिस्चार्ज के समय हॉस्पिटल ने रू19,866 का बिल दिया था।

58 इंटरनेशनल समेत 301 फ्लाइट डिले

इंडोनेशिया में ज्वालामुखी फटा, 50 हजार फीट तक राख उड़ी

जकार्ता। इंडोनेशिया के माउंट अनाक क्राकाटोआ में रविवार को जोरदार विस्फोट हुआ। ज्वालामुखी से निकली राख करीब 50 हजार फीट की ऊंचाई तक पहुंच गई। एयरपोर्ट ऑपरेटर के मुताबिक, विस्फोट के चलते 301 उड़ानें प्रभावित हुईं। इनमें 58 इंटरनेशनल फ्लाइट भी शामिल हैं। फिलहाल जान-माल के नुकसान की कोई जानकारी सामने नहीं आई है।

सरकार के रू35/केजी प्याज बेचने के बाद भी कीमतें बढ़ीं

देशभर में औसत भाव रू50.79 पहुंचा; दिल्ली में रू65 और चेन्नई में रू63 बिका

नई दिल्ली। केंद्र सरकार के बफर स्टॉक से सस्ती दर पर प्याज बेचने के बावजूद कीमतें नहीं घटी है। सरकार 28 अगस्त से 17 शहरों में रू35 प्रति किलो के भाव पर प्याज बेच रही है। इसके बावजूद पूरे देश में प्याज का औसत खुदरा भाव रू48.5 प्रति किलो से बढ़कर रू50.79 प्रति किलो पहुंच गया है। उपभोक्ता मामलों के विभाग के आंकड़ों के मुताबिक, इस योजना के पहले 10 दिनों में लगभग 4,000 टन बफर प्याज की बिक्री की जा चुकी है। इसके बावजूद महानगरों में प्याज के दाम ऊंचे बने हुए हैं। दिल्ली में रू65 और चेन्नई में ?63 प्रति किलो पहुंचा।

अफसरों का दावा- बफर सेल से कीमतों में 2 से 3 रुपए की कमी आई

निधि खरे के मुताबिक, बफर स्टॉक जारी होने से स्थानीय स्तर पर कीमतों में हल्की नरमी आई है। उन्होंने कहा कि सरकारी बफर का प्याज साइज और क्वालिटी में निजी व्यापारियों के प्याज के बराबर ही है। वहीं, एनसीसीएफ के मैनेजिंग डायरेक्टर अनिस जोसेफ चंद्रा ने कहा कि उनकी एजेंसी ने अब तक अलग-अलग शहरों में 1,500 टन बफर प्याज बेच दिया है। उनका फोकस रिटेल स्तर पर रू35 प्रति किलो के भाव पर सीधे उपभोक्ताओं तक प्याज पहुंचाने पर है।

दिल्ली में 50 साल पुरानी बिल्डिंग गिरी, 3 की मौत

दावा- हादसे के वक्त 50 से ज्यादा लोग अंदर मौजूद थे; बेसमेंट में खुदाई जारी थी

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के सत्य निकेतन इलाके में रविवार को एक 5 मंजिला बिल्डिंग गिर गई। इसमें 2 स्टूडेंट्स की मौत हो गई। वहीं, 3 गंभीर रूप से घायल हैं। जो इमारत गिरी वो 40-50 साल पुरानी थी। बिल्डिंग में हॉस्टल चलता था। चश्मदीदों के मुताबिक हादसे के वक्त छात्र कमरों में थे और बेसमेंट में खुदाई चल रही थी। 9 का रेस्क्यू कर लिया गया है। हालांकि अभी यह पता नहीं चला है कि मलबे में कितने बच्चे फंसे हैं। बताया जा रहा है कि बिल्डिंग में 20-25 कमरे थे और हर कमरे में 2 स्टूडेंट्स रहते थे। हादसे के वक्त अंदर 50 से ज्यादा लोग मौजूद थे।

राहुल गांधी और अरविंद केजरीवाल ने सरकार पर सवाल उठाए

राहुल गांधी: दिल्ली के सत्य निकेतन में इमारत ढहने की खबर बेहद दर्दनाक और चिंताजनक है। कॉलेज या विश्वविद्यालय में अच्छे हॉस्टल न होने के कारण छात्र क्क्न में एक छत के नीचे 40-40 की संख्या में, अमानवीय परिस्थितियों में रहने को मजबूर हैं।

अरविंद केजरीवाल: मेरी भगवान से प्रार्थना है कि मलबे में फंसे लोगों का सकुशल और जल्द रेस्क्यू हो जाए। दिल्ली में सरकार की लापरवाही के कारण अब तक कई हादसे हो चुके हैं। सरकार को नींद से जागना होगा।

10 साल में अवैध निर्माण के 76 हजार से ज्यादा मामले

दिल्ली में 2015 से 17 मार्च 2025 के बीच स्न्ष्ठ के 12 जोन में 76,465 अवैध निर्माण के मामले दर्ज हुए। इनमें सिर्फ 35,842 मामलों में कार्रवाई शुरू की गई। इस दौरान 11,903 संपत्तियां सील की गईं, लेकिन सिर्फ 683 को दोबारा खोला गया। सील तोड़ने पर स्नढ्ढक्र दर्ज करने का प्रावधान है। यह जानकारी दिल्ली विधानसभा में आप विधायक जरनैल सिंह के सवाल के जवाब में दी गई।

श्रीकृष्ण पर्व में खाली कुर्सियों ने खोली सरकारी आयोजन की पोल

दो घंटे भी नही चला कार्यक्रम, लाखों रुपए बहाए पानी में

मण्डला (नि.प्र.)

शुक्रवार को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर जिले भर में शासकीय अशासकीय और सामाजिक कार्यक्रमों की धूम रही पूरा वातावरण उत्साह में देखा गया लेकिन जिले के मुख्यालय में आयोजित शासकीय कार्यक्रम में अधिकारियों की लापरवाही से पूरा कार्यक्रम तहस नहस हो गया। इस भव्य आयोजन में आधा सैकड़ा लोग भी नही पहुंच पाए जैसे तैसे कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ और दो घंटे के अंदर कार्यक्रम को समाप्त कर दिया गया। मात्र दो घंटे में लाखों रूपए की बर्वादी कर दी गई।

नगर के गणमान्य नागिरकों ने बताया कि सांस्कृतिक विभाग द्वारा हर वर्ष जन्माष्टमी के अवसर पर कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है यह कार्यक्रम पिछले कई वर्षो से सरस्वती स्कूल में आयोजित किया जाता रहा है जहां पर भव्यता के साथ कार्यक्रम की गरिमा दिखाई दे रही थी लेकिन इस बार अचानक कार्यक्रम का स्थान बदल दिया गया और कार्यक्रम ज्ञानदीप स्कूल में हुआ कार्यक्रम का प्रचार प्रसार नही किया गया और नही ही लोगों को आमंत्रित किया गया। कार्यक्रम के शुभारंभ में चंद लोगों ने दीप प्रज्वालन कर कार्यक्रम को आरंभ कराया लेकिन बाहर से आए संगीतकार और नाटक मंच के कलाकारों का उत्साह तब टूट गया जब सामने की तमाम कुर्सीया खाली पड़ी रही। धीरे धीरे कर 40-50 लोग भी यहां से चलते बने अंत में 10-5 लोग ही यहां पर दिखाई दे रहे थे 10 बजे कार्यक्रम समाप्त कर दिया गया जिससे धर्मप्रेमियों में रोष है लोगों ने कहा कि प्रशासनिक लापरवाही से यह आयोजन अपना मूर्त रूप नही ले पाया इस कार्य की एजेंसी कृषि विभाग को बनाया गया था। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर मध्यप्रदेश शासन के संस्कृति विभाग द्वारा ज्ञानदीप इंग्लिश मीडियम हायर सेकेंडरी स्कूल में आयोजित श्रीकृष्ण पर्व कार्यक्रम अब आयोजन की भव्यता से अधिक अपनी व्यवस्थाओं और दर्शकों की मौजूदगी को लेकर चर्चा में है। 4 सितंबर की शाम आयोजित इस कार्यक्रम को भगवान श्रीकृष्ण के जीवन प्रसंगों, लीलाओं और भारतीय सांस्कृतिक परंपराओं पर आधारित कला-अभिव्यक्तियों का मंच बताया गया।

कार्यक्रम में नृत्य नाटिका, भक्ति गायन सहित विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियां हुईं, लेकिन कार्यक्रम स्थल की सामने आई तस्वीरों में बड़ी संख्या में कुर्सियां खाली दिखाई दी। जानकारी के अनुसार श्रीकृष्ण पाथेय न्यास मध्यप्रदेश शासन संस्कृति विभाग द्वारा जिला प्रशासन के सहयोग से कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में भगवान श्रीकृष्ण के जीवन प्रसंगों एवं लीलाओं को नृत्य नाटिका और भक्ति गायन के माध्यम से प्रस्तुत किया गया। गोवर्धन धारण पर केंद्रित नृत्य नाटिका डॉ. नेहा विश्वकर्मा एवं साथी जबलपुर द्वारा प्रस्तुत की गई जबकि सुदामा मिलन प्रसंग पर आधारित नृत्य नाटिका मोहिनी गोरे एवं साथ ही जबलपुर ने प्रस्तुत की। इसके अलावा रुद्रकांत ठाकुर एवं साथी सिवनी द्वारा भक्ति गायन की प्रस्तुति दी गई।

कार्यक्रम के दौरान कलाकारों ने अपनी प्रस्तुतियों के माध्यम से श्रीकृष्ण की लीलाओं, गोवर्धन धारण और सुदामा मिलन जैसे प्रसंगों को जीवंत करने का प्रयास किया। लेकिन कार्यक्रम स्थल की तस्वीरों में दर्शकों के बैठने के लिए लगाई गई कई कुर्सियां खाली दिखाई दीं। मामला इसलिए भी महत्वपूर्ण हो जाता है क्योंकि कार्यक्रम मध्यप्रदेश शासन के संस्कृति विभाग से जुड़ा था और जिला प्रशासन के सहयोग से आयोजित किया गया।

शासकीय स्तर पर आयोजित किसी भी कार्यक्रम में मंच, साउंड, लाइट, सजावट, बैठक व्यवस्था, कलाकारों की प्रस्तुति, प्रचार-प्रसार और अन्य व्यवस्थाओं पर राशि खर्च होती है। ऐसे में आम नागरिकों का यह जानना स्वाभाविक है कि श्रीकृष्ण पर्व के आयोजन के लिए कितनी राशि स्वीकृत की गई थी और वास्तविक रूप से कितनी राशि खर्च हुई। खर्च किन-किन मदों में किया गया कार्यक्रम के प्रचार-प्रसार पर कितनी राशि खर्च हुई दर्शकों की अधिकतम सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए प्रशासन या आयोजक की ओर से क्या प्रयास किए गए। किसी भी सांस्कृतिक कार्यक्रम का मंच केवल प्रस्तुति देने का स्थान नहीं होता। उनके सामने बैठे दर्शकों की तालियां, उत्साह और प्रोत्साहन उनके आत्मविश्वास को बढ़ाते हैं। कार्यक्रम को भव्य और सफल बताया जाता है तो उसकी सफलता का पैमाना केवल मंच, सजावट और कलाकारों की प्रस्तुति नहीं हो सकता।

कार्यक्रम में कितने लोग पहुंचे स्थानीय नागरिकों की कितनी सहभागिता रही बच्चों और कलाकारों को कितना प्रोत्साहन मिला तथा सरकारी खर्च के मुकाबले आयोजन का सामाजिक प्रभाव कितना रहा इन पहलुओं का भी मूल्यांकन होना चाहिए। कार्यक्रम के लिए बड़ी संख्या में दर्शकों के बैठने की व्यवस्था की गई थी तो अपेक्षित संख्या में लोग कार्यक्रम स्थल तक क्यों नहीं पहुंचे क्या कार्यक्रम को लेकर पर्याप्त प्रचार-प्रसार किया गया था क्या स्थानीय नागरिकों अभिभावकों और विद्यार्थियों को समय रहते कार्यक्रम की जानकारी दी गई थी यदि दी गई थी तो फिर कार्यक्रम स्थल पर दर्शकों की संख्या अपेक्षाकृत कम क्यों दिखाई दी।

श्रीकृष्ण पर्व में भजन संध्या आयोजित

मण्डला (नि.प्र.)

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के पावन अवसर पर श्रीकृष्ण पाथेय न्यास भोपाल के मार्गदर्शन में नगर के सिंहवाहिनी वार्ड बुधवारी चौक स्थित श्रीराधा-कृष्ण मंदिर में भजन संध्या का आयोजन किया गया जिसमें बड़ी संख्या में कृष्ण भक्त शामिल हुए। भजन संध्या का शुभारंभ जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ संजय कुशराम, नगर पालिका अध्यक्ष विनोद कछवाहा, भाजपा जिलाध्यक्ष प्रफुल्ल मिश्रा, पूर्व क्षेत्रीय प्रबंधक मुकेश सोनी, सामाजिक कार्यकर्ता सुधीर कांस्कार, नगर उपाध्यक्ष संजय गुप्ता कृष्ण मंदिर के पुजारी पंडित राहुल शुक्ला ने भगवान श्रीकृष्ण के तैल्यचित्र में माल्यार्पण दीप प्रज्वलन से किया। इस अवसर पर ओम युवा मंडल के कलाकारों ने अतिथियों का पुष्पगुच्छ एवं अंग वस्त्र भेट कर स्वागत किया। भजन संध्या के शुभारंभ अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ. संजय कुशराम एवं नगर पालिका अध्यक्ष विनोद कछवाहा ने अपने संबोधन में कहा की कृष्ण पाथेय न्यास भोपाल द्वारा मंडला में कृष्ण पर्व का आयोजन किया जाना एक अच्छी परंपरा की शुरुआत है ऐसे कार्यक्रम से हम सभी को भगवान कृष्ण की भक्ति के लिए प्रेरणा मिलती है साथ ही जन्माष्टमी जैसे प्रमुख पर्व पर एक अलग अनुभूति का अनुभव मिला भजन संध्या में भगवान श्री कृष्ण की भक्ति और उनके चरित्र पर हुई मनमोहक प्रस्तुति से पूरा वातावरण कृष्ण मय लग रहा है। उन्होंने मध्य प्रदेश सरकार के संस्कृति विभाग के इस अभिनव प्रयास के लिए साधुवाद देते हुए स्थानीय कलाकारों की मन मोहक प्रस्तुति की सराहना की भजन संध्या में नगर के अनेक गणमान्य नागरिक जनप्रतिनिधीगण सहित बड़ी संख्या में कृष्ण भक्त उपस्थित थे।

गुरुद्वारा में कृष्ण जन्माष्टमी

मण्डला (नि.प्र.) स्थानीय अंबेडकर वार्ड स्थित श्री गुरुद्वारा साहिब में श्री झूलेलाल धाम सेवा समिति एवं पूज्य सिंधी पंचायत के तत्वावधान में कृष्ण जन्माष्टमी पर्व हर्षोल्लास से मनाया गया यहां पूजन-अर्चन के साथ रामधुनी का शुभारंभ किया गया सामाजिक महिलाओं ने रामधुन प्रस्तुत कर भक्ति का माहौल बनाया रात्रि में सामाजिक कलाकारों ने श्रीकृष्ण भजनों से सजी संगीत संध्या की प्रस्तुति दी रात्रि 12 बजे सामाजिक बच्चे बाल स्वरूप कृष्ण एवं राधा की वेशभूषा में कार्यक्रम में शामिल हुए बच्चों ने रासलीला की मनमोहक प्रस्तुतियां देकर उपस्थित श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया।

आंगनबाड़ी में सजी मनमोहक झांकियां

मण्डला (नि.प्र.)

जन्माष्टमी के पावन अवसर पर सिंहवाहिनी वार्ड स्थित आंगनबाड़ी केंद्र में नन्हे-मुन्ने बच्चों द्वारा भगवान श्रीकृष्ण एवं राधा के स्वरूप में मनमोहक झांकियां प्रस्तुत की गईं बच्चों ने आकर्षक पोशाक धारण कर अपनी मासूम अदाओं से उपस्थित लोगों का मनमोह लिया आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिका के द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में बच्चे एवं उनके अभिभावक उपस्थित रहे। बच्चों को श्रीकृष्ण और राधा के रूप में सजे देखकर पूरा आंगनबाड़ी केंद्र भक्तिमय वातावरण से सराबोर नजर आया। कार्यक्रम के दौरान बच्चों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की कार्यक्रम में मुख्य अतिथि पार्षद श्रीमती माया संजय गुप्ता उपस्थित रहीं उन्होंने बच्चों का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें मिष्ठान वितरित किए बच्चों ने भी हर्षोल्लास के साथ जन्माष्टमी पर्व मनाया इसके पश्चात सभी बच्चों को भोजन कराया गया।

शिक्षक दिवस पर कार्यक्रम

मण्डला (नि.प्र.)

शिक्षक दिवस के अवसर पर प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय के मुख्य सेवाकेंद्र विश्व शांति भवन में विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया कार्यक्रम में शिक्षकों के प्रति सम्मान एवं कृतज्ञता व्यक्त करते हुए शिक्षा के साथ संस्कार और नैतिक मूल्यों की आवश्यकता पर चर्चा की गई कार्यक्रम में क्षेत्रीय संचालिका राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी ममता दीदी, ब्रह्माकुमारी ओमलता दीदी, प्राचार्य डॉ. प्रो. शरद नारायण खरे, पूर्व जिला शिक्षा अधिकारी अरविन्द कुमार शुक्ल, शिक्षिका बहन प्रीति दुबे, शिक्षिका बहन नमिता दुबे, इको क्लब के सदस्य एवं पूर्व शिक्षक राजेश क्षत्री सहित शिक्षकगण उपस्थित रहे।

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव में भक्तिमय वातावरण

मण्डला (नि.प्र.)

यादव महासभा नारायणगंज के तत्वावधान में ग्राम कूड़ामैली स्थित सार्वजनिक श्री राधा-कृष्ण निर्माणाधीन मंदिर परिसर में भगवान श्री कृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव भव्य एवं भक्तिमय वातावरण में मनाया गया। कार्यक्रम में यादव समाज सहित विभिन्न समाजों के लोगों ने बड़ी संख्या में सहभागिता की। महोत्सव के तहत सुबह 10 बजे भगवान श्री राधा-कृष्ण की विधि-विधान से पूजा-अर्चना की गई और सुबह 11 बजे विशाल शोभायात्रा एवं वाहन रैली निकाली गई। रैली ग्राम कूड़ामैली से मैली चौराहा होते हुए नारायणगंज मुख्य बस स्टैंड पहुंची और पुन: कूड़ामैली पहुंचकर समाप्त हुई। शोभायात्रा के समापन के बाद मंदिर परिसर में भव्य धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया गया। वृंदावन से आए कलाकारों ने मनमोहक भजनों की प्रस्तुति दी। वहीं मां हिंगलाज देवी जागरण ग्रुप के सिंगर अमन परवाना, ममता सत्यार्थी एवं चंचल यादव ने भगवान श्री कृष्ण के भजनों की प्रस्तुति देकर श्रद्धालुओं को भक्तिरस में सराबोर कर दिया। भजनों पर युवा एवं श्रद्धालु जमकर थिरके। ग्राम बरोंची से आए कलाकारों ने पारंपरिक अहीर नृत्य की प्रस्तुति दी जबकि बच्चों ने भी सांस्कृतिक नृत्य प्रस्तुत कर दर्शकों की खूब तालियां बटोरीं। कार्यक्रम में सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते, क्षेत्रीय विधायक चैन सिंह वरकड़े,

भाजपा जिला अध्यक्ष प्रफुल्ल मिश्रा, पूर्व जिला अध्यक्ष रतन ठाकुर, जिला पंचायत सदस्य भूपेंद्र वरकड़े, जनपद पंचायत अध्यक्ष आशाराम भारतीया, उपाध्यक्ष मोनू शर्मा, भाजपा मंडल अध्यक्ष किशन तेकाम, तहसीलदार, मंडल महामंत्री मृदु साहू सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान क्षेत्रीय विधायक चैन सिंह वरकड़े ने श्री राधा-कृष्ण निर्माणाधीन मंदिर के निर्माण कार्य के लिए 2 लाख 1 हजार रुपये की नगद राशि प्रदान की। इस सहयोग के लिए यादव महासभा एवं उपस्थित समाजजनों ने विधायक का आभार व्यक्त किया। यादव महासभा नारायणगंज के अध्यक्ष अनिल यादव, सचिव दिनेश यादव, उपाध्यक्ष दयाराम यादव चाटी, कोषाध्यक्ष परमानंद यादव, सह सचिव देवेंद्र यादव, संरक्षक सोमनाथ यादव, युवा समाज अध्यक्ष अरुण यादव सहित महासभा के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता कार्यक्रम की व्यवस्थाओं में सक्रिय रहे। कार्यक्रम में बीजाडांडी सहित टिकरिया, बरोंची, गुजरशानी, खम्हरिया, चरगांव, चौकी कोबरी, कूड़ामैली, समनापुर, मानेगांव, घोंटखेड़ा, पाठा, टाटीघाट, खैरी, मलारा, पड़रिया, नारायणगंज, मैली, पटेहरा, शंकरगंज, भावल, बीजाडांडी, कालपी सहित आसपास के अनेक ग्रामों से यादव समाज के लोग एवं अन्य समाजों के महिला-पुरुष, युवतियां और युवा बड़ी संख्या में शामिल हुए।

शिक्षक दिवस पर हुआ शिक्षकों का सम्मान

विकास कार्यों का लोकार्पभूमिपूजन

1.72 करोड़ के विकास कार्यों की मिली सौगात

मण्डला (नि.प्र.) शिक्षक दिवस के अवसर पर नगर पालिका परिषद नैनपुर द्वारा भव्य शिक्षक सम्मान समारोह आयोजित किया गया। साथ ही नगर में विभिन्न विकास कार्यों के लोकार्पण तथा भूमिपूजन भी सम्पन्न किया गया। कार्यक्रम में मध्यप्रदेश शासन की लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग मंत्री श्रीमती संपतिया उईके मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। समारोह में नगर के विभिन्न विद्यालयों से सेवानिवृत्त शिक्षकों का सम्मान कर उनके योगदान को नमन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती और सर्वपल्ली राधा कृष्णन के छायाचित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ।

सेवानिवृत्त शिक्षकों का हुआ सम्मान

शिक्षक दिवस के अवसर पर नगर के विभिन्न विद्यालयों से सेवानिवृत्त शिक्षकों को सम्मानित किया गया। वक्ताओं ने भारत के प्रथम उपराष्ट्रपति एवं महान शिक्षाविद् डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जीवन एवं शिक्षा के क्षेत्र में उनके योगदान को स्मरण करते हुए कहा कि शिक्षक केवल ज्ञान प्रदान करने वाले नहीं, बल्कि समाज और राष्ट्र के भविष्य का निर्माण करने वाले मार्गदर्शक होते हैं। विद्यार्थियों को ज्ञान, संस्कार और जीवन की सही दिशा देने में शिक्षकों की भूमिका सदैव महत्तूर्ण रहेगी।

1.72 करोड़ के विकास कार्यों का लोकार्पण और भूमिपूजन

समारोह के दौरान नगर में पूर्ण कराए गए तथा प्रस्तावित विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन भी किया गया। इनमें दीनदयाल रसोई एवं रैन बसेरा, कायाकल्प 2.0 योजना अंतर्गत वार्ड क्रमांक 14 की प्राथमिक शाला से सिविल अस्पताल तक सीसी रोड निर्माण कार्य का लोकार्पण शामिल रहा।

इसके साथ ही वार्ड क्रमांक 14 में पंडित दीनदयाल भवन एवं सामुदायिक भवन निर्माण तथा जिला खनिज प्रतिष्ठान योजना के अंतर्गत सिविल अस्पताल परिसर में रैन बसेरा एवं रसोई निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया गया। इन सभी कार्यों की कुल लागत लगभग 172.68 लाख रुपये है।

जनप्रतिनिधियों एवं गणमान्य नागरिकों की रही मौजूदगी

कार्यक्रम में नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती कृष्णा पंजवानी, उपाध्यक्ष श्रीमती संजूलता वैष्णव, पार्षद राजाराम शर्मा, सुशीला चौरसिया, नितिन ठाकुर, सुनील विश्वकर्मा, मोहित कांत झारिया, नामनिर्देशित पार्षद किरण स्वामी, सुभाष सेन, प्रदीप मिश्रा, सालिक राम झारिया एवं मदन यादव सहित मुख्य नगर पालिका अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे। इस अवसर पर पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष नरेश चंद्रौल, पूर्व पार्षद जुगल बघेल, गणमान्य नागरिक मोनू जैन, खुब्बीलाल नामदेव, भगवती श्रीधर सहित बड़ी संख्या में नागरिक, सेवानिवृत्त शिक्षक, पत्रकारो की विशेष उपस्थिति रही। कार्यक्रम का संचालन शिक्षक शंकर दयाल वाजपेयी द्वारा किया गया।

मॉन्टफोर्ट स्कूल में शिक्षक दिवस

मण्डला (नि.प्र.) । मॉन्टफोर्ट सीनियर सेकेंडरी स्कूल में 5 सितंबर को शिक्षक दिवस समारोह हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में विद्यालय के शिक्षक विद्यार्थियों एवं स्टाफ सदस्यों ने सहभागिता की। मुख्य अतिथि संस्था प्रमुख ब्रदर बिनु चेरियन, ब्रदर राजन, कॉर्डिनेटर एवं वरिष्ठ शिक्षकों मीना ज्योतिषी और रोहित नायकवार के स्वागत के साथ हुई। अतिथियों के प्रवेश के दौरान कक्षा नवमी के विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत स्वागत नृत्य ने समारोह में उत्साह का संचार किया। इसके बाद विद्यालय के प्राचार्य ब्रदर बिनु, कॉर्डिनेटर और शिक्षकों ने दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ किया गया और विद्यालय के लीडर्स द्वारा गणमान्य अतिथियों एवं शिक्षकों को शुभकामना कार्ड भेंट किए गए। विद्यार्थियों ने अपने शिक्षकों के प्रति सम्मान और आभार व्यक्त करते हुए उन्हें शिक्षक दिवस की शुभकामनाएं दीं। कक्षा नवमी की छात्राओं ने समूह नृत्य प्रस्तुत किया वहीं छात्र-छात्राओं ने समूहगान के माध्यम से अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। समारोह में कक्षा बारहवीं की छात्राओं द्वारा प्रस्तुत समूह नृत्य ने भी सभी का ध्यान आकर्षित किया।

छात्र-छात्राओं ने डांस ड्रामा प्रस्तुत कर शिक्षक-विद्यार्थी संबंधों एवं शिक्षा के महत्व को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में शिक्षकों एवं विद्यार्थियों के साथ सहयोगी स्टाफ की भी महत्वपूर्ण भूमिका रही।

विशेष रूप से मंच व्यवस्था सजावट संगीत अनुशासन एवं अन्य व्यवस्थाओं में स्टॉफ सदस्यों ने मिलकर जिम्मेदारी निभाई समारोह के अंत में कक्षा नवमी की छात्रा धारा क्षत्री द्वारा आभार प्रदर्शन किया गया।

नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर

मण्डला (नि.प्र.) शासकीय आयुर्वेद जिला चिकित्सालय द्वारा माहिष्मती घाट में नि:शुल्क आयुर्वेद चिकित्सा एवं परामर्श शिविर का आयोजन किया गया। प्रात: 10 बजे से शाम 4 बजे तक आयोजित शिविर में रोगियों का नि:शुल्क स्वास्थ्य परीक्षण कर आवश्यक औषधियों का वितरण किया गया। चिकित्सकों ने नागरिकों को वर्षा ऋतु में होने वाली मलेरिया डायरिया सर्दी-जुकाम जैसी बीमारियों से बचाव के उपाय बताए।

एक वर्ष पूरा होने पर थाना नैनपुर पुलिस ने एफआरवी-112 का मनाया स्थापना दिवस

डायल-112 ने अगस्त में 297 इवेंट पर पहुंचकर दी त्वरित पुलिस सहायता

6 से 8 मिनट रहा औसत रिस्पॉन्स टाइम

मण्डला (नि.प्र.)

थाना नैनपुर एवं चौकी पिंडरई क्षेत्र में डायल-112 एफआरवी वाहनों के माध्यम से आमजन को त्वरित पुलिस सहायता उपलब्ध कराई जा रही है। डायल-112 सेवा के एक वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर थाना नैनपुर पुलिस द्वारा एफ आर बी 112 वाहन का केक काटकर स्थापना दिवस मनाया गया। इस दौरान सेवा के माध्यम से क्षेत्र में किए जा रहे सराहनीय कार्यों को रेखांकित किया गया।

जरूरतमंदों तक कम समय में पहुंच रही पुलिस

112 सेवा के क्षेत्र में प्रभावी होने से आमजन को आपातकालीन परिस्थितियों में पुलिस सहायता प्राप्त करने में काफी सुविधा हुई है। किसी पीड़ित या शिकायतकर्ता द्वारा तत्काल पुलिस सहायता की आवश्यकता बताए जाने पर डायल-112 वाहन कम से कम समय में मौके पर पहुंचता है। पुलिसकर्मी मौके पर परिस्थितियों का जायजा लेकर आवश्यकतानुसार वैधानिक कार्रवाई, राहत एवं सहायता

उपलब्ध कराते हैं।

अगस्त में 297 इवेंट पर पहुंची पुलिस

अगस्त 2026 में थाना नैनपुर क्षेत्र में डायल-112 वाहन को कुल 198 इवेंट प्राप्त हुए। इन सभी इवेंट पर वाहन का औसत रिस्पॉन्स टाइम 6 मिनट 05 सेकंड रहा। वहीं चौकी पिंडरई क्षेत्र में डायल-112 वाहन को 99 इवेंट प्राप्त हुए, जिन पर पुलिस का औसत रिस्पॉन्स टाइम 7 मिनट 36 सेकंड रहा।

इस प्रकार अगस्त माह में थाना नैनपुर एवं चौकी पिंडरई क्षेत्र में डायल-112 वाहनों को कुल 297 इवेंट प्राप्त हुए। पुलिस टीमों ने सभी इवेंट पर त्वरित रूप से मौके पर पहुंचकर परिस्थितियों के अनुसार आवश्यक सहायता, राहत एवं वैधानिक कार्रवाई की।

दुर्घटना और आकस्मिक घटनाओं में भी मददगार

डायल-112 सेवा के माध्यम से सड़क दुर्घटनाओं, बाढ़ एवं अन्य आकस्मिक घटनाओं में तत्काल राहत एवं बचाव कार्य किए जा रहे हैं। आवश्यकता पड़ने पर पीड़ितों को सुरक्षित स्थान तक पहुंचाने तथा प्राथमिक सहायता उपलब्ध कराने में भी पुलिसकर्मियों द्वारा सहयोग किया जाता है। इसके अलावा आवश्यकतानुसार पुलिस की विवेचना एवं अन्य वैधानिक कार्यवाहियों में भी -112 वाहन महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

आपात स्थिति में डायल-112 का करें उपयोग

डायल-112 सेवा का उद्देश्य आपातकालीन परिस्थितियों में आमजन को कम से कम समय में पुलिस सहायता, सुरक्षा एवं राहत उपलब्ध कराना है। थाना नैनपुर एवं चौकी पिंडरई पुलिस द्वारा इस सेवा के माध्यम से आमजन की सहायता के लिए निरंतर तत्परता से कार्य किया जा रहा है।

थाना नैनपुर पुलिस ने आमजन से अपील की है कि किसी भी आपातकालीन परिस्थिति में तत्काल डायल-112 सेवा का उपयोग करें। पुलिस आपकी सहायता एवं सुरक्षा के लिए सदैव तत्पर है।

संक्षिप्त समाचार

18 घंटे बाद भी नहीं लगा छोटू का सुराग

शिवपुरी। जिले के सिकरावदा गांव में नदी पार करते समय तेज बहाव की चपेट में आए 19 वर्षीय राम रावत की तलाश 18 घंटे बाद भी जारी है। हादसे के बाद से ही परिजन और ग्रामीण नदी में लगातार उसकी तलाश कर रहे हैं, लेकिन अभी तक राम रावत का कोई सुराग नहीं मिल सका है। बताया जा रहा है कि राम रावत नदी पर बनी पुलिया पार कर रहा था। तभी अचानक नदी में तेज बहाव आया और वह पानी के तेज बहाव में बह गया। घटना की सूचना मिलते ही ग्रामीण मौके पर पहुंचे और अपने स्तर पर उसकी तलाश शुरू कर दी। लगातार कई घंटों की तलाश के बावजूद जब राम रावत का पता नहीं चला तो अब एनडीआरएफ की टीम ने भी सर्च ऑपरेशन शुरू कर दिया है। टीम नदी के अलग-अलग हिस्सों में पहुंचकर राम रावत की तलाश कर रही है। 18 घंटे से अधिक समय बीत जाने के बाद भी राम रावत का सुराग नहीं मिलने से परिजनों की चिंता बढ़ती जा रही है। वहीं ग्रामीण भी लगातार नदी के आसपास मौजूद रहकर तलाश अभियान में सहयोग कर रहे हैं। फिलहाल एनडीआरएफ की टीम द्वारा सर्च ऑपरेशन जारी है। परिवार और ग्रामीण राम रावत के सुरक्षित मिलने की उम्मीद लगाए हुए हैं।

सीवर प्रोजेक्ट को फिर से जीवित करने की कवायद शुरू

शहर में सीवर प्रोजेक्ट का सर्वे शुरू, परखी जा रही सीवर लाइन व चेंबरों की स्थिति

नगर संवाददाता, शिवपुरी

शहर को खोखला करने के बाद भी मृतप्राय हो चुके सीवर प्रोजेक्ट को फिर से जीवित करने की कवायद शुरू हो गई है। नगरपालिका शिवपुरी ने अपने कर्मचारियों के अलावा दूसरी नगर परिषदों के इंजीनियरों की मदद से शहर में सीवर लाइन एवं चैंबरों का परीक्षण शुरू कर दिया है। सूत्रों का कहना है कि करोड़ों रुपये खर्च करने के बाद आमजन को इसका लाभ भले ही नहीं मिल पाया, लेकिन जिम्मेदार इसके लिए शासन से और राशि लाने की कवायद में जुटे हुए हैं।

गौरतलब है कि झील संरक्षण परियोजना के तहत शिवपुरी में सीवर प्रोजेक्ट स्वीकृत हुआ था तथा अभी तक इसमें 110 करोड़ रुपये की भारी-भरकम राशि भी खर्च की जा चुकी है। सीवर प्रोजेक्ट का यह मामला जब हाईकोर्ट पहुंचा तो न्यायालय ने भी इसे फेल मानते हुए वरिष्ठ अधिकारियों से सवाल-जवाब किए हैं। इसके बाद दो बार ईएनसी ने शिवपुरी का दौरा किया तथा सीवर प्रोजेक्ट में अभी तक हुए काम का भौतिक सत्यापन शुरू किया गया। बरसों से बंद पड़े सीवर चैंबरों की जब सफाई शुरू हुई तो किसी में रेत निकल रही है तो किसी में ईंटें व अन्य मटेरियल निकाला जा रहा है।

नपा ने शुरू किया प्रोजेक्ट का सर्वे

शिवपुरी में सीवर प्रोजेक्ट की निर्माण एजेंसी पीएचई रही है तथा अब नगरपालिका इसका सर्वे करवा रही है। इसके लिए नगरपालिका के कर्मचारियों के अलावा नगर परिषदों के इंजीनियरों को भी सर्वे में लगा दिया गया है। सर्वे करने वाली टीम शहर में यह पता कर रही है कि किस एरिया में सीवर की लाइन डाली गई है तथा किसे छोड़ दिया गया है। साथ ही टीम में शामिल सफाई कर्मचारी चैंबरों को खोलकर उनकी सफाई व जांच का काम भी करेंगे।

टेस्टिंग में सामने आएगी प्रोजेक्ट की सच्चाई

सीवर प्रोजेक्ट के तहत शिवपुरी शहर में डाली गई लाइन कितनी सुरक्षित है तथा उसमें सप्लाई कितनी सफल होगी, इसका पता करने के लिए लाइन की टेस्टिंग जरूरी है। सीवर लाइन की टेस्टिंग में ही पता चलेगा कि वह कितने एरिया तक क्लियर है। पिछले दिनों शिवपुरी दौरे पर आए ईएनसी का कहना था कि पावरफुल प्रेशर से लाइन की टेस्टिंग की जाएगी।

शासन से अतिरिक्त राशि मंगाने की तैयारी

शिवपुरी शहर में जब सीवर प्रोजेक्ट स्वीकृत हुआ था, तब इसकी लागत 54 करोड़ रुपये तथा समयावधि दो साल की थी। 13 साल गुजरने के बाद भी प्रोजेक्ट अधूरा है, जबकि 110 करोड़ रुपये की राशि खर्च हो चुकी है। इस प्रोजेक्ट को हाईकोर्ट ने फेल मान लिया, लेकिन इसके जिम्मेदार अधिकारी अभी भी इसमें करोड़ों रुपये खर्च कर अपनी जेब भरने की जुगाड़ में लगे हुए हैं।

सरकारी जमीन पर रातोंरात लगाई महारानी अवंतीबाई की प्रतिमा

■ पिछोर में बिना अनुमति प्रतिमा लगाने का आरोप, पहले भी सामने आ चुके हैं ऐसे मामले

नगर संवाददाता, शिवपुरी

पिछोर विधानसभा क्षेत्र में महापुरुषों की प्रतिमाएं रातोंरात स्थापित करने का सिलसिला जारी है। ताजा मामला ग्राम पंचायत खुरई के भितरगुआं और कालीपहाड़ी के बीच किचार खांद मंदिर के पास का है। यहां शुक्रवार रात अज्ञात लोगों ने वीरांगना महारानी अवंतीबाई लोधी की अश्वारोही प्रतिमा स्थापित कर दी।

सुबह खेतों की ओर गए ग्रामीणों ने प्रतिमा को हरे रंग के पर्दे से ढका और फूल-मालाओं से सजा हुआ देखा। यह खबर फैलते ही मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई। प्रतिमा किसने लगाई और इसकी अनुमति ली गई थी या नहीं, इसे लेकर ग्रामीणों में चर्चा शुरू हो गई। बताया जा रहा है कि यह प्रतिमा सरकारी जमीन पर स्थापित की गई है।

स्थानीय लोगों के अनुसार, प्रतिमा को रात के समय लगाया गया। महापुरुषों की प्रतिमा स्थापित करने के लिए प्रशासनिक अनुमति जरूरी होती है। इसके बावजूद पिछोर क्षेत्र में बिना अनुमति प्रतिमाएं स्थापित करने के मामले लगातार सामने आ रहे हैं।

20 दिन पहले भी ऐसा हो चुका

करीब 20 से 25 दिन पहले भी पिछोर विधानसभा क्षेत्र में एक ही रात में अलग-अलग जगहों पर प्रतिमाएं लगाने के मामले सामने आए थे। खोड़ चौकी क्षेत्र के बूधौन गांव में महारानी अवंतीबाई लोधी की प्रतिमा लगाई गई थी। वहीं मायापुर थाना क्षेत्र के पड़ौरा गांव में रानी अवंतीबाई का छायाचित्र लगाकर लोहे की फ्रेम और पक्के फाउंडेशन का निर्माण किया गया था। उस समय रानी अवंतीबाई लोधी की जयंती भी नजदीक थी।

खनियाधाना थाना क्षेत्र में सांदीपनि स्कूल के पास लगी लोकमाता देवी अहिल्याबाई होल्कर की प्रतिमा खंडित होने का मामला भी सामने आ चुका है। स्थानीय निवासी शोभाराम पाल के अनुसार, समाज के लोगों ने करीब दो साल पहले चंदा एकत्र कर प्रतिमा लगाई थी। इसके बाद 30 मई 2025 की रात प्रतिमा को नुकसान पहुंचाया गया था। दोबारा प्रतिमा के हाथ में मौजूद शिवलिंग और तलवार टूटी मिली थी। इस घटना के बाद पाल समाज में गुस्सा भी देखने को मिला था।

रेलवे ट्रैक पर 3 हिस्सों में मिला युवक का शव

नगर संवाददाता, शिवपुरी

जिले के गोपालपुर थाना क्षेत्र में शनिवार सुबह रेलवे ट्रैक पर 24 वर्षीय युवक की मौत हो गई। उसका शव इमलिया और पाढ़रखेड़ा के बीच तीन टुकड़ों में मिला। पुलिस के मुताबिक, युवक शौच के लिए रेलवे पटरी के पास गया था। इसी दौरान वह ट्रेन की चपेट में आ गया। पुलिस ने मोबाइल में लगी सिम के आधार पर युवक की पहचान इमलिया गांव निवासी भरत आदिवासी के रूप में की। वह प्रहलाद आदिवासी का बेटा था। परिजनों के मुताबिक, भरत की शादी करीब डेढ़ साल पहले हुई थी। घटना की जानकारी मिलने के बाद परिवार में शोक है। गोपालपुर थाना प्रभारी राधेश्याम शिवहरे ने बताया कि शुरुआती जांच में भरत के ट्रेन की चपेट में आने की बात सामने आई है। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को अपने कब्जे में लिया। इसके बाद शव का मेडिकल कॉलेज में पोस्टमार्टम कराया गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

गीतकार श्याम बिहारी सरल की प्रथम कृति का होगा भव्य विमोचन

नगर संवाददाता, शिवपुरी

सेवानिवृत्त शिक्षक एवं अखिल भारतीय साहित्य परिषद, शिवपुरी के जिलाध्यक्ष श्याम बिहारी सरल की प्रथम कृति का भव्य विमोचन राजगढ़ जिले के तलेन में आयोजित गरिमामय समारोह में पद्मश्री मोहन नागर द्वारा किया जाएगा।

ज्ञातव्य है कि श्याम बिहारी सरल की प्रथम कृति 'दिल की आवाज' का मध्यप्रदेश शासन के साहित्य अकादमी द्वारा चयन कर प्रकाशन कराया गया है। राजगढ़ के तलेन में आयोजित साहित्यिक कार्यक्रम में इस कृति का भव्य विमोचन होगा।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पद्मश्री से सम्मानित एवं जन अभियान परिषद के प्रदेश उपाध्यक्ष मोहन नागर उपस्थित रहेंगे। साथ ही वरिष्ठ पत्रकार अशोक त्रिपाठी एवं अखिल भारतीय साहित्य परिषद के प्रचार आयाम के राष्ट्रीय संयोजक तथा वरिष्ठ साहित्यकार प्रवीण गुगनानी भी अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे।

इस अवसर पर श्याम बिहारी सरल का सम्मान भी किया जाएगा। उनकी साहित्यिक निष्ठा एवं सरल स्वभाव के कारण ही वे पूरे क्षेत्र में 'सरल' नाम से जाने जाते हैं। अपने शिक्षा गीतों एवं नवजागरण के गीतों के माध्यम से उन्होंने साहित्य जगत में अपनी विशिष्ट पहचान बनाई है। शिवपुरी के लिए उनका सम्मानित होना गौरव का विषय है। सभी साहित्यकारों ने उन्हें बधाई दी है।

बांकड़े हनुमान मंदिर में श्रीमद् भागवत कथा श्रवण करने उमड़ रहा जनसैलाब

नगर संवाददाता, शिवपुरी

बांकड़े हनुमान मंदिर में चल रही श्रीमद् भागवत कथा के चतुर्थ दिवस व्यासपीठ से भागवताचार्य डॉ. गिरीश जी महाराज ने श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक प्रवचन दिए। उन्होंने श्रीमद् भागवत के विभिन्न प्रसंगों के माध्यम से भगवान की भक्ति, धर्म और सद्मार्ग पर चलने का संदेश दिया।

कथा के यजमान श्रीमती आशा हरिशंकर अग्रवाल ठेइया परिवार हैं। आयोजन में उनके परिजन हरिशंकर अग्रवाल, मुकेश अग्रवाल एवं अशोक अग्रवाल सहभागी हैं, जबकि कथा के मुख्य संयोजक अजीत अग्रवाल ठेइया हैं। चतुर्थ दिवस की कथा में आध्यात्मिक गुरु रघुवीर सिंह गौर भी शामिल हुए और उन्होंने कथा श्रवण कर धर्मलाभ लिया। इस अवसर पर अग्रवाल समाज के पूर्व अध्यक्ष विष्णु गुप्ता पिपरघार वाले, रामजीलाल बंसल मौजूद रहे।

सगे भाइयों का सरकारी सेवा में चयनित होने पर सम्मान

दिनारा। दिनारा कस्बे के लिए गौरव की बात है कि श्रीमती सीमा सुनील सोनी (गुप्ता), उदगवां वालों के दोनों पुत्रों का सरकारी सेवा के लिए चयन हुआ है। गुप्ता परिवार के छोटे बेटे सुमित गुप्ता का वन विभाग में रेंजर के पद पर चयन हुआ है। उनकी पहली पदस्थापना जिला उमरिया में हुई है।

सुमित गुप्ता ने गुजरात के राजपीपला रेंजर कॉलेज से डेढ़ साल की ट्रेनिंग पूरी कर गृह नगर दिनारा लौटे तो परिवार सहित इष्ट मित्रों एवं कस्बावासियों ने उनके स्वागत और सम्मान के लिए दिनारा में ढोल-डीजे के साथ यात्रा निकाली।

यात्रा के दौरान सुमित का जगह-जगह स्वागत एवं सम्मान किया गया। सुमित के बड़े भाई शिवम का प्राथमिक शिक्षक के पद पर चयन हुआ है। उनका भी स्वागत किया गया। स्वागत यात्रा में बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। सुमित को राष्ट्रीय अध्यक्ष महासभा डल्लू भैया, भावना केके रूसिया आदि ने बधाई दी। इस उपलब्धि से गुप्ता परिवार के साथ-साथ दिनारा कस्बे और क्षेत्र में भी खुशी का माहौल है। दोनों भाइयों की सफलता को युवाओं के लिए प्रेरणादायी बताया गया।

बदरवास के श्रीराधा-कृष्ण मंदिर में श्रीकृष्ण पर्व का भव्य आयोजन

कलाकारों की उम्दा प्रस्तुतियों ने मोहा दर्शकों का मन

नगर संवाददाता, शिवपुरी

मध्यप्रदेश शासन के संस्कृति विभाग एवं श्रीकृष्ण पाथेय द्वारा भगवान श्रीकृष्ण के जीवन, लीलाओं एवं उनके लोकमंगलकारी संदेशों को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से शुक्रवार रात बदरवास स्थित श्रीराधा-कृष्ण मंदिर में श्रीकृष्ण पर्व का गरिमामय आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से भगवान श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं, माखन चोरी, कालिया दमन और महारास के प्रसंगों को जीवंत कर श्रद्धालुओं को भक्ति रस से सराबोर किया गया।

समारोह के शुभारंभ अवसर पर मुख्य अतिथि कोलारस विधायक महेंद्र यादव, एडीएम दिनेश शुक्ला, एसडीएम एवं नोडल अधिकारी शिवदयाल धाकड़, तहसीलदार, नगर पंचायत उपाध्यक्ष भूपेंद्र यादव एवं कल्याण सिंह यादव ने भगवान श्रीकृष्ण के चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित किया। तत्पश्चात अतिथियों द्वारा बाहर से पधारे कलाकारों का पुष्पगुच्छ भेंट कर भावभीना स्वागत किया गया।

सांस्कृतिक संध्या में भोपाल की सुश्री दीक्षा अस्थाना एवं साथी कलाकारों द्वारा श्रीकृष्ण केंद्रित नृत्य-नाटिका का मंचन किया गया। कृष्ण वंदना से शुरू हुई इस प्रस्तुति में कलाकारों ने अपनी भावपूर्ण नृत्य मुद्राओं और संगीत के माध्यम से श्रीकृष्ण जन्म, नटखट माखन चोरी लीला, कालिया दमन तथा होली नृत्य की सुंदर प्रस्तुतियां दीं। पुष्पवर्षा के बीच आयोजित महारास की दिव्य प्रस्तुति के साथ नृत्य-नाटिका का समापन हुआ, जिसने दर्शकों को आध्यात्मिक अनुभूति से भर दिया।

भजन संध्या में गूंजीं कृष्ण भक्ति की स्वर-लहरियां

समारोह के अंतिम सत्र में जबलपुर की सुश्री मनीष अग्रवाल एवं साथी कलाकारों ने सुमधुर भजनों की प्रस्तुतियां दीं। 'अच्युतम केशवम्' से शुरुआत करते हुए उन्होंने 'गोविंद बोलो हरि गोपाल बोलो', 'मेरे तो गिरधर गोपाल', 'यशोमती मैया से बोले नंदलाला', 'श्याम तेरी बंसी पुकारे' तथा 'राधे-राधे' जैसे प्रसिद्ध भजनों से पूरे वातावरण को भक्तिमय बना दिया।

कार्यक्रम का सफल समन्वयन, संयोजन एवं मंच संचालन आशुतोष शर्मा 'ओज' द्वारा किया गया। कार्यक्रम के अंत में श्री श्याम बिहारी सरल ने उपस्थित सभी अतिथियों, कलाकारों एवं श्रद्धालुओं का आभार व्यक्त किया।

सिद्धेश्वर मंदिर प्रांगण में ध्रुपद शैली में हुई 'श्रीकृष्ण भजन संध्या'

इसी श्रृंखला में श्रीकृष्ण पाथेय न्यास, संस्कृति विभाग एवं जिला प्रशासन, शिवपुरी के संयुक्त तत्वावधान में श्रीकृष्ण जन्मोत्सव के पावन अवसर पर 'श्रीकृष्ण भजन संध्या' का विशेष आयोजन शुक्रवार शाम स्थानीय श्री सिद्धेश्वर महादेव मंदिर प्रांगण, शिवपुरी में किया गया। इस भजन संध्या का मुख्य आकर्षण शास्त्रीय संगीत की समृद्ध ध्रुपद शैली रही। कार्यक्रम में ग्वालियर के प्रख्यात कलाकार श्री यखलेश बघेल, सुश्री योगिनी ताम्बे एवं श्री तेजस भाटे ने ध्रुपद शैली में भगवान श्रीकृष्ण की स्तुति और भजनों की अत्यंत मनमोहक एवं भावपूर्ण प्रस्तुतियां दीं।

बड़े हनुमान मंदिर पर गरिमामय ढंग से मना तुलसी जयंती महोत्सव

नगर संवाददाता, शिवपुरी

'पंद्रह सौ चौवन बिसे, कालिंदी के तीर। सात श्रावण शुक्ला सप्तमी, तुलसी धरा शरीर॥

इन दो पंक्तियों में गोस्वामी तुलसीदास जी के जन्म की तिथि का उल्लेख माना जाता है। 19 अगस्त को श्रावण मास के शुक्ल पक्ष की सप्तमी होने के कारण देशभर में तुलसीदास जी की जयंती धूमधाम से मनाई गई।

इसी क्रम में शिवपुरी के प्रसिद्ध तुलसी आश्रम बड़े हनुमान मंदिर में महामंडलेश्वर पुरुषोत्तम दास जी महाराज के मार्गदर्शन एवं महंत श्री घनश्याम दास जी महाराज की व्यवस्थापन में तुलसीदास जी की 529वीं जयंती गरिमामय ढंग से मनाई गई। यहां आयोजन दोपहर 4 बजे से प्रारंभ हुआ।

कार्यक्रम के दौरान पधारे अतिथि विद्वानों एवं संतों ने अपने प्रवचनों के माध्यम से तुलसीदास जी के जीवन चरित्र का वर्णन किया। साथ ही तुलसीदास जी द्वारा लिखे गए काव्यों के माध्यम से जीवन जीने के तरीके पर प्रकाश डालते हुए उपस्थित धर्मप्रेमी जनों से श्रीरामचरितमानस के संदेशों को जीवन में चरितार्थ करने का आह्वान किया।

इसके बाद विभिन्न कलाकारों द्वारा भजन-कीर्तन की शानदार प्रस्तुतियां दी गईं। कार्यक्रम की अध्यक्षता पंडित अजय शंकर भार्गव ने की। मंच संचालन पंडित विशंभर दयाल शर्मा ने प्रभावी ढंग से किया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से संत भगवान रामदास जी महाराज, मेरठ, अवधेशानंद महाराज, मेरठ, माधवाचार्य शास्त्री, पंडित केदार समाधिया, देवकीनंदन पाराशर, गीता पाठ के ओमप्रकाश नीखरा, रघुवीर पाराशर, योग शिक्षक, त्रिलोकचंद अग्रवाल (बल्लू भैया), रमेश कोठारी, रमेश पाठक आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम के उपरांत प्रसाद वितरण की व्यवस्था भी की गई।

विद्या भारती मध्य भारत प्रांत द्वारा मार्गदर्शित

सरस्वती विद्यापीठ आवासीय विद्यालय में हर्षोल्लास से मनाया गया शिक्षक दिवस

नगर संवाददाता, शिवपुरी

विद्या भारती मध्यभारत प्रांत द्वारा मार्गदर्शित सरस्वती विद्यापीठ आवासीय विद्यालय, शिवपुरी में भारत के महान शिक्षाविद्, दार्शनिक एवं पूर्व राष्ट्रपति, भारत रत्न डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती एवं शिक्षक दिवस के उपलक्ष्य में भव्य आचार्य सम्मान समारोह का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में महेन्द्र सिंह रघुवंशी, अध्यक्ष, ग्रामीण शिक्षा, विद्या भारती मध्यभारत प्रांत उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में विद्यालय के प्रबंधक पवन शर्मा एवं सह प्रबंधक जितेन्द्र परसाई उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुंजबिहारी चतुर्वेदी, जिला प्रतिनिधि, शिवपुरी, विद्या भारती मध्यभारत प्रांत ने की।

कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती एवं डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के चित्र पर पुष्प अर्पित कर, दीप प्रज्ज्वलन एवं सरस्वती वंदना के साथ किया गया। अतिथियों का परिचय भैया ओम शर्मा ने कराया। इसके पश्चात भैया रविन्द्र धाकड़ एवं भैया सुभाष यादव ने श्रीफल एवं अंगवस्त्र भेंट कर अतिथियों का आत्मीय स्वागत किया।

मुख्य अतिथि महेन्द्र सिंह रघुवंशी ने अपने प्रेरणादायी उद्बोधन में कहा कि शिक्षक असाधारण होता है। भारत की महान गुरु-शिष्य परंपरा सदियों से निरंतर प्रवाहित हो रही है। गुरु सदैव इस चिंतन में रहता है कि समाज को किस प्रकार श्रेष्ठ बनाया जाए तथा व्यक्ति की कमियों और बुराइयों से उसे अवगत कराकर सही दिशा प्रदान की जाए। एक श्रेष्ठ गुरु अपने ज्ञान, संस्कार एवं मार्गदर्शन से व्यक्ति के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाकर समाज निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

उन्होंने कहा कि डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन ने भारतीय दर्शन को अपने ज्ञान, आचरण एवं कृतित्व के माध्यम से विदेशों में भी सम्मान दिलाया। विषम परिस्थितियों में भी उन्होंने भारतीय संस्कृति और दर्शन की प्रतिष्ठा को विश्व पटल पर स्थापित किया। उन्होंने विद्यार्थियों एवं आचार्यों से डॉ. राधाकृष्णन के आदर्शों और सिद्धांतों को जीवन में अपनाने का आह्वान किया।

श्री रघुवंशी ने कहा कि शिष्य के जीवन की कठिनाइयों का निवारण एवं उसके व्यक्तित्व का निर्माण गुरु के मार्गदर्शन से ही संभव होता है। हमारा उद्देश्य डॉ. राधाकृष्णन के कृतित्व, भारतीय दर्शन एवं गौरवशाली गुरु-शिष्य परंपरा के सही ज्ञान को विकसित करना है। स्वाध्याय, चिंतन और मनन के माध्यम से स्वयं को प्रखर एवं तेजस्वी बनाना प्रत्येक व्यक्ति का लक्ष्य होना चाहिए।

इस अवसर पर भारत विकास परिषद, शाखा शिवपुरी द्वारा आयोजित गुरु वंदन-छात्र अभिनंदन कार्यक्रम के अंतर्गत विद्यालय के आचार्य अरविन्द सविता एवं महेन्द्र नामदेव को सम्मानित किया गया। साथ ही छात्रों में भैया अमन किरार एवं भैया पीयूष लोधी को भी उनके उत्कृष्ट योगदान एवं उपलब्धियों के लिए सम्मान प्रदान किया गया।

शिक्षक दिवस के इस विशेष अवसर पर विद्यालय के छात्रों ने अपने समस्त आचार्यों का सम्मान कर उनके प्रति श्रद्धा एवं कृतज्ञता व्यक्त की। यह भावपूर्ण क्षण भारतीय संस्कृति की गौरवशाली गुरु-शिष्य परंपरा को जीवंत करता नजर आया। इस अवसर पर भैया श्रेयांक नागर ने अपने विचार व्यक्त किए।

कार्यक्रम का प्रभावी संचालन भैया सिद्धार्थ कौरव ने किया। अंत में विद्यालय के प्राचार्य लोकेंद्र सिंह मेवाड़ा ने उपस्थित अतिथियों एवं सभी सहभागियों के प्रति आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर विद्यालय के समस्त आचार्य, दीदी एवं भैया-बहन छात्र उपस्थित रहे।

सम्पादकीय

सड़कों पर अतिक्रमण से बढ़ रहा हादसों का खतरा

देश में सड़कों पर अतिक्रमण एक गंभीर समस्या बन गई है। कहीं सड़क किनारे अवैध तरीके से मकानों का विस्तार कर दिया जाता है, फुटपाथ पर दुकानें खड़ी कर दी जाती हैं, तो कहीं वाहनों को बेतरतीब ढंग से सड़क पर खड़ा कर दिया जाता है। खासकर वाहनों की संख्या में लगातार हो रही बढ़ोतरी के साथ ही सड़कों का एक बड़ा हिस्सा अवैध पार्किंग, सामान लादने-उतारने और अन्य अस्थायी उपयोगों में घिरता जा रहा है। परिणामस्वरूप सड़कों का दायरा सिकुड़ रहा है, जिससे दुर्घटनाओं का खतरा भी बढ़ता जा रहा है। राष्ट्रीय राजमार्गों से लेकर संपर्क मार्गों तक पर यही स्थिति देखने को मिलती है। यह सड़क परिवहन विभाग और यातायात पुलिस की लापरवाही का ही नतीजा है कि अतिक्रमण की वजह से होने वाली दुर्घटनाओं में हर साल बड़ी संख्या में निर्दोष लोग अपनी जान गंवा देते हैं। सर्वोच्च न्यायालय ने बीते गुरुवार को इस पर चिंता जताते हुए भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण से पूछा कि वह समस्या से निपटने के लिए कैमरा निगरानी प्रणाली और टोल प्लाजा पर निगरानी कक्ष क्यों नहीं स्थापित कर सकता? देश भर में यह देखने को मिलता है कि बाजारों, कार्यालयों, अस्पतालों, स्कूलों और आवासीय क्षेत्रों में लोग अक्सर अपने वाहन निर्धारित पार्किंग स्थल के बजाय सड़क पर खड़े कर देते हैं। कई स्थानों पर दोपहिया और चारपहिया वाहन फुटपाथ तक घेर लेते हैं, जिससे पैदल यात्रियों को सड़क पर चलने के लिए मजबूर होना पड़ता है। इससे यातायात व्यवस्था प्रभावित होती है और पैदल यात्रियों की सुरक्षा भी खतरे में पड़ती है। पर्याप्त और व्यवस्थित पार्किंग सुविधाओं की कमी इस समस्या को और जटिल बना देती है। मगर सवाल है कि ऐसे मामलों में सड़क सुरक्षा नियमों का पालन सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी संभालने वाली यातायात पुलिस की जवाबदेही तय क्यों नहीं की जाती है? गलत जगह वाहन खड़ा करने पर नियमित और निष्पक्ष कार्रवाई क्यों नहीं की जाती है? ऐसे स्थानों को चिह्नित कर वहां कैमरा प्रणाली से निगरानी क्यों नहीं की जाती? इसमें दोराय नहीं कि यदि व्यवस्था में व्याप्त खामियों को दुरुस्त करने में गंभीरता दिखाई जाए और नियमों का ईमानदारी से पालन हो, तो सड़कों को निश्चित रूप से सुरक्षित एवं सुगम बनाया जा सकता है।

सुविचार

संत और बसंत में एक ही समानता है,
जब बसंत आता है, तो प्रकृति सुधर जाती है और
संत आते हैं, तो संस्कृति सुधर जाती है।

- टीना कश्यप, मुंबई

बात हो या व्यवहार किसी को वही देना
कि जब वापस आए तो हंस कर ले सकें...

- संजीव तिवारी, इंदौर

मनुष्य की प्रतिष्ठा उसकी छाया की भाँति होती है...
जब वह मनुष्य के आगे चलती है तो बहुत बड़ी हो जाती है और
पीछे चलती है तो..बहुत छोटी हो जाती है इसलिये
ना आगे चलें ना पीछे सदैव साथ चलें...!

- के.पी. जाट, भोपाल

जब आप अकेले होते हैं तो अपने विचारों पर ध्यान रखें
पर जब आप लोगों के साथ होते हैं तब अपने शब्दों पर ध्यान रखें।
अकेले में हमारे विचार हमारी दिशा तय करते हैं, और समाज
में हमारे शब्द हमारे संबंधों की नींव बनते हैं।

- माया बैरागी, सैलाना रतलाम

भाव ही हमारे व्यवहार को प्रभावित करता है
अत: जैसा भाव होता हैं वैसा ही स्वभाव होता हैं ।

- हरिशंकर पाटीदार, लिम्बोदा देवास

गिरना आपकी परिस्थिति हो सकती है
लेकिन उठना आपका फैसला होना चाहिए।

- रवि प्रजापत, इंदौर

इतिहास के पन्नों में 06 सितम्बर... भारत ने पाकिस्तान के 'ऑपरेशन जिब्राल्टर' और 'ऑपरेशन ग्रैंड स्लैम' का मुंहतोड़ जवाब दिया

6 सितंबर 1965 को भारत-पाकिस्तान युद्ध एक बड़े पैमाने के पारंपरिक युद्ध में बदल गया, जब भारतीय सेना ने पहली बार अंतरराष्ट्रीय सीमा पार कर पश्चिमी पाकिस्तान पर हमला किया। यह कदम पाकिस्तान के ऑपरेशन जिब्राल्टर (कश्मीर में घुसपैठ) और ऑपरेशन ग्रैंड स्लैम (अखनूर सेक्टर पर हमला) का मुंहतोड़ जवाब था। जम्मू-कश्मीर पर बढ़ते दबाव को कम करने के लिए भारतीय नेतृत्व ने लाहौर, सियालकोट और राजस्थान सीमा की ओर तीनतरफा सैन्य अभियान शुरू किया। इस अचानक हमले से पाकिस्तानी सेना को अपनी रणनीति बदलकर लाहौर की रक्षा में जुटना पड़ा। इसी दिन पाकिस्तान में आपातकाल की घोषणा की गई थी। यह ऐतिहासिक कदम भारत की सैन्य रणनीति में एक बड़ा बदलाव था, जिसके बाद द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद की सबसे बड़ी टैंक लड़ाई (जैसे असल उत्तर का युद्ध) लड़ी गई।

विशेष सम-सामयिक

भारत सरकार ने भी जुलाई 2026 में संसद में एक स्पष्ट वक्तव्य दिया था कि विश्व मौसम संगठन या भारत मौसम विज्ञान विभाग द्वारा सुपर अलनीनो जैसी कोई आधिकारिक श्रेणी या शब्दावली निर्धारित नहीं की है। इसलिए गॉडजिला शब्द से डरने की जरूरत नहीं है।

क्या वाकई इस साल भारत में सर्दी नहीं आयेगी

आखिर क्या है छह महीने का यह डेंजर जोन..?

- वीना गौतम
(लेखिका विशिष्ट मीडिया एवं शोध संस्थान, इमेज रिफ्लेक्शन सेंटर में कार्यकारी संपादक हैं)
इमेज रिफ्लेक्शन सेंटर

गुजरे 3 सितंबर 2026 को विश्व मौसम संगठन ने चेतावनी जारी की है कि 'गॉडजिला अलनीनो' की वजह से भारत अगले छह महीनों के लिए डेंजर जोन में पहुंच गया है। प्रशांत महासागर में तापमान तेजी से बढ़ रहा है, इस वजह से इस साल सर्दियों का मौसम या तो आयेगा ही नहीं या फिर इसका असर बहुत कम हो सकता है। कहने का मतलब यह कि इस बार सर्दी के मौसम में कड़ाके की ठंड की जगह गर्मी महसूस हो सकती है और फरवरी 2027 तक अनुमानित चलने वाले इस मौसमी दुष्चक्र की वजह से बड़े पैमाने पर फसलें खराब हो सकती हैं। लेकिन आगे बढ़ने से पहले इस बात को समझ लेना जरूरी है कि विश्व मौसम संगठन ने यह चेतावनी, भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के उपलब्ध आधिकारिक आंकलनों को आधार बनाकर जारी किया है और यह भी तथ्य स्पष्ट कर लेना जरूरी है कि गॉडजिला अलनीनो कोई आधिकारिक वैज्ञानिक श्रेणी नहीं है। वास्तव में विश्व मौसम संगठन की ये आधिकारिक श्रेणियां कमजोर, मध्यम, मजबूत और बहुत मजबूत हैं। इसलिए इस चेतावनी को सनसनीखेज शब्दों में समझने से अधिक महत्वपूर्ण है कि हम इस वास्तविक वैज्ञानिक चेतावनी के मर्म को समझें।

इसमें कोई दो राय नहीं है कि 3 सितंबर 2026 को विश्व मौसम संगठन द्वारा जारी चेतावनी ने पूरी दुनिया का ध्यान अपनी तरफ खींचा है और ऐसा हो भी क्यों न, जब इन पंक्तियों के लिखे जाने तक अलनीनो पूरी मजबूती से स्थापित हो चुका हो तथा आने वाले महीनों में इसके और अधिक मजबूत होने की सारी वजहें दिख रही हैं। अभी तक के आंकलन के मुताबिक इसके फरवरी 2027 तक बने रहने की संभावना है और यह संभावना पूरे सौ प्रतिशत बतायी गई है। इसलिए अनुमान के बावजूद यह संभावना काफी डरावनी है। हाल में मौसम विशेषज्ञों ने महासागर की सतह पर ही नहीं, उसके नीचे भी असाधारण गर्मी दर्ज की है। कुछ क्षेत्रों में तो उप-सतही समुद्री तापमान सामान्य से 8 डिग्री सेल्सियस से भी अधिक पाया गया है। यही कारण है कि इसे साधारण मौसमी उतार-चढ़ाव मानकर नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। लेकिन यहां सबसे बड़ा सवाल भारत के लिए यह है कि क्या वह गॉडजिला अलनीनो ही है, जिसके कारण भारत अगले छह महीनों तक डेंजर जोन में रहेगा? क्या इस साल इसकी वजह से वाकई सर्दी नहीं आयेगी? इन सवालों के संभावित जवाब चिंतित तो बेहद करते हैं, लेकिन अभी घबराने की जरूरत नहीं है। वास्तव में अलनीनो कोई तूफान नहीं है और न ही कोई अलग मौसम प्रणाली। यह पृथ्वी की महासागरीय-वायुमंडलीय व्यवस्था में होने वाला एक प्राकृतिक बदलाव है। भूमध्य रेखीय प्रशांत महासागर के मध्य और पूर्वी हिस्से का समुद्री पानी सामान्य से अधिक गर्म हो जाता है। इस गर्मी से हवाओं, बादलों और वायु दाब के वैश्विक पैटर्न बदलते हैं। लेकिन समस्या यह है कि महासागर और वायुमंडल किसी एक देश की सीमा में कैद नहीं रहते। इसलिए प्रशांत महासागर में शुरु हुआ मौसम का यह डरावना बदलाव भारत तक पहुंच सकता है और नहीं भी पहुंच सकता। हवा के बड़े परिसंचरण, मानसून की धाराओं और वर्षा प्रणालियों में ऐन वक्त पर बदलाव हो सकता है। इस कारण अलनीनो को लेकर यह चेतावनी डराती तो है, लेकिन जरूरी नहीं है कि हमें इसका सामना करना ही पड़े। हो सकता है मौसम विशेषज्ञों ने इसके जो अनुमान लगाये हों, वो हकीकत से ज्यादा ही कड़े हों। इसलिए यह नहीं मानना चाहिए कि विश्व मौसम संगठन की चेतावनी का मतलब सौ प्रतिशत ऐसा होना ही है।

सबसे पहले तो यह समझिये के गॉडजिला अलनीनो आखिर है क्या? दरअसल हाल के सालों में मीडिया ने कई ऐसे सनसनीखेज शब्दों से वाक्य बनाना शुरु कर दिया है, जो जरूरत से ज्यादा डराते हैं। जैसे- सुपर अलनीनो या गॉडजिला अलनीनो। लेकिन वैज्ञानिक अध्ययनों में इस तरह की शब्दवली का कोई अर्थ नहीं है। विश्व मौसम संगठन अलनीनो को कमजोर, मॉडरेट, स्ट्रॉंग या वेरी स्ट्रॉंग श्रेणी में ही देखता है। सुपर अलनीनो या गॉडजिला अलनीनो जैसे शब्द विश्व मौसम संगठन के नहीं बल्कि इस डिजिटल युग की मीडिया के शब्द हैं, जो शब्दों में असाधारण प्रभाव पैदा करने के लिए किसी भी हद तक जाने को तैयार रहती है। भारत सरकार ने भी जुलाई 2026 में संसद में एक स्पष्ट वक्तव्य दिया था कि विश्व मौसम संगठन या भारत मौसम विज्ञान विभाग द्वारा सुपर अलनीनो जैसी कोई आधिकारिक श्रेणी या शब्दावली निर्धारित नहीं की है। इसलिए गॉडजिला शब्द से डरने की जरूरत नहीं है। हां, मजबूत या बहुत मजबूत अलनीनो के वास्तविक जोखिमों को समझना जरूरी है। अगर विश्व मौसम संगठन ने कहा है कि भारत डेंजर जोन में है, तो डेंजर जोन का अर्थ यह है कि आने वाले महीनों में मौसम से जुड़े जोखिम सामान्य से अधिक हो सकते हैं। ऐसे में इस चेतावनी को हमें गंभीरता से लेना चाहिए, लेकिन इसका अर्थ यह नहीं लगाया जाना चाहिए कि पूरे भारत में अगले छह महीने केवल तबाही होगी। वैज्ञानिक ऐसा कोई निष्कर्ष प्रस्तुत नहीं करते। विश्व मौसम संगठन के संदेश का महत्वपूर्ण अर्थ यही है कि मजबूत अलनीनो से दुनियाभर में तापमान और वर्षा के पैटर्न में बदलाव आ सकता है।

इस कारण कहीं सूखा, कहीं बाढ़ और कहीं असामान्य गर्मी बढ़ सकती है। सितंबर, नवंबर 2026 के लिए विश्व मौसम संगठन ने विश्व के लगभग सभी भू-भागों में सामान्य से अधिक तापमान की संभावना जतायी है। लेकिन भारत के लिए खतरा केवल तापमान नहीं है, कृषि, जल, संसाधन, बिजली की मांग, स्वास्थ्य और खाद्य कीमतें ये सब चीजें मौसम से ही जुड़ी हैं। इसलिए यदि बारिश का पैटर्न बिगड़ता है तो इसका असर खेत से बाजार तक पहुंच सकता है। लेकिन इसका यह अर्थ लगाया जाना कि भारत में इस साल सर्दी नहीं आयेगी, बेहद अतिरेक है। ऐसा कहना मीडिया की सनसनीखेज शब्दावली का नतीजा हो सकता है। जरूरी नहीं कि वास्तव में ऐसी भयंकर स्थिति आए; क्योंकि अभी तक दुनिया के किसी वैज्ञानिक या मौसम विशेषज्ञ ने यह नहीं कहा कि अलनीनो की वजह से आने वाले महीनों में भारत में सर्दी पूरी तरह से गायब हो जायेगी और न ही ऐसा विश्व मौसम संगठन ने कहा है। विश्व मौसम संगठन की चेतावनी को अपने हिसाब के सनसनीखेज शब्दों से सजाकर मीडिया ने यह बात रखी है। क्योंकि सर्दी का मौसम केवल अलनीनो से ही तय नहीं होता। भारत की सर्दी के कई प्रमुख कारक हैं। मसलन पश्चिमी विक्षोभ, हिमालय और मध्य एशिया की मौसम प्रणालियां, बर्फबारी, जेट स्ट्रीम, हिंद महासागर की स्थितियां और स्थानीय भौगोलिक परिस्थितियां। इसलिए संभव है कि औसत तापमान सामान्य से काफी अधिक रहे, हो सकता है कुछ क्षेत्रों में ठंड के दिन पिछले सालों के मुकाबले कम हों या ठंड का स्तर अलग हो अथवा उसका स्वरूप बदला हुआ है। लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि दिल्ली, उत्तर भारत या पूरा देश आने वाले सर्दी के मौसम में सर्दी से रहित होगा।

हां, ऐसा हो सकता है कि जलवायु परिवर्तन के कारण इस बार की सर्दी का मौसम अनियमितता लिए हो यानी लंबे समय तक अपेक्षाकृत गर्म मौसम रहे और फिर अचानक तेज ठंड का दौर आ जाए। पूरी तरह से एक मौसम साफ हो जाना लगभग असंभव है। इसलिए विश्व मौसम संगठन की इस चेतावनी को डर का विषय नहीं बनाना चाहिए बल्कि उसके कहने के अंदाज से मौसम की गंभीरता को समझना चाहिए।

84 महादेव : 46वाँ अध्याय

वीरेश्वर महादेव : मूल नक्षत्र में जन्मे बालक और तप की विजय

डॉ. नवीन आनंद जोशी

उज्जैन के महाकाल वन में प्रतिष्ठित 84 महादेवों की परंपरा आस्था, पौराणिक आख्यानों और आध्यात्मिक संदेशों की अनुपम धरोहर है। इसी पावन परंपरा में वीरेश्वर महादेव की कथा त्याग, मातृ-ममता, तपस्या और शिव-कृपा की अद्भुत गाथा के रूप में सामने आती है।

पौराणिक मान्यता के अनुसार अमित्रजित नामक एक धर्मपरायण राजा हुए। देवर्षि नारद के निर्देश पर वे पाताल लोक की चंपावती नगरी पहुंचे। वहां उन्होंने कंकालकेतु नामक दानव का वध किया और विद्याधर-कन्या मलयगंधिनी को उसके बंधन से मुक्त कराया। इसके बाद दोनों का विवाह हुआ और वे अवंतिका लौटकर भगवान शिव की आराधना में लीन हो गए।

रानी मलयगंधिनी ने माता पार्वती को प्रसन्न करने के लिए अभीष्ट तृतीया का व्रत किया। उनकी कठोर साधना से प्रसन्न होकर देवी ने उन्हें शिवांश से युक्त एक तेजस्वी पुत्र का वरदान दिया। समय आने पर पुत्र का जन्म हुआ, लेकिन राजदरबार के ज्योतिष-विद्वानों ने बताया कि उसका जन्म 'अभुक्त मूल' में हुआ है। उस समय प्रचलित मान्यताओं के प्रभाव में रानी ने राजा और

पुत्र, दोनों के मंगल की कामना से नवजात शिशु को विकटा देवी के मंदिर में एक सुरक्षित स्थान पर छोड़ दिया।

कथा के अनुसार, कुछ योगिनियों की दृष्टि उस बालक पर पड़ी। उन्होंने उसे अपने संरक्षण में लिया और उसे शिक्षा, संस्कार तथा जीवनोपयोगी ज्ञान प्रदान किया। सोलह वर्ष बाद जब वह बालक अवंतिका लौटा, तब माता-पिता से उसका पुनर्मिलन अत्यंत भावुक था। वर्षों का विरह मां के स्नेहिल आलिंगन में जैसे पिघलकर बह गया।

इसके बाद राजकुमार ने राजसी वैभव के बजाय भगवान शिव की कठोर तपस्या को अपना जीवन-पथ चुना। उसकी साधना से प्रसन्न होकर भगवान शिव ज्योतिर्मय स्वरूप में उसके सामने प्रकट हुए। राजकुमार ने सांसारिक सुख-सुविधाओं का वरदान नहीं मांगा, बल्कि भव-बन्धन से मुक्ति की कामना की। उसकी तपस्या से संबद्ध शिवलिंग आगे चलकर वीरेश्वर महादेव के नाम से प्रसिद्ध हुआ।

मूल नक्षत्र : भय नहीं, गहराई

पारंपरिक ज्योतिष में 'मूल' का अर्थ जड़ या मूल कारण माना जाता है। इसे गहन चिंतन, जिज्ञासा और सत्य की खोज से भी जोड़ा जाता है। हालांकि ये सांस्कृतिक और धार्मिक मान्यताएं हैं, वैज्ञानिक दृष्टि से जन्म नक्षत्र के आधार पर जीवन के परिणाम निर्धारित होने का कोई निर्णायक प्रमाण उपलब्ध नहीं है।

वीरेश्वर महादेव की कथा का संदेश अत्यंत स्पष्ट है—जन्म की परिस्थिति मनुष्य की शुरुआत हो सकती है, उसकी पहचान नहीं। उसकी वास्तविक पहचान संस्कार, कर्म, तपस्या, संकल्प और पुरुषार्थ से बनती है।

इसलिए मूल नक्षत्र को भय की दृष्टि से देखने के बजाय ज्ञान, आत्मविश्वास और आत्मविकास की संभावनाओं के रूप में देखना अधिक सार्थक है। यही वीरेश्वर महादेव की पावन गाथा का शाश्वत संदेश है।

'राष्ट्र निर्माता शिक्षक का सम्मान एक ही दिन क्यों?'

- डॉ.अशोक कुमार भार्गव
पूर्व आईएएस, मप्र

शिक्षक दिवस राष्ट्र निर्माता शिक्षकों के नमन का दिन है जो ज्ञान की रोशनी से विद्यार्थियों को अंधकार से प्रकाश की ओर ले जाते हैं। जो अपने विद्यार्थियों के भविष्य को उज्ज्वल बनाने के लिए निस्वार्थ भाव से अपना वर्तमान समर्पित कर देते हैं। वे जो वर्तमान पीढ़ी के व्यक्तित्व को परिष्कृत कर राष्ट्र के भविष्य को स्वर्णिम बनाते हैं। वे शिक्षक जो जीवन संग्राम मैं आने वाली चुनौतियों का सामना करने की सामर्थ्य अपने विद्यार्थियों में सृजित करते हैं। इन्हीं शिक्षकों की गरिमा और यश को गौरान्वित करने का दिवस है शिक्षक दिवस। शिक्षकों के श्रेष्ठतम कार्यों का मूल्यांकन कर उन्हें सार्वजनिक रूप से अलंकृत करने का संकल्प दिवस है शिक्षक दिवस। निसंदेह किसी भी राष्ट्र के विकास की नींव राष्ट्र निर्माता शिक्षक ही होते हैं। इसीलिए भारतीय ज्ञान परंपरा में शिक्षकों को परमेश्वर से भी पहले सम्मान दिया गया है क्योंकि शिक्षक अपने विद्यार्थियों के हृदय में शुभ संस्कारों के सर्जक के नाते ब्रह्मा हैं। उनके रक्षण वर्धन के नाते विष्णु और अशुभ संस्कारों, अन्तरविकारों को नष्ट करने के कारण
शिव है अर्थात ब्रह्मा विष्णु और महेश के समन्वित स्वरूप का दूसरा नाम ही गुरु है। जिस प्रकार कुम्हार बाहर से घड़े को ठोकता पीटता है तथा भीतर से हाथ का सहारा देकर खोट निकालकर लोकोपयोगी घट का निर्माण करता है। उसी प्रकार आदर्श शिक्षक भीतर से अपनी सहानुभूति का सहारा देता हुआ ऊपर से आवश्यकतानुसार चोट मारकर गढ गढ कर अपने शिष्य का शुभ निर्माण करता है।
कबीरदासजी कहते हैं गुरु कुम्हार सिख कुंभ है, गढि गढ़ि काढै खोट। अंतर हाथ सहारे दै, बाहर- बाहर चोट। ऐसे सुनिर्मित विद्यार्थी ही राष्ट्र के भावी कर्णधार और होते हैं। यदि शिक्षक अपने छात्रों का निर्माण ठीक से न करें तो उसकी गलती राष्ट्र के भविष्य में झलकती है। महर्षि अरविंद कहते हैं कि अध्यापक राष्ट्र की संस्कृति के चतुरमाली होते हैं। वे संस्कारों की जड़ों में खाद देते हैं और अपने श्रम से उन्हें सींच सींच कर महाप्राण शक्तियां बनाते हैं। इसलिए विद्यार्थियों को भी यह समझ लेना चाहिए की यह तन विष की बैलरी गुरु अमरित की खान, सीस दिए जो गुरु मिले तो भी सस्ता जान।
डॉ.सर्वपल्ली राधाकृष्णन महान दार्शनिक, शिक्षक और भारत के द्वितीय राष्ट्रपति थे। इन्होंने कबीरदास की भांति शिक्षकों की महिमा को मंडित करने के लिए अपने प्रशंसकों द्वारा उनका जन्मदिवस सार्वजनिक रूप से मनाने के आग्रह पर अपना जन्मदिवस शिक्षकों के नाम समर्पित कर दिया। और 1962 से प्रति वर्ष 5 सितंबर को शिक्षक दिवस मनाया जाने लगा। किसी भी राष्ट्र के सर्वांगीण विकास में शिक्षकों की भूमिका अप्रतिम होती है जैसा कि चाणक्य कहते हैं कि शिक्षक कभी साधारण नहीं होता प्रलय और निर्माण उसकी गोद में पलते हैं। डॉ. राधाकृष्णन का मत है कि शिक्षक एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी को बौद्धिक परंपराएं और तकनीकी कौशल पहुंचाने का केंद्र है। हेनरी ब्रुक्स एडम्स कहते हैं कि एक शिक्षक अनंत काल को प्रभावित करता है, वह कभी नहीं बता सकता कि उसका प्रभाव कहां रुकता है। डॉ.भीमराव अंबेडकर ने शिक्षा को सामाजिक बदलाव, अधिकार प्राप्ति और मुक्ति का सबसे शक्तिशाली साधन माना। उनकी दृष्टि में शिक्षक राष्ट्र रूपी रथ का सारथी है नौकरी करने वाला मास्टर नहीं। शिक्षा केवल किताबों से ही नहीं मिलती, वह शिक्षक के आचरण और व्यवहार से भी मिलती है। इसलिए शिक्षक में करुणा, समता और बंधुता का भाव होना चाहिए। वह प्रज्ञावान शीलवान और लोकतांत्रिक मूल्यों में आस्था रखने वाला योग्य शिक्षक होना चाहिए। जिस धरा पर कबीर ने गुरु की महिमा को गोविंद से पहले ये कह कर मंडित किया कि हरि रूठै गुरु ठौर है, गुरु रूठै नहीं ठौर, उसी धरा पर क्या शिक्षकों की गरिमा का सम्मान सिर्फ एक दिन होना चाहिए? क्या ये संभव नहीं है कि शिक्षक जो न केवल राष्ट्र निर्माता चरित्र निर्माता हैं उसकी महिमा का सम्मान निरंतर करें क्योंकि राष्ट्र का निर्माण सिर्फ एक दिन में नहीं होता है, वरन उसके लिए अनवरत साधना होती है और शिक्षक भी किसी एक दिन में ही अपने विद्यार्थियों को संपूर्ण नहीं बना देते, वरन वे प्रतिदिन इस दिशा में समर्पण भाव से क्रियाशील रहते हैं। अत: ऐसे आदर्श शिक्षक ही वर्ष में सिर्फ एक दिन नहीं वरन प्रतिदिन प्रतिपल प्रतिक्षण सम्मान के पात्र होते हैं।
भारत की सांस्कृतिक चेतना में शिक्षा और समाज का शाश्वत संबंध रहा है। सभ्यता के प्रारंभ से ही वैविध्यपूर्ण भारतीय समाज में वेदों उपनिषदों पुराणों के जीवन दर्शन और धर्म की शिक्षा पर स्पष्ट छाप रही है। नालंदा, तक्षशिला, विक्रमशिला भारतीय शिक्षा पद्धति के गौरवशाली बौद्धिक स्मारक हैं। गुरु और शिष्य का आदर्शात्मक संबंध अलौकिक था। नगर के कोलाहल से दूर गुरुकुल व्यवस्था में संघर्षों से मुक्त बौद्धिक शक्ति, चरित्र बल और आध्यात्मिक चेतना से संपन्न हो कर सांसारिक जीवन में उनका प्रवेश अर्थ धर्म काम और मोक्ष के पुरुषार्थ की सिद्धि में सहायक होकर पूर्ण मनुष्य का निर्माण करने वाली थी। किन्तु मध्यकालीन भारतीय समाज में शिक्षा प्रदान करने के प्रमुख माध्यम मकतबा और मदरसे बने रहे जिसके कारण शिक्षा का क्षेत्र बहुत सीमित हो गया। इसके पश्चात आए अंग्रेजों ने शिक्षा के रहे सहे अस्तित्व को भी विकृत कर दिया। अंग्रेज भारतीयों को वैज्ञानिक एवं तकनीकी शिक्षा देने के पक्ष में नहीं थे। सन 1835 में मैकाले ने कहा कि हमें एक ऐसा वर्ग पैदा करना चाहिए जो हमारे और करोड़ों लोगों के बीच जिन पर हम शासन करते हैं, दुभाषिये का काम कर सके। ऐसे व्यक्तियों का वर्ग जो रंग और रक्त से भारतीय हो किन्तु रुचियों, विचारों, नैतिकता और बुद्धि में अंग्रेज हों। आज़ादी के बाद देश में शिक्षा के बहु आयामी विकास के लिए अनेक स्तरों पर पहल की गई, किंतु मुख्य प्राथमिकता गुणात्मक शिक्षा के स्थान पर परिमाणात्मक विकास पर केंद्रित होने से शिक्षा का चरित्र उपनिवेशवादी बना रहा। आधुनिक राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 भारत की आत्मा और भारतीयता की उद्घोषणा है। यह ऐसी प्रथम शिक्षा नीति है जो भारतीय व्यक्तियों के विचारों के अनुकूल है। हमारे होनहार बच्चों में ज्ञान विज्ञान के मूल स्रोत को जागृत करना इस नीति का मुख्य ध्येय है। यह अंग्रेजों की उस साजिश को भी समाप्त करने का कार्य करती है जिसमें उन्होने भाषा के आधार पर भारतीयों में हीन भावना पैदा करने का प्रयास किया था। यह नागरिक आकांक्षाओं का प्रतिबिंब और भविष्य के भारत की नींव है।
शिक्षक को राष्ट्र निर्माता कहने भर से राष्ट्र का निर्माण नहीं होता जब तक कि शिक्षक को अपने दायित्व निर्वहन में पूरी आज़ादी न दी जाए। शिक्षकों के सामाजिक आर्थिक शैक्षणिक उत्थान के बिना राष्ट्र का सर्वांगीण विकास संभव नहीं है। शिक्षक यदि तनाव से मुक्त आनन्द से युक्त और व्यर्थ की गुलामी से मुक्त है, राजनीति के विषैले वातावरण से ग्रस्त नहीं है, प्रशासन के अनावश्यक हस्तक्षेप से मुक्त है, विद्यालय में प्रवेश के लिए संसाधनों की पर्याप्त उपलब्धता है, कोचिंग संस्थानों पर प्रतिबंध है, प्रेरणा और प्रोत्साहन का वातावरण है तभी वह शिक्षा को सही अर्थों में घटित कर सकता है। अन्यथा वह अपने शिक्षकीय दायित्व के साथ न्याय नहीं कर सकेगा। यह कटु सत्य है कि शिक्षक यदि भूखा है तो समझिए ज्ञान का सागर भी सूखा है। मेरी दृष्टि में शिक्षकीय दायित्व बहुत पवित्र किन्तु कठिन है। गगन को चूमती हुई अट्टालिकाओं को निर्मित करना सरल है। उफनती नदी के वेग को नियंत्रित कर नहरें निर्मित करना भी सरल है। चट्टानों के सीने चीर कर सड़कें बनाना भी सरल है, किंतु राष्ट्र के लिए एक आदर्श और उपयोगी पीढ़ी को निर्मित करना बहुत कठिन है। यह कठिन दायित्व हमारे प्रथम गुरु पूज्य माता और पिता के बाद शिक्षक निभा रहे हैं।
हमारे हाथों की उंगलियां एक जैसी नहीं होती। किसी तालाब में कुछ गंदी मछलियाँ हों तो वह पूरा तालाब गंदा नहीं हो जाता। शिक्षकीय समुदाय संख्या की दृष्टि से बहुत विशाल है। हो सकता है कि कुछ शिक्षक अपने निजी स्वार्थ के लिए राजनीति के विषैले माहौल में रहते हों। कुछ शिक्षक निष्ठा से अपने दायित्व का निर्वहन भी नहीं करते। समय पर विद्यालय नहीं आते। कुछ साधारण शिक्षक हैं जो पढ़ाते हैं। कुछ श्रेष्ठ शिक्षक हैं जो व्याख्या करते हैं और कुछ उत्कृष्ट शिक्षक भी हैं जो छात्रों के मन में सीखने की जिज्ञासा पैदा करते हैं। अत: हम समग्र शिक्षक समुदाय को लांछित नहीं कर सकते। वे शिक्षक जो अपने कर्तव्यों के प्रति उदासीन हैं उनके विरुद्ध कार्रवाई के प्रावधानों से ठीक किया जा सकता है।
सोशल मीडिया, इंटरनेट और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के चमत्कारी दौर में भी शिक्षक अनेक चुनौतियों और विषमताओं के बावजूद ज्ञान की रश्मियों से अपने विद्यार्थियों को आलोकित कर रहे हैं। उनमें जीवन की प्रतिकूल परिस्थितियों से जूझने का जीवट सृजित कर रहे हैं। उनके चिंतन के क्षितिज का विस्तार कर उनके विचारों के वैभव को निखार रहे हैं। तभी तो यह देश आगे बढ़ रहा है प्रगति कर रहा है। आज हमारे देश में विभिन्न क्षेत्रों में वैश्विक स्तर पर उपलब्धियों के जो नित नए आयाम स्थापित हो रहे हैं उसकी बुनियाद में कहीं न कहीं हमारे शिक्षकों का समर्पण भी है। तो ऐसी स्थिति में शिक्षकों का सम्मान सिर्फ एक दिन ही क्यों। वर्ष के बाकी 364 दिन क्यों नहीं होना चाहिए।
हमारे देश में ऐसे आदर्श शिक्षकों की कमी नहीं है जिनका जीवन प्रेरणा और प्रोत्साहन का प्रकाश स्तम्भ है। एक विद्यालय तीन विद्यार्थी विलंब से पहुंचे, तब तक प्रार्थना समाप्त हो चुकी थी। स्कूल के प्राचार्य ने इन चारों को स्कूल के मैदान में तीन चक्कर लगाने की सजा दी। तीनों विद्यार्थी प्राचार्य के आदेश के पालन में मैदान के चक्कर लगाना शुरू कर दिए। दो चक्कर लगाने के बाद उन्होंने देखा कि उनके पीछे पीछे प्राचार्य जिनकी उम्र लगभग पचपन वर्ष की रही होगीभी हांफते हुए दौड़ रहे हैं। छात्रों ने रुककर प्राचार्य से पूछा सर आप किस लिए दौड़ रहे हैं? तब प्राचार्य ने जो उत्तर दिया वह उनके आदर्श चरित्र की पराकाष्ठा है।। प्राचार्य ने कहा कि मेरी तमाम कोशिशों के बाद भी यदि मैं छात्रों को अनुशासन और समय की महत्ता नहीं समझा सका तो इसका अर्थ है कि मेरे प्रयासों में ही कहीं त्रुटि है। इसलिए जितनी गलती आपकी है उससे ज्यादा मेरी गलती है। चूंकि मुझे कोई सजा नहीं दे सकता इसलिए मैंने अपनी सजा खुद ही तय कर दी है और जब तक मैं इस स्कूल के विद्यार्थियों को समय का अनुशासन नहीं समझा पाऊंगा तब तक मैं भी उनके साथ मैदान के चक्कर लगाऊंगा। क्या ऐसे आदर्श शिक्षक के सम्मान में हमें श्रद्धावनत नहीं होना चाहिए।
शिक्षक दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं।

नदियां उफान पर, बेगमगंज-विदिशा मार्ग 8 घंटे से बंद

बेगमगंज क्षेत्र में पिछले 4 दिन से लगातार हो रही बारिश

रायसेन (नि.प्र.) **क्षेत्र में लगातार 4 दिन से हो रही अनवरत वर्षा के कारण नदी नाले उफान पर हैं. चारों ओर पानी ही पानी नजर आ रहा है. जलभराव के कारण कई क्षेत्रों का नगर मुख्यालय से संपर्क टूट गया है.**

वहीं बेगमगंज-हैदरगढ़-विदिशा मार्ग पिछले 8 घंटे से बंद होने के कारण आवागमन बाधित हो गया है. सड़क के दोनों ओर वाहनों के फंसने से कतारें लग गई हैं. मार्ग शनिवार सुबह से पूरी तरह बंद है फिर भी लोग जोखिम उठाकर अपने वाहन निकालने का प्रयास करते हुए देखे गए.

शुक्रवार सुबह से लगातार कभी मध्यम तो कभी तेज हो रही वर्षा ने जन जीवन अस्तव्यस्त कर दिया है. बेगमगंज से माला फाटक होकर हैदरगढ़ होकर विदिशा को जोड़ने वाला एकमात्र माला फ़ाटक मार्ग पर जलभराव होने के कारण बंद हो गया है, फिर भी नदी के उस पार ग्राम चंदोरिया, माला, सिलतिरा, गोपालपुर, सागोनी मुंजप्ता, पीलपहाड़ी, मढ़िया हसन खां, मानपुर, खैरपुर सहित विदिशा जिले की निकटवर्ती सीमा से जुड़े गोढ़ीपुर, पचपेढियां, परसौरा, मदनई, बूढ़ी बासौदा, दासीपुर, धामनोद, हैदरगढ़, मोहम्मदगढ़, नयागांव, कोलुआ, मनोरा सहित रायसेन एवं विदिशा जिले के करीब 40 गांवों का 24 घण्टे से सड़क संपर्क टूटा हुआ है, जबकि बीना एवं सेमरी नदी से जुड़े अन्य गांव का भी पुल- पुलियों एवं रपटों पर पानी होने के कारण दर्जनों गांव का संपर्क बेगमगंज मुख्यालय से पूरी तरह टूटा हुआ है. फिर भी लोग अपने वाहन निकालने के प्रयास में लगे हुए हैं.

चारों ओर निचली बस्तियों में जलभराव

ऐसे में गंभीर रूप से बीमार अथवा आवश्यक कार्य के लिए लोगों को लंबा चक्कर लगाकर राहतगढ़ अथवा रायसेन से आना-जाना करना पड़ रहा है. वर्तमान में बेगमगंज को जोड़ने वाला एकमात्र सागर-भोपाल मार्ग चालू है.

इसके अतिरिक्त अन्य मार्गों से आवागमन पूरी तरह से बंद है. नगर के माला फाटक, मुकरबा, मंडी, ईश्वर नगर, चुरक्का, पाराशरी, दशहरा मैदान के पीछे सहित अन्य निचली बस्तियों में जलभराव होने से जल जीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ है लेकिन किसी जनहानि की खबर नहीं मिलने से प्रशासन ने राहत की सांस ली है. जानकारी के अनुसार अगले 48 घंटे तक और अधिक वर्षा होने की चेतावनी दिए जाने पर लोग घबराहट में हैं कि पिछले चार दिन से लगातार वर्षा के कारण सभी काम धंधे ठप्प हो गए हैं और लोगों का आना-जाना बंद होने के कारण रास्ते एवं मार्केट सुनसान पड़े हैं .

शुक्रवार से माला फाटक ईदगाह मार्ग पर जलभराव होने से हैदरगढ़ होकर विदिशा जाने वाला मार्ग पूरी तरह से बंद होने पर उस क्षेत्र के निवासी राहतगढ़ होकर बेगमगंज आना-जाना कर रहे हैं जबकि बेगमगंज के लोग भी इसी रूट से आवागमन कर रहे हैं. बेगमगंज - बेरखेड़ी मार्ग पर 3 साल से निर्माणाधीन पुल का निर्माण नहीं होने के कारण यह स्थिति निर्मित हुई है. यदि समय रहते पुल का निर्माण पूरा हो जाता तो यह रास्ता कभी भी बंद नहीं होता लेकिन लापरवाह निर्माण एजेंसी एवं अधिकारियों की करतूत के कारण हजारों लोगों को परेशान होना पड़ रहा है.

ऐसे में क्षेत्र के लोगों का आरोप है कि जनप्रतिनिधियों एवं प्रशासन द्वारा ध्यान नहीं दिए जाने के कारण आज यह स्थिति निर्मित हुई है कि क्षेत्र के लोग जरा- सी वर्षा होने पर कई दिन तक परेशान होते रहते हैं.

एसडीएम प्रियंका भलावी का कहना है कि सभी दुर्घटना संभावित मार्गों पर चौकीदार तैनात किए गए हैं ताकि मार्गो पर जल भराव होने के कारण कोई आवागमन ना कर सके. इसके लिए बैरिकेट्स के साथ बेरियर भी लगाए गए हैं ताकि उल्लंघन किए जाने पर संबंधित के खिलाफ कार्रवाई की जा सके.

भारी बारिश में धूमधाम से मनाई जन्माष्टमी

यादव समाज ने प्रतिभाशाली बच्चों को किया सम्मानित

रायसेन (नि.प्र.) **सुल्तानगंज में भारी बारिश के बीच भगवान योगेश्वर श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव धूमधाम और उत्साह के साथ मनाया गया. बारिश के बावजूद श्रद्धालुओं की आस्था और उत्साह में कोई कमी नहीं आई. यादव समाज के साथ सर्व समाज के लोगों ने बड़ी संख्या में शामिल होकर आयोजन को भव्य रूप दिया.**

पूरे नगर में दिनभर कृष्ण भक्ति और जयकारों की गूंज सुनाई देती रही. कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान श्रीकृष्ण की विधिवत पूजा-अर्चना के साथ हुआ. इसके बाद नगर में भव्य शोभायात्रा निकाली गई. शोभायात्रा में भगवान श्रीकृष्ण की मनमोहक झांकी, डीजे, अखाड़े और डमरू पार्टी आकर्षण का केंद्र रहे. बारिश के बीच भी श्रद्धालु कृष्ण भक्ति में सराबोर होकर जयकारे लगाते हुए शोभायात्रा में शामिल हुए. शोभायात्रा के बाद बस स्टैंड परिसर में धर्मसभा का आयोजन किया गया. मुख्य अतिथि विधायक देवेंद्र पटेल, गौरी यादव, नत्थूसिंह ठाकुर और जयदीप सिंह पटेल सहित अन्य अतिथियों का फूल-माला और गमछा पहनाकर स्वागत किया गया. वक्ताओं ने भगवान श्रीकृष्ण के जीवन, उनके आदर्शों और कर्मयोग के संदेश पर प्रकाश डालते हुए युवाओं से उनके बताए मार्ग पर चलने का आह्वान किया. आयोजन के दौरान यादव समाज के प्रतिभाशाली बच्चों और पत्रकारों को प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित किया गया. इसके बाद आयोजित मटकी फोड़ प्रतियोगिता ने कार्यक्रम में रोमांच भर दिया. युवाओं की टीमों ने मटकी फोड़ने के लिए उत्साहपूर्वक भाग लिया और दर्शकों ने तालियों एवं जयकारों से उनका उत्साह बढ़ाया. कार्यक्रम के दौरान तहसीलदार राजीव उइके और थाना प्रभारी दिनेश सिंह रघुवंशी सुरक्षा व्यवस्था पर लगातार नजर बनाए रहे. अंत में डॉ. शैलेन्द्र सिंह यादव ने कार्यक्रम में उपस्थित सभी अतिथियों, श्रद्धालुओं और सहयोगियों का आभार व्यक्त किया.

धान के खेत में मजदूरी करने आए मजदूर की मोटरसाइकिल चोरी

रायसेन (नि.प्र.) **थाना क्षेत्र अंतर्गत कोसाखेड़ी नदी के पास से एक मजदूर की सड़क किनारे खड़ी मोटरसाइकिल चोरी होने का मामला सामने आया है. पीड़ित मजदूर की शिकायत पर सलामतपुर थाना पुलिस ने अज्ञात चोर के विरुद्ध मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है.**

पुलिस के अनुसार, भगवान सिंह धानक पिता प्रताप सिंह धानक निवासी भरतीपुर गांव, पेशे से मजदूर है. वह धान के खेत में मजदूरी करने के लिए अपनी मोटरसाइकिल क्रमांक एमपी40 जेडएफ 8391 से कोसाखेड़ी गांव आए हुए थे. उन्होंने अपनी मोटरसाइकिल कोसाखेड़ी नदी के पास सड़क किनारे खड़ी कर दी और खुद खेत में मजदूरी करने चले गए. वह शाम को वापस लौटे, तो जिस स्थान पर बाइक खड़ी की थी, वहां से वाहन नदारद था.

सलामतपुर थाना प्रभारी श्यामराज सिंह सोमवंशी ने बताया कि कोसाखेड़ी नदी के पास से एक मोटरसाइकिल चोरी होने की रिपोर्ट दर्ज की गई है. अज्ञात चोर के खिलाफ मामला कायम कर विवेचना में ले लिया गया है. पुलिस की टीम आसपास के क्षेत्रों में लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाल रही है, ताकि आरोपी का सुराग लगाकर जल्द से जल्द वाहन बरामद किया जा सके.

शिक्षक दिवस पर शिक्षिका से गुंडे ने की छेड़छाड़

एक छात्र ने बचाया, आरोपी गिरफ्तार

रायसेन (नि.प्र.) **बेगमगंज नगर में शनिवार सुबह 9 बजे शिक्षक दिवस पर एक गुंडे ने कम्प्यूटर शिक्षिका को सेंटर पर अकेली बुरी नियत से पकड़ लिया और अश्लीलता करने लगा. उसी सेंटर में एक छात्र पहुंच गया, जिसने उक्त गुंडे के चंगुल से अपनी शिक्षिका को बामुश्किल छुड़ाया.**

इस बीच आरोपी ने शिक्षिका और छात्र से भी मारपीट की ओर मौके से फरार हो गया. घटना से नगर में सनसनी फैल गई. घटना स्थल पर भीड़ जमा हो गई. पुलिस ने मामला दर्जकर आरोपी को आधे घण्टे के अंदर गिरफ्तार कर लिया.

एसडीओपी सोनाली गुप्ता ने बताया कि दीनदयाल कॉलोनी के पटवा भवन में अटलबिहारी वाजपेयी हिंदी विश्वविद्यालय से संबद्ध एक कम्प्यूटर सेंटर का संचालन अनिल यादव एवं रघुराजसिंह नामक युवक करते हैं. कंप्यूटर सेंटर पर पिछले 3 साल से एक 23 वर्षीय युवती कम्प्यूटर टीचर्स के रूप में पढ़ाने आती है. सेंटर की चाबी उसी के पास होने से शनिवार सुबह करीब 9 बजे वह सेंटर खोलने आई और जैसे ही ताला खोलकर गैलरी के अंदर घुसी वैसे ही तत्काल 27 वर्षीय आरोपी आकाश कुशवाहा पिता अशोक कुशवाहा निवासी दीनदयाल कॉलोनी भी पीछे से अंदर घुस गया और शिक्षिका को बुरी नियत से पकड़ लिया और उनके साथ अश्लीलता करने लगा.

इतने में सेंटर पर कम्प्यूटर कोर्स करने वाला छात्र राज ठाकुर 25 वर्ष पहुंच गया तो उसने विरोध करते हुए शिक्षिका को उक्त गुंडे के चंगुल से छुड़ाया.

इस बीच आरोपी आकाश कुशवाहा शिक्षिका एवं राज ठाकुर के साथ मारपीट करने लगा हो हल्ला और चीखपुकार सुनकर जब आसपास से लोग एकत्रित हुए तो वह वहां से भाग गया. घटना की जानकारी लगते ही सेंटर संचालक अनिल यादव एवं रघुराजसिंह ठाकुर एवं शिक्षिका के माता-पिता, भाई भी पहुंच गए. सूचना मिलने पर तत्काल मौके पर पहुंचकर पुलिस ने पीड़ित शिक्षिका एवं गवाहों के बयान लिए पंचनामा बनाया और आरोपी आकाश कुशवाहा के विरुद्ध छेड़छाड़ का मारपीट की विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी. आधे घण्टे में एक मकान से गिरफ्तार किया. आरोपी बाहर भागने की फिराक में था. थाना प्रभारी राजीव उइके ने बताया कि आरोपी रिकॉर्डशुदा गुंडा है. गत वर्ष यह एक लड़की का अपहरण करके ले गया था, तब पुलिस ने लड़की बरामद कर उसके विरुद्ध अपहरण एवं दुष्कर्म सहित विभिन्न धाराओं में मामला दर्जकर गिरफ्तार किया था. हाल ही में वह जमानत पर जेल से छुटकारा आया है. उस पर 5 आपराधिक प्रकरण दर्ज हैं. आदतन अपराधी होने के कारण पुलिस अब उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई कर रही है.

एक नजर में

रक्त की हर बूंद मरीज को नया जीवन दे सकती है

रायसेन (नि.प्र.) शिक्षक दिवस के अवसर पर सामाजिक संस्था सत्यार्थ फाउंडेशन द्वारा संदीपनि विद्यालय में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया. शिविर में रक्तदान करने के लिए युवाओं और शिक्षकों में खासा उत्साह देखने को मिला. महिला शिक्षकों ने भी आगे बढ़कर रक्तदान कर सामाजिक जिम्मेदारी का संदेश दिया. रक्तदान करने वाले शिक्षकों ने कहा कि रक्तदान जीवन का सबसे बड़ा दान है. हमारे रक्त की एक-एक बूंद किसी जरूरतमंद व्यक्ति को नया जीवन देने में सहायक बन सकती है. इससे बड़ा कोई धर्म और दान नहीं हो सकता. शिविर में एकत्रित रक्त जरूरतमंद मरीजों के उपचार में उपयोग किया जाएगा, जिससे कई लोगों का जीवन बचाने में मदद मिलेगी. इस दौरान रक्तदान को लेकर लोगों में व्याप्त भ्रांतियों को दूर करने का भी संदेश दिया गया. उपस्थित लोगों ने कहा कि स्वस्थ व्यक्ति द्वारा किया गया रक्तदान सुरक्षित प्रक्रिया है और इससे जरूरतमंद मरीजों को समय पर रक्त उपलब्ध कराने में मदद मिलती है. शिविर में मेडिकल कॉलेज हमीदिया की रक्तदान टीम ने रक्त एकत्रित किया. इस अवसर पर अरविंद पाठक, विजय सोनी, प्रदीप कुशवाह सहित संस्था के पदाधिकारी, शिक्षक और अन्य लोग मौजूद रहे.

शिक्षक दिवस : न्यू सर्वोदय हायर सेकेण्डरी स्कूल में शिक्षकों का किया सम्मान

रायसेन (नि.प्र.) .शिक्षक दिवस के अवसर पर न्यू सर्वोदय हायर सेकेण्डरी स्कूल में प्रबंधन द्वारा विद्यालय के शिक्षकों का सम्मान किया गया. कार्यक्रम में विद्यालय प्रबंधन ने शिक्षकों को सम्मानित करते हुए उनके समर्पण, मेहनत और विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में दिए जा रहे योगदान की सराहना करते हुए शुभकामनाएँ दी . इस अवसर पर शिक्षकों ने भी शिक्षा के स्तर को और बेहतर बनाने तथा विद्यार्थियों को संस्कारयुक्त एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने का संकल्प लिया. प्रबंधन ने कहा कि शिक्षक समाज और राष्ट्र निर्माण की महत्वपूर्ण कड़ी हैं. कार्यक्रम में विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे.

शिक्षक दिवस पर किया आचार्य दीदियों का सम्मान

रायसेन (नि.प्र.) सरस्वती शिशु विद्या मंदिर, सिलवानी में 5 सितंबर को शिक्षक दिवस के अवसर पर कार्यक्रम आयोजित किया गया. कार्यक्रम में मुख्य अतिथि प्रजा सेवक जैन, पूर्व प्राचार्य एवं ब्लॉक शिक्षा अधिकारी सम्मिलित हुए. उन्होंने सभी आचार्य-दीदियों का श्रीफल एवं पुष्प भेंट कर सम्मान किया. अतिथि का स्वागत आचार्य संतोष कुमार ने किया. मुख्य अतिथि ने मार्गदर्शन देते हुए कहा कि जिस प्रकार एक मूर्तिकार पत्थर को तराशकर सुंदर मूर्ति का रूप देता है, उसी प्रकार शिक्षक अपने ज्ञान, संस्कार एवं मार्गदर्शन से भैया-बहनों के व्यक्तित्व को गढ़ता है, ताकि वे जीवन में सम्मानपूर्वक आगे बढ़ते हुए राष्ट्र एवं समाज की प्रगति में योगदान दे सकें. इस अवसर पर सीपीडी प्रशिक्षण वर्ग का आयोजन भी किया गया, जिसका उद्देश्य आचार्य-दीदियों के कौशल एवं शिक्षण गुणवत्ता का विकास करना रहा. प्राचार्य विपिन बिहारी राजपूत ने विद्यालय की प्रगति एवं आगामी कार्ययोजना की जानकारी देते हुए सभी से सहयोग एवं मार्गदर्शन के साथ कार्य करने का आह्वान किया. कार्यक्रम का संचालन सुशीला दीदी ने किया. इस अवसर पर समस्त आचार्य परिवार उपस्थित रहे.

सेवा, सुमरन के संकल्प के साथ मनाया कृष्ण जन्मोत्सव

केलकच्छ के राम-जानकी मंदिर में जन्माष्टमी पर्व पर हुआ आयोजन

रायसेन (नि.प्र.) नर्मदा तट स्थित केलकच्छ ग्राम के राम जानकी मंदिर में जन्माष्टमी के पर्व पर मानस यात्रा अंतर्गत सेवा, सुमरन, सत्संग का आयोजन रखा, आयोजक पाराशर परिवार के कमलेश, भोलेशंकर, एवं चंद्रमौली ने अतिथि मानस प्रवक्ताओं का तिलक एवं पुष्प माला के माध्यम से सम्मान किया, मानस ग्रंथ की पूजन, एवं हनुमान चालीसा के सामूहिक गायन से सत्संग सभा प्रारंभ हुई, मानस आचार्य सुरेंद्र शास्त्री ने बताया कि जन्माष्टमी पर पाराशर परिवार द्वारा कृष्ण का जन्म महोत्सव मनाया जा रहा है, संस्कार की यह परंपरा प्रत्येक परिवार में होना चाहिए, सभा को धर्म अधिकारी राजेंद्र शास्त्री, राष्ट्रीय कथाकार, रामनरेश शास्त्री, सुदामा शास्त्री एवं कैलाश दुबे ने मानस के प्रसंग के माध्यम से बताया कि ईर्ष्या, घमंड और क्रोध छोड़कर ईश्वर प्राप्ति के लिए कल्याणकारी, कार्य करना ही ईश्वर भक्ति की साधना है, यात्रा संयोजक अधिवक्ता चतुरनारायण रघुवंशी ने गौ संरक्षण, संवर्धन और सुरक्षा के लिए कार्य किए जाने हेतु प्रेरणा दी. कवि गोविंद गोदानी ने कृष्ण बधाई गीतों से सभी को भाव विभोर किया, मानस ग्रंथ की मंगल आरती में ग्राम प्रमुख राधेश्याम पटेल, समाजसेवी उमाशंकर सेंगर ,पूर्व सरपंच अखिलेश परमार ,रामपाल सिंह, त्रिलोक पाल सिंह, प्रेम शंकर, सुरेंद्र सिंह परमार, राजेंद्र सिंह सेंगर, मानसिंह खुरायत, रूप सिंह, भरतसिंह, राजाराम रघुवंशी, सहित बड़ी संख्या में मानस प्रेमीजन उपस्थित थे.

शिक्षक दिवस पर काली साड़ी पहनकर विरोध

बेगमगंज में शिक्षक सम्मान समारोह में पहुंची थीं शिक्षिकाएं

रायसेन (नि.प्र.) नगरपालिका परिषद के द्वारा शिक्षक दिवस पर नसिया जी परिसर पूर्व मंत्री रामपाल सिंह के मुख्य आतिथ्य में कार्यक्रम आयोजित किया गया था. इस कार्यक्रम में सेवानिवृत्त एवं श्रेष्ठ शिक्षक -शिक्षिकाओं का सम्मान किया जाना था. लेकिन शनिवार को कार्यक्रम में अजीबोगरीब परिस्थितियां देखने में आई. जब कार्यक्रम का विरोध काले वस्त्र धारण करके किया गया. शिक्षक सम्मान समारोह में दर्जनों शिक्षक-शिक्षिकाएं खुले तौर पर विरोध प्रदर्शन करते नजर आए.

इस अवसर पर अनेक शिक्षक एवं शिक्षिकाएं शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) का विरोध करने के उद्देश्य से कई शिक्षक काली शर्ट एवं शिक्षिकाएं काली साड़ी पहनकर पहुंची और उन्होंने सरकार के इस तुगलकी आदेश का तीखा विरोध प्रदर्शन किया. जिसमें सरकार द्वारा शिक्षकों की परीक्षा होना है. सरकार का अनोखा विरोध प्रदर्शन देखकर सभी दंग रह गए. शिक्षक - शिक्षिकाओं का कहना है कि वर्षों से वो शिक्षा विभाग में सेवाएं दे रहे हैं तो फिर शिक्षक पात्रता परीक्षा टेस्ट देना अनिवार्य क्यों किया गया.

अनदेखी ▶ हर दिन बड़ी संख्या में मवेशियों का रहता है जमावड़ा, दुर्घटना का अंदेशा

आमखेड़ा गांव पर राष्ट्रीय राजमार्ग आवारा पशुओं की गिरफ्त में

रायसेन (नि.प्र.) **नगर से मात्र तीन किमी दूर स्थित ग्राम आमखेड़ा जो कि ग्राम पंचायत ढकना चपना अंतर्गत आता है हर दिन राष्ट्रीय राजमार्ग पर सैकड़ो की संख्या में पशुओं का जमावड़ा लगा रहता है जिससे अनेक दुर्घटना घटित हो चुकी हैं तथा बड़ी दुर्घटना का अंदेशा बना रहता है परन्तु पशुओं पर लगाम नहीं लग पा रहा है.**

जानकारी के अनुसार नगर से मात्र तीन किमी दूर स्थित ढकना चपना ग्राम पंचायत के ग्राम आमखेड़ा जो राष्ट्रीय राजमार्ग विदिशा भोपाल पर स्थित है, इस रोड पर शाम होते ही पशुओं का जमावड़ा रोड के बीचोबीच लग जाता है, इस रोड पर छोटे बड़ा हजारों की संख्या में वाहनों की भागदौड़ लगी रहती है, जिससे वाहन चालकों को तो खासी परेशानी उठानी ही पड़ती है, बल्कि पैदल चलने वाले भी परेशानी उठाने मजबूर होते हैं. इस स्थल पर ही एक ओर गांव है तो दूसरी ओर पेट्रोल पंप बना हुआ है तथा यहां एक सड़क का रूप भी घाटी नुमा हैं तो दूसरी ओर सड़क में मोड़ भी दिया गया है, जिससे वाहन चालकों को रात्रि में काफी परेशानी उठानी पड़ती है, हालांकि इस स्थल पर अनेक वाहन दुर्घटना घटित हो चुकी हैं जिससे अनेक लोग घायल हो चुके हैं तो अनेक लोग भयावह दुर्घटना के कारण काल के गाल में समा चुके हैं. बावजूद इसके पशुओं का सड़क पर बैठना रुक नहीं सका, ऐसा भी नहीं है कि यह सभी पशु आवारा रहते हो. इनमें अधिकांश पालतू पशु होते हैं, जिन्हें पशु मालिक अपने घरों में जगह न होने के कारण दूध दोह कर भगवान भरोसे छोड़ देते हैं.

हालांकि अनेक बार यह बेजुबान पशु वाहनों की चपेट में आकर घायल हो चुके हैं अथवा काल के गाल मे समा चुके हैं. हालांकि इस गांव में पशुओं को घरों में रखने अनेक बार पंचायत द्वारा डोंडी पिटवा दी गई तथा चेतावनी दी गई परन्तु पशुओं पर लगाम नहीं लग सकी इतना ही नहीं इस गांव में ही एक खेल स्टेडियम बना हुआ है. पंचायत द्वारा अनेक बार पशुओं को इस खेल स्टेडियम में छोड़ा गया तथा गेट बंद कर दिया गया, जिससे सड़कें पशु विहीन हो सके, परन्तु इस सूने क्षेत्र में बाहरी लोगों द्वारा अपनी अनैतिक गतिविधियों को अंजाम देने का ठिकाना बना डाला तथा लोगों द्वारा रात्रि में गेट खोला जाने लगा, जिससे यह पशु पुन: सड़कों की ओर रुख कर रहे तब पंचायत द्वारा पशुओं को इस स्टेडियम में पशुओं को अंदर कर गेट में ताला लगाने के प्रयास किये गए, परन्तु तथाकथित लोगों द्वारा ताला भी कई बार तोड़ दिया गया, इसकी शिकायत भी पुलिस में दर्ज कराई गई. हालांकि इस क्षेत्र में बड़े हिस्से पर बिजली कंपनी द्वारा अपना सब स्टेशन बनाया गया है तथा कुछ क्षेत्र पर उप तहसील कार्यालय का निर्माण कराया है.

इनका कहना है..

सड़कों पर बैठने वाले पशुओं में कुछ आवारा हैं तो अधिकांश पालतू भी हैं हमने डोडी के माध्यम से लोगो से अपील की कि अपने पशुओं को अपने घरों में रखे .ऐसा न करने पर हमनें सडकों से पशुओं को हटाकर रिक्त पड़े खेल स्टेडियम में भी रखने का प्रयास किया परन्तु वहां भी लोगो द्वारा ताले तोड़कर पशुओं को बाहर निकाल दिया गया यहां तक कि स्टेडियम के दरवाजे खिडकी तक तोड़ डाली गई हमने इसकी शिकायत पुलिस मे भी दर्ज कराई है तथा हमने विगत दिनों पंचायत कार्यालय में आये अतिरिक्त कलेक्टर को भी समस्या से अवगत कराया है तथा हमने उनसे इन पशुओं को बाहर ले जाने के लिए संसाधनों की मांग की है जिससे इन पशुओं को दूर दराज गौशालाओं मे छोडा जा सके .जिससे पशु सड़कों से हट सकें.

- कोमल सिंह मालवीय, सरपंच ग्राम पंचायत ढकना चपना

क्या ब्लैक कॉफी सच में फैट बर्न करती है?

पीने से पहले एक्सपर्ट से जानें

आजकल ब्लैक कॉफी पीने का चलन काफी बढ़ चुका है। खासकर लेट नाइट ऑफिस का काम हो, स्ट्रेस कम करना हो या फिर स्ट्रेस को कम करना हो या फिर वेट लॉस, ब्लैक कॉफी कई लोगों की डाइट का हिस्सा बन चुकी है। यदि आप भी वजन कम करने या वर्कआउट के दौरान अच्छी परफॉर्मेंस देना पसंद करते हैं, तो आपने भी कई बार सुना होगा कि ब्लैक कॉफी बेहतरीन प्री-वर्कआउट ड्रिंक है।

जिम जाने वाले लोग से लेकर फिटनेस एक्सपर्ट तक, एक्सरसाइज या वर्कआउट करने से पहले ब्लैक कॉफी पीना पसंद करते हैं। लेकिन क्या आप सच में वर्कआउट से पहले ब्लैक कॉफी पीने से फैट बर्न होता है।

फैट कम करने के लिए क्यों होती है असरदार: ब्लैक कॉफी में पाए जाने वाला कैफीन एक नेचुरल स्टिमुलेंट है, जो सेंट्रकल नर्वस सिस्टम को एक्टिव करता है। यह शरीर को ज्यादा एनर्जी महसूस कराने, थकान कम करने और फोकस बढ़ाने में मदद कर सकता है। इसी कारण वर्कआउट करने से थोड़ी देर पहले ब्लैक कॉफी पीना फायदेमंद हो सकता है।

दरअसल, यह ब्लैक कॉफी कैलोरी को भी काफी कम करती है। यदि इसमें चीनी, दूध या क्रीम न मिलाएं जाए, तो यह फायदेमंद हो सकती है। इसलिए वजन कम करने की कोशिश कर रहे हैं, तो ब्लैक कॉफी में कुछ भी न मिलाएं। यह फैट बर्निंग की प्रक्रिया को कुछ समय तक सपोर्ट करती है। ध्यान दें कि, सिर्फ ब्लैक कॉफी पीने से वजन कम नहीं होता है, बल्कि आप वर्कआउट जरुर करें।

किन लोगों को सावधानी बरतनी की जरुरत है: असल में ब्लैक कॉफी हर किसी के लिए सही नहीं होती है। कुछ लोगों को कैफीन पीने के बाद घबराहट, दिल की धड़कन तेज हो जाती है, पेट में जलन या नींद की समस्या हो सकती है। इसलिए कुछ लोगों को खास सावधानी बरतनी चाहिए-हाई ब्लड प्रेशर के मरीज, दिल से संबंधित समस्याएं होने पर, प्रेग्नेंट महिलाएं, कैफीन से एलर्जी होने पर, अनिद्रा या एंग्जायटी की समस्या होने पर

क्या सिर्फ ब्लैक कॉफी से वजन कम होता है?

हेल्थ एक्सपर्ट बताते हैं कि ब्लैक कॉफी वजन कम करने या फैट बर्न करने में फायदेमंद नहीं होती है। यह सिर्फ आपकी फिटनेस प्लानिंग का एक छोटा हिस्सा हो सकती है। यदि आपका खान-पान संतुलित नहीं है, तो शारीरिक एक्टिविटीज कम है और आप पर्याप्त नींद नहीं ले रहे हैं, तो सिर्फ ब्लैक कॉफी पीने से फैट बर्न नहीं होगा। वजन कंट्रोल करने के लिए संतुलित डाइट, नियमित रुप से स्ट्रेंथ ट्रेनिंग, कार्डियो एक्सरसाइज, पर्याप्त मात्रा में पानी पिएं और अच्छी नींद लेना जरुरी है।

हर विधायक को कार और 75 हजार-जनसेवा का नया मॉडल

व्यंग्य लेख

"अब समस्याएँ भी वीआईपी हो गई हैं।"

देश में जनसेवा का स्तर आखिरकार इतना ऊँचा उठ गया है कि अब जनता की सेवा करने के लिए विधायक जी को कार और 75 हजार रुपये महीना मिलेंगे। यानी जनता परेशान हो तो विधायक जी दौड़कर उसके पास जाएँगे-बस शर्त इतनी है कि दौड़ना कार में बैठकर हो!

खबर सुनते ही आम आदमी की आँखों में चमक आ गई। उसे लगा कि शायद अब उसकी समस्याएँ भी वीआईपी हो गई हैं। कल तक नाली, सड़क, बिजली और पानी की शिकायत लेकर जनता पैदल विधायक के घर जाती थी। अब विधायक जी कार लेकर जनता के पास जाएँगे। फर्क सिर्फ इतना है कि कार सरकारी होगी और पेट्रोल का इंतजाम... खैर, वह भविष्य के किसी बड़े पैकेज में होगा!

कहा गया है कि विधायक अपने-अपने क्षेत्र के गाँव-कस्बों में जाएँ, आम लोगों की परेशानी सुनें और उसका समाधान करें। विचार बहुत सुंदर है। अब कल्पना कीजिए-विधायक जी कार से गाँव पहुँचे। गाँव वाला बोला, "साहब, सड़क टूटी पड़ी है।"

विधायक जी बोले, "बहुत अच्छा! रिपोर्ट में लिखो-जनता से मिलकर सड़क की समस्या समझी।"

दूसरा बोला, "साहब, पानी नहीं आता।"

जवाब मिला, "बहुत गंभीर समस्या है। इसे भी रिपोर्ट में डालेंगे।"

तीसरा बोला, "साहब, रोजगार चाहिए।"

विधायक जी ने मुस्कुराकर कहा, "भाई, मेरी भी नौकरी जनता ने ही दी है, अभी तो मैं उसकी ईएमआई चुका रहा हूँ!"

असल में लोकतंत्र में सबसे ज्यादा मेहनत जनता करती है। वह टैक्स देती है, वोट देती है, लाइन में लगती है और फिर अपनी समस्या लेकर नेताओं के पास जाती है। अब व्यवस्था ने सोचा है कि कम-से-कम नेताओं को जनता तक पहुँचने के लिए कार सुविधा तो मिलनी ही चाहिए।

और 75 हजार रुपये महीना! यह राशि सुनकर सरकारी कर्मचारी ने अपनी तनख्वाह देखी, किसान ने अपनी फसल का भाव देखा और बेरोजगार युवक ने अपनी डिग्री। तीनों ने एक-दूसरे को देखा और फिर चुपचाप मोबाइल जेब में रख लिया।

सहायक के लिए अलग से 25 हजार रुपये महीना भी मिलेंगे। यानी जनसेवा अब टीमवर्क हो गई है। विधायक जी जनता की समस्या सुनेंगे और सहायक जी उसे नोट करेंगे। फिर रिपोर्ट बनेगी, रिपोर्ट जाएगी, बैठक होगी, बैठक की रिपोर्ट बनेगी और अंत में जनता वही खड़ी मिलेगी-उसी टूटी सड़क के किनारे!

सबसे मजेदार बात यह है कि हर तीन महीने में रिपोर्ट भी देनी होगी कि कितने अधूरे काम पूरे किए और कितनी समस्याएँ हल कीं। यह व्यवस्था सच में लागू हो गई तो नेताओं की असली परीक्षा शुरू होगी। क्योंकि जनता की समस्या सुनना आसान है, समस्या का समाधान करना थोड़ा महँगा पड़ता है!

जनता भी अब समझदार हो गई है। वह कहेगी-"साहब, हमारी समस्या सुनने के लिए कार मिली है तो ठीक है, लेकिन अगली बार कार में हमारी सड़क भी डालकर ले जाइए। बहुत टूटी हुई है।"

कुल मिलाकर लोकतंत्र में एक नया अध्याय खुल रहा है-जनप्रतिनिधि जनता के और करीब आएँगे, बशर्ते कार की दूरी और जनता की दूरी के बीच पेट्रोल का बजट अनुमति दे।

अब देखना यह है कि 75 हजार रुपये जनता की समस्याओं पर खर्च होते हैं या समस्याएँ 75 हजार रुपये की देखकर खुद ही विधायक जी के पास पहुँच जाती हैं!

क्योंकि लोकतंत्र में जनता को सबसे ज्यादा भरोसा इसी बात पर रहता है कि घोषणा बड़ी हो तो उम्मीद भी बड़ी रखनी चाहिए-भले ही सड़क छोटी और टूटी हुई क्यों न हो।

● संजय एम तराणेकर

मधुमेह: बदलती जीवनशैली की चुनौती

जागरूकता और सही देखभाल से संभव है नियंत्रण

मधुमेह यानी डायबिटीज आज दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती स्वास्थ्य समस्याओं में शामिल है। यह केवल ब्लड शुगर बढ़ने की बीमारी नहीं है, बल्कि लंबे समय तक अनियंत्रित रहने पर शरीर के कई महत्वपूर्ण अंगों को प्रभावित कर सकती है। अच्छी बात यह है कि समय पर जांच, संतुलित खान-पान, नियमित शारीरिक गतिविधि, पर्याप्त नींद और डॉक्टर की सलाह के अनुसार उपचार से मधुमेह को काफी हद तक नियंत्रित रखा जा सकता है।

आज मधुमेह बच्चों, युवाओं और बुजुर्गों—सभी आयु वर्गों में दिखाई दे रहा है। पहले जहां इसे मुख्य रूप से उम्र बढ़ने के साथ होने वाली समस्या माना जाता था, वहीं अब बदलती जीवनशैली, शारीरिक गतिविधियों की कमी, बढ़ता वजन, असंतुलित खान-पान और तनाव जैसे कारकों के कारण कम उम्र में भी इसके मामले सामने आ रहे हैं।

मधुमेह आखिर है क्या?

हमारे शरीर को ऊर्जा के लिए ग्लूकोज की आवश्यकता होती है। भोजन से मिलने वाले कार्बोहाइड्रेट पचने के बाद ग्लूकोज में बदलते हैं और रक्त के माध्यम से शरीर की कोशिकाओं तक पहुंचते हैं। इस प्रक्रिया में इंसुलिन नामक हार्मोन की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। इंसुलिन अग्न्याशय यानी पैंक्रियास से बनता है और शरीर की कोशिकाओं को ग्लूकोज का उपयोग करने में मदद करता है।जब शरीर पर्याप्त इंसुलिन नहीं बना पाता, या शरीर की कोशिकाएं इंसुलिन का प्रभाव ठीक से स्वीकार नहीं करतीं, तब रक्त में ग्लूकोज का स्तर बढ़ने लगता है। लंबे समय तक रक्त में शुगर का स्तर सामान्य से अधिक रहने की स्थिति को मधुमेह कहा जाता है। इसे सामान्य भाषा में केवल 'शुगर की बीमारी' कहा जाता है, लेकिन मधुमेह का प्रभाव सिर्फ शुगर के स्तर तक सीमित नहीं रहता। लंबे समय तक अनियंत्रित मधुमेह आंखों, गुर्दों, नसों, हृदय और रक्त वाहिकाओं को नुकसान पहुंचा सकता है।

मधुमेह के प्रमुख प्रकार

मधुमेह मुख्य रूप से कई प्रकार का होता है। इनमें सबसे प्रमुख हैं टाइप-1 डायबिटीज, टाइप-2 डायबिटीज और गर्भावधि मधुमेह।

टाइप-1 मधुमेह: टाइप-1 मधुमेह में शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली गलती से अग्न्याशय की उन कोशिकाओं को नुकसान पहुंचाती है जो इंसुलिन बनाती हैं। इसके कारण शरीर में इंसुलिन का उत्पादन बहुत कम या लगभग समाप्त हो जाता है। यह अक्सर बच्चों और युवाओं में सामने आता है, हालांकि किसी भी उम्र में हो सकता है। टाइप-1 मधुमेह वाले लोगों को आमतौर पर इंसुलिन की आवश्यकता होती है।

टाइप-2 मधुमेह: टाइप-2 मधुमेह सबसे सामान्य प्रकार है। इसमें शरीर इंसुलिन का इस्तेमाल प्रभावी ढंग से नहीं कर पाता और समय के साथ इंसुलिन उत्पादन भी कम हो सकता है। अधिक वजन, पेट के आसपास जमा अतिरिक्त चर्बी, शारीरिक गतिविधि की कमी, असंतुलित भोजन, पारिवारिक इतिहास और बढ़ती उम्र इसके जोखिम को बढ़ा सकते हैं। हालांकि आज कम उम्र में भी टाइप-2 मधुमेह के मामले देखने को मिल रहे हैं।

गर्भावधि मधुमेह: गर्भावस्था के दौरान कुछ महिलाओं में रक्त शर्करा का स्तर बढ़ जाता है। इसे गर्भावधि मधुमेह कहा जाता है। यह अक्सर प्रसव के बाद सामान्य हो सकता है, लेकिन ऐसी महिलाओं में भविष्य में टाइप-2 मधुमेह का जोखिम बढ़ सकता है। इसलिए गर्भावस्था के दौरान डॉक्टर द्वारा सुझाई गई जांच को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए।

मधुमेह के लक्षणों को पहचानना जरूरी

मधुमेह कई बार धीरे-धीरे विकसित होता है और शुरुआती दौर में व्यक्ति को कोई स्पष्ट लक्षण महसूस नहीं होते। यही कारण है कि कुछ लोगों को मधुमेह का पता नियमित स्वास्थ्य जांच के दौरान चलता है।

> "अच्छी बात यह है कि समय पर जांच, संतुलित खान-पान, नियमित शारीरिक गतिविधि, पर्याप्त नींद और डॉक्टर की सलाह के अनुसार उपचार से मधुमेह को काफी हद तक नियंत्रित रखा जा सकता है।

डॉ. प्रशांत शारदा ने मधुमेह रोगियों को पेरिफेरल वैस्कुलर डिज़ीज़ (पी.ए.डी.) के प्रति किया जागरूक: भारत में, विशेष रूप से बुजुर्गों और मधुमेह (डायबिटीज) से पीड़ित लोगों के बीच पेरिफेरल आर्टेरियल डिजीज (पी.ए.डी.) के बढ़ते मामलों को देखते हुए, एसजीआर आरएमसी और एसएमआईएच, देहरादून के वैस्कुलर एंड इंटरवेंशनल रेडियोलॉजी के प्रोफेसर और विभागाध्यक्ष (एचओडी), डॉ. प्रशांत शारदा ने मरीजों, खासकर मधुमेह रोगियों से आग्रह किया है कि वे इसके लक्षणों के प्रति जागरूक रहें और समय पर इलाज कराएं।

पी.ए.डी. के जोखिमों और लक्षणों के बारे में विस्तार से बताते हुए, डॉ. प्रशांत शारदा कहते हैं- पी.ए.डी. परिधीय धमनियों (पेरीफेरल आर्टरीज़) का सिकुड़ना है, जिसके कारण पैरों में रक्त का प्रवाह कम हो जाता है। "पी.ए.डी. के बारे में जागरूकता न होने के कारण, अक्सर इलाज में देरी हो जाती है, जिससे जटिलताएं उत्पन्न हो सकती हैं। यह बेहद महत्वपूर्ण है कि मरीज इसके लक्षणों को शुरुआती स्तर पर पहचानें और समय पर जांच एवं उपचार कराएं। इसका सबसे सामान्य लक्षण 'क्लॉडिकेशन' है, जिसका मतलब है कि पैरों में बार-बार दर्द होना (आमतौर पर पिंडली या जांघ में) जो चलने पर बढ़ जाता है और कुछ देर आराम करने से कम हो जाता है। गंभीर मामलों में, रक्त की पर्याप्त आपूर्ति न होने के कारण गैंग्रीन या ऐसे घाव हो सकते हैं जो ठीक नहीं होते। आराम की स्थिति में होने वाला दर्द, गैंग्रीन या घावों की मौजूदगी को क्रिटिकल लिम्ब इस्कीमिया कहा जाता है, जो अंग खोने के उच्च जोखिम का संकेत है।"

पी.ए.डी. के इलाज के तरीकों के बारे में बताते हुए, डॉ. शारदा कहते हैं, "एक एडवांस्ड तकनीक मैकेनिकल थ्रोम्बेक्टॉमी है, जो खास तौर पर उन मामलों में काम आती है जहाँ खून का थक्का (थ्रोम्बस) आर्टरी को ब्लॉक कर रहा हो। इस मिनिमली इनवेसिव प्रोसीजर में खास कैथेटर-बेस्ड डिवाइस का इस्तेमाल होता है ताकि खून की नली से थक्के को फिजिकली हटाया जा सके, जिससे खून का बहाव तुरंत ठीक हो सके। मैकेनिकल थ्रोम्बेक्टॉमी खास तौर पर एक्यूट लिंब इस्किमिया मामलों में फायदेमंद है, जहाँ अंग को बचाने और परमानेंट टिशू डैमेज को रोकने के लिए तुरंत इलाज बहुत ज़रूरी है। इससे ओपन सर्जरी की ज़रूरत कम हो जाती है और समय पर करने पर मरीज़ के नतीजों में काफी सुधार हो सकता है।"

सिर्फ पेट भरने से पोषण की कमी दूर नहीं होगी

भोजन मनुष्य की सबसे बुनियादी जरूरत है लेकिन केवल भोजन मिल जाना स्वस्थ जीवन की गारंटी नहीं है। आज हमारे सामने पोषण की समस्या का स्वरूप पहले से कहीं अधिक जटिल है। एक ओर ऐसे बच्चे हैं जिन्हें पर्याप्त और पौष्टिक भोजन नहीं मिल पा रहा, दूसरी ओर ऐसे परिवार भी हैं जहां भोजन की कमी नहीं है लेकिन खाने की आदतें ऐसी हैं कि मोटापा, मधुमेह और जीवनशैली से जुड़ी अन्य बीमारियां बढ़ रही हैं। यानी समस्या केवल यह नहीं है कि कितना खाया जा रहा है, बल्कि यह भी है कि क्या खाया जा रहा है। राष्ट्रीय पोषण सप्ताह के बहाने हर साल पोषण पर चर्चा जरूर होती है, लेकिन असली सवाल यह है कि क्या पोषण हमारी रोजमर्रा की चिंता बन पाया है? अगर नहीं, तो क्यों? क्या केवल योजनाएं बनाकर और जागरूकता अभियान चलाकर इस समस्या से निपटा जा सकता है?

देश में बच्चों के पोषण की स्थिति बताती है कि अभी बहुत कुछ किया जाना बाकी है। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-6 के अनुसार पांच वर्ष से कम उम्र के 29.5 प्रतिशत बच्चे उम्र के हिसाब से कम लंबाई वाले हैं। 32.1 प्रतिशत बच्चे कम वजन के हैं और 19.3 प्रतिशत बच्चे दुबलेपन की समस्या से प्रभावित। छह से 59 महीने की उम्र के 67.1 प्रतिशत बच्चों में एनीमिया पाया गया। महिलाओं में भी खून की कमी बड़ी समस्या बनी हुई है। 15 से 49 वर्ष की 57.2 प्रतिशत महिलाएं एनीमिया से प्रभावित हैं । आंकड़े बताते हैं कि समस्या केवल बच्चों तक सीमित नहीं है, बल्कि इसकी शुरुआत कई बार मां के स्वास्थ्य से ही हो जाती है। बच्चे को जन्म देने वाली मां अगर खुद पर्याप्त पोषण से वंचित है तो उसके बच्चे के स्वस्थ विकास की चुनौती स्वाभाविक रूप से बढ़ जाती है। इसलिए कुपोषण से लड़ाई बच्चे के जन्म के बाद शुरू करने के बजाय गर्भावस्था से ही शुरू करनी होगी। गर्भवती महिला को पर्याप्त भोजन, आयरन-फोलिक एसिड जैसी जरूरी सुविधाएं, नियमित स्वास्थ्य जांच और सही सलाह मिलना उतना ही जरूरी है जितना बच्चे को पौष्टिक आहार देना।

यह भी समझना होगा कि कुपोषण का कारण केवल गरीबी नहीं है। गरीबी निश्चित रूप से बड़ी वजह है, लेकिन कई ऐसे परिवार भी हैं जहां भोजन की कमी नहीं है, फिर भी बच्चों को संतुलित आहार नहीं मिल पाता। खाने में केवल पेट भरने वाले खाद्य पदार्थ अधिक होते हैं और दाल, हरी एवं रेशेदार सब्जियां, फल, दूध या दूसरे प्रोटीन वाले खाद्य पदार्थ कम। कई बार परिवार के पास विकल्प होते हुए भी सही जानकारी का अभाव भोजन को

संतुलित नहीं होने देता। बच्चों के शुरुआती वर्षों में इसका असर और गंभीर हो सकता है। छह महीने तक केवल मां का दूध और उसके बाद उम्र के अनुसार उचित ऊपरी आहार बच्चे के विकास के लिए महत्वपूर्ण है। लेकिन व्यवहार में हर बच्चे को समय पर और पर्याप्त विविध आहार नहीं मिल पाता। यहां केवल मां को जिम्मेदार ठहराना भी उचित नहीं है। परिवार की आर्थिक स्थिति, कामकाजी महिलाओं पर दबाव, पोषण की जानकारी और आसपास उपलब्ध स्वास्थ्य सेवाएं भी इसमें बड़ी भूमिका निभाती हैं।

सरकार ने इस दिशा में कई योजनाएं शुरू की हैं। आंगनवाड़ी केंद्रों के माध्यम से बच्चों, गर्भवती और धात्री महिलाओं तक पोषण सेवाएं पहुंचाने की व्यवस्था है। पोषण अभियान और पोषण ट्रैकर जैसे प्रयासों से निगरानी को भी बेहतर बनाने की कोशिश हुई है। लेकिन सवाल योजनाओं की संख्या का नहीं, उनके परिणाम का है। जिस बच्चे का वजन लगातार कम पाया जा रहा है, क्या उसके परिवार तक समय पर मदद पहुंचती है? जिस महिला में गंभीर एनीमिया है, क्या उसकी पहचान के बाद उपचार भी सुनिश्चित होता है? जिस आंगनवाड़ी केंद्र पर बच्चे दर्ज हैं, वहां उपलब्ध सेवाओं की गुणवत्ता की नियमित जांच होती है? तकनीक निगरानी को आसान बना सकती है लेकिन कुपोषण मोबाइल फोन में दर्ज आंकड़ों से खत्म नहीं होगा। इसके लिए जमीन पर काम करने वाली व्यवस्था मजबूत करनी होगी। आंगनवाड़ी कार्यकर्ता पर केवल आंकड़े जुटाने का बोझ बढ़ाने के बजाय उसे पर्याप्त संसाधन, प्रशिक्षण और सहयोग देना होगा। स्वास्थ्य विभाग और महिला एवं बाल विकास विभाग के बीच बेहतर तालमेल भी जरूरी है।

रोज एक जैसा भोजन पेट तो भर सकता है, लेकिन शरीर की हर जरूरत पूरी नहीं कर सकता।

पोषण की दूसरी चुनौती भी कम गंभीर नहीं है। देश में अधिक वजन और मोटापे की समस्या तेजी से बढ़ रही है। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण–6 के अनुसार, 15 से 49 वर्ष की 30.7 प्रतिशत महिलाएं और 27.3 प्रतिशत पुरुष अधिक वजन या मोटापे की श्रेणी में हैं। इसका मतलब साफ है कि भारत एक साथ दो तरह की पोषण संबंधी समस्याओं का सामना कर रहा है। कहीं भोजन की कमी है तो कहीं गलत भोजन की अधिकता। बाजार में आसानी से उपलब्ध अत्यधिक प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थ, अधिक चीनी और नमक वाले खाद्य पदार्थ, मीठे पेय और शारीरिक गतिविधि में कमी ने इस समस्या को बढ़ाया है। बच्चों के हाथ में पौष्टिक भोजन के बजाय लगातार पैकेट वाले खाद्य पदार्थ पहुंच रहे हैं। इसे केवल परिवार की गलती कहकर छोड़ देना भी सही नहीं होगा। खाद्य पदार्थों का प्रचार, स्कूलों के आसपास उपलब्ध विकल्प और बाजार की पहुंच भी बच्चों की खाने की आदतों को प्रभावित करती है। अच्छे पोषण का अर्थ महंगा भोजन नहीं है। दाल, चना, मोटे अनाज, हरी सब्जियां, मौसमी फल, मूंगफली और स्थानीय स्तर पर उपलब्ध दूसरे पौष्टिक खाद्य पदार्थ सामान्य परिवार की थाली का हिस्सा बन सकते हैं। जरूरत इस बात की है कि भोजन में विविधता हो और परिवार यह समझे कि रोज एक जैसा भोजन पेट तो भर सकता है, लेकिन शरीर की हर जरूरत पूरी नहीं कर सकता।

पोषण का सवाल इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि इसका असर केवल आज के स्वास्थ्य पर नहीं पड़ता। बचपन में पोषण की कमी से शारीरिक और मानसिक विकास प्रभावित हो सकता है। कमजोर स्वास्थ्य का असर आगे पढ़ाई, काम करने की क्षमता और जीवन की गुणवत्ता पर भी पड़ता है। इसलिए पोषण पर खर्च को केवल कल्याणकारी खर्च मानना सही नहीं होगा। यह देश की मानव क्षमता पर किया गया निवेश है। देश में अनाज की कमी अब पहले जैसी बात नहीं है। फिर भी अगर बच्चे कमजोर हैं, महिलाओं में खून की कमी बनी हुई है और दूसरी ओर मोटापा बढ़ रहा है तो साफ है कि समस्या केवल भोजन की उपलब्धता की नहीं है। हमारी थाली में क्या है, कितनी मात्रा में है और खाने का तरीका कैसा है, इन बातों पर भी ध्यान देना होगा। पोषण की चर्चा तभी सार्थक होगी जब इसका असर आंकड़ों से निकलकर हर घर की थाली में दिखाई दे। हर उम्र और हर वर्ग के लोगों के भोजन में जरूरी पोषक तत्वों का होना उतना ही जरूरी है, जितना भरपेट भोजन मिलना। पेट भरने और शरीर की जरूरत पूरी होने के बीच का यह फर्क जितनी जल्दी समझ में आ जाए, उतना ही अच्छा है।

● अमन सिंह गौर

भारत ने दक्षिण कोरिया को 4-1 से हराया

मोकी (चीन) (वार्ता)

शनिवार को यहां अपने शुरुआती मैच में दक्षिण कोरिया को 4-1 से हराकर महिला जूनियर एशिया कप में अपने खिताब की रक्षा की शानदार शुरुआत की। डिफेंडिंग चैंपियन, जिन्होंने महिला जूनियर एशिया कप के पिछले दो संस्करण जीते हैं, ने दक्षिण कोरिया के खिलाफ संयमित और दबदबे वाला खेल दिखाया। भारत के लिए सानिका चंद्रकांत माने, पूर्णिमा यादव, पूजा साहू और मधु सिदार ने गोल किए। भारत ने इरादे के साथ मुकाबले की शुरुआत की और पहले क्वार्टर में कई मौके बनाए। उनकी कोशिशों का फल 8वें मिनट में मिला जब सानिका चंद्रकांत माने ने गोल करके भारत को 1-0 की शुरुआती बढ़त दिलाई।

भारत ने कोरियाई डिफेंस पर दबाव बनाए रखा

भारतीय टीम ने दक्षिण कोरियाई डिफेंस पर दबाव बनाए रखा और पहले क्वार्टर में दो पेनल्टी कॉर्नर हासिल किए, जिसमें 14वें मिनट का एक पेनल्टी कॉर्नर भी शामिल था, लेकिन वे किसी भी मौके को गोल में नहीं बदल पाए। पहले क्वार्टर के अंत तक भारत ने अपनी बढ़त बनाए रखी। भारत ने दूसरे क्वार्टर की शुरुआत में भी अपना आक्रामक रुख जारी रखा और शुरुआती पांच मिनट के भीतर एक और पेनल्टी कॉर्नर हासिल किया। शुरुआती प्रयास के बाद उन्हें री-पीसी (दोबारा पेनल्टी कॉर्नर) मिला, लेकिन भारत गोल नहीं कर सका। दक्षिण कोरिया ने बढ़ते दबाव के साथ जवाब दिया और बराबरी का गोल करने की कोशिश में पांच मिनट के भीतर लगातार दो पेनल्टी कॉर्नर हासिल किए। हालांकि, भारतीय डिफेंस अडिग रहा और कोरियाई हमले को सफलतापूर्वक रोके रखा। इसके बाद भारत ने खेल पर फिर से नियंत्रण हासिल किया और दूसरे क्वार्टर के आखिरी पलों में एक और पेनल्टी कॉर्नर हासिल किया। इस बार, भारतीय टीम ने एक बेहतरीन रणनीति अपनाई, जिसमें पूर्णिमा यादव ने 30वें मिनट में गोल करके भारत की बढ़त को दोगुना कर दिया और टीम को 2-0 की बढ़त के साथ हाफ-टाइम ब्रेक में पहुंचाया।

पूजा ने गोल करके भारत की बढ़त को 3-0 कर दिया

दक्षिण कोरिया तीसरे क्वार्टर में नए इरादे के साथ उतरा और मुकाबले में वापसी करने की कोशिश की। हालांकि, भारत का डिफेंस दबाव में भी मजबूती से डटा रहा, जबकि भारतीय फॉरवर्ड्स ने जवाबी हमले में खतरा पैदा करना जारी रखा। तीसरे क्वार्टर के आखिरी पलों में भारत की लगातार कोशिशों का फल मिला, जब उन्हें एक और पेनल्टी कॉर्नर मिला और उन्होंने उसे सफलतापूर्वक गोल में बदल दिया। पूजा साहू ने गोल करके भारत की बढ़त को 3-0 कर दिया। तीन गोल की बढ़त के साथ, भारत ने आखिरी क्वार्टर में भी आक्रामक खेल जारी रखा और एक और गोल करने की कोशिश की।

कोरियाई डिफेंस ने भारत के हमले को बखूबी रोका- क्वार्टर के सातवें मिनट में उन्हें एक और पेनल्टी कॉर्नर मिला, लेकिन दक्षिण कोरियाई डिफेंस ने भारत के हमले को बखूबी रोका। कोरिया ने एक और पेनल्टी कॉर्नर को भी नाकाम कर दिया, जबकि भारत का खेल पर और मैदान के बड़े हिस्से पर कब्ज़ा बना रहा। आखिरकार 51वें मिनट में भारत के लगातार हमलों का नतीजा निकला और मधु सिदार ने गोल करके स्कोर 4-0 कर दिया।

कोरिया ने आखिरी सीटी बजने तक संघर्ष जारी रखा

दक्षिण कोरिया ने आखिरी सीटी बजने तक संघर्ष जारी रखा और खेल खत्म होने से सिर्फ़ चार मिनट पहले एक गोल किया। एक और पेनल्टी कॉर्नर के बाद, कोरिया ने एक खास चाल (वेरिएशन) अपनाई, जिससे 57वें मिनट में किल गैबिन ने गोल किया। हालांकि, भारत ने आखिरी पलों में अपनी पकड़ बनाए रखी और 4-1 से शानदार जीत हासिल करते हुए तीन अंकों के साथ अपने अभियान की शुरुआत की। भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम अब 6 सितंबर को महिला जूनियर एशिया कप चीन 2026 के अपने दूसरे मैच में मलेशिया का सामना करेगी।

नूरजहाँ जमानी ने आईटीटीएफ वर्ल्ड पैरा फ्यूचर लाह्टी 2026 में सिल्वर और ब्रॉन्ज़ मेडल जीते

अहमदाबाद (वार्ता)। भारत की नूरजहाँ नूरअली जमानी ने फ़िनलैंड में आयोजित इंटरनेशनल टेबल टेनिस फ़ेडरेशन (आईटीटीएफ) वर्ल्ड पैरा फ्यूचर लाह्टी 2026 में दो मेडल जीते। उन्होंने पजुलाह्टी ओलंपिक ट्रेनिंग सेंटर में क्लास 7 सिंगल्स में सिल्वर और क्लास 7 स्टैंडिंग डबल्स में ब्रॉन्ज़ मेडल हासिल किया। इस प्रदर्शन से नूरजहाँ की वर्ल्ड रैंकिंग में आठ स्थानों का सुधार हुआ और वह 27वें नंबर से 19वें नंबर पर पहुँच गईं। इससे अपनी कैटेगरी में भारत की नंबर 1 खिलाड़ी के तौर पर उनकी स्थिति और मज़बूत हुई। नूरजहाँ ने अपने सिंगल्स अभियान की शुरुआत जर्मनी की बिरगिट बॉमगार्टनर से 0-3 की हार के साथ की, लेकिन इसके बाद उन्होंने आइसलैंड की एग्नेस लोविसा जोहान्सडॉटिर को 3-0 से हराकर वापसी की। फिर उन्होंने मकाऊ की यू चोई होंग के ख़िलाफ़ कड़े मुक़ाबले में 3-2 से जीत हासिल की, जिसमें उन्होंने आख़िरी दो गेम 13-11, 13-11 से जीते। स्टैंडिंग डबल्स में, नूरजहाँ और उनके साथी शिवम पाल ने फ़िनलैंड के आरो टोइवो सामुली मकेला और आइसलैंड की एग्नेस लोविसा जोहान्सडॉटिर के ख़िलाफ़ 3-0 से जीत के साथ शुरुआत की। इसके बाद उनका सामना पोलैंड की दो जोड़ियों से हुआ और दोनों ही मैच उनके विरोधियों के पक्ष में रहे, लेकिन भारतीय जोड़ी ने ब्रॉन्ज़ मेडल हासिल कर लिया।

अल्काराज़ चौथे दौर में, टॉमी पॉल के साथ होगा अगला मुकाबला

न्यूयॉर्क,(वार्ता) शुक्रवार दोपहर यूएस ओपन में, ज़ोरदार शॉट लगाने वाले प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ कार्लोस अल्काराज़ के लिए मुकाबला आसान नहीं था। फिर भी, डिफेंडिंग चैंपियन ने निडर और जोखिम भरे खेल वाले वू यिबिंग के दबाव का डटकर सामना किया और आखिरकार 6-3, 6-4, 6-1 से शानदार जीत हासिल कर हार्ड-कोर्ट मेजर टूर्नामेंट के चौथे दौर में जगह बनाई। दाहिनी कलाई की चोट के कारण अप्रैल के बाद अपने पहले टूर्नामेंट में खेल रहे अल्काराज़ अब ग्रैंड स्लैम स्तर पर लगातार 17 मैच जीतने के अपने सर्वश्रेष्ठ रिकॉर्ड पर हैं। अल्काराज़ ने कहा,मुझे लगता है कि आज खेल की गति बहुत तेज़ थी। उनके खेलने का तरीका अविश्वसनीय है, हर शॉट पर उनकी लय ज़बरदस्त है- चाहे फोरहैंड हो या बैकहैंड। उनकी गेंदें कोर्ट पर तेज़ी से फिसलती हैं और मेरे लिए कभी-कभी उन्हें नियंत्रित करना वाकई मुश्किल होता है। लेकिन मुझे लगता है कि मैं डटा रहा। मैंने आक्रामक खेल दिखाया और सबसे मुश्किल पलों में समझदारी से खेला। अल्काराज़ ने शुरुआती दोनों सेटों में ब्रेक की बढ़त गंवा दी; इन सेटों में दोनों खिलाड़ियों ने ज़बरदस्त फोरहैंड शॉट लगाए, खासकर वू ने अपने पसंदीदा विंग से आक्रामक शॉट खेले। हालांकि वे अपने सर्वश्रेष्ठ फ़ॉर्म में नहीं थे, फिर भी 23 वर्षीय अल्काराज़ ने रिटर्न गेम में दबाव बनाए रखा और ज़रूरत पड़ने पर अपना खेल और बेहतर किया। कभी-कभी हताशा भरी नज़र से अपने बॉक्स की ओर देखने के बावजूद, उन्होंने दो सेट की मज़बूत बढ़त बना ली। एटीपी रैंकिंग में 113वें नंबर के खिलाड़ी वू, कई चोटों से जूझने के कारण पिछले साल जून तक दुनिया के टॉप 400 खिलाड़ियों में भी शामिल नहीं थे। लेकिन 26 वर्षीय खिलाड़ी, जो 2023 में इतिहास के पहले चीनी एटीपी टाइटल विजेता बने थे, ने आसानी से हार नहीं मानी। तीसरे सेट के शुरुआती गेम में, वू ने लगातार दो ब्रेक पॉइंट के मौके बनाए, लेकिन अल्काराज़ डटे रहे और दोनों मौकों को बचाकर मोमेंटम वापस हासिल किया और चौथे राउंड की ओर तेज़ी से बढ़े। दुनिया के नंबर 3 खिलाड़ी, जो इस साल रौलां गैरो और विंबलडन में नहीं खेल पाए थे, ने अब मेजर टूर्नामेंट्स में अपने पिछले 17 मैच जीते हैं।

खिताबी हैट्रिक की तलाश में लगी सबालेंका चौथे दौर में

न्यूयॉर्क (वार्ता)

दुनिया की नंबर 1 खिलाड़ी और चार बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन सबालेंका ने कामिला राखिमोवा को 6-3, 6-4 से हराकर यूएस ओपन के चौथे राउंड में जगह बना ली है। इस जीत के साथ न्यूयॉर्क में उनकी लगातार जीत का सिलसिला 16 मैचों तक पहुँच गया है और वह क्वींस में लगातार तीसरा खिताब जीतने की कोशिश कर रही हैं। लेकिन जब उनसे अपने करियर की शुरुआत की खिलाड़ी के तौर पर पीछे मुड़कर देखने के लिए कहा गया, तो सबालेंका ने अपनी कामयाबी को तय नहीं माना। उन्होंने कहा, यह एक लंबा सफ़र रहा है। मुझे अपने खेल में कई चीज़ें बदलने और नई चीज़ें जोड़ने के लिए बहुत मेहनत करनी पड़ी, ताकि मैं सबसे ऊँचे लेवल पर मुकाबला कर सकूँ। सबालेंका की ताकत तो हमेशा से दिखती रही है। उन्होंने कहा कि असली मेहनत उस ताकत को बनाए रखने के लिए ज़रूरी दूसरी चीज़ों को विकसित करने में लगी- जैसे सही फ़ैसले लेना, शांत रहना और खेल के सबसे बड़े टूर्नामेंट में आगे तक खेलने की ज़रूरतों के हिसाब से तैयार रहना। सबालेंका को यूएस ओपन में आखिरी हार 2023 के फ़ाइनल में मिली थी, जब कोको गॉफ़ ने उन्हें तीन सेट में हराया था। तब से, सबालेंका ने क्वींस में लगातार खिताब जीते हैं; उन्होंने 2024 के फ़ाइनल में जेसिका पेगुला को और पिछले साल अमांडा अनिसिमोवा को हराया था। शुक्रवार की जीत के साथ सबालेंका लगातार 16 यूएस ओपन मैच जीतने वाली पहली खिलाड़ी बन गईं। उनसे पहले सेरेना विलियम्स ने 2012 से 2015 के बीच लगातार 26 मैच जीते थे। 2018 में यूएस ओपन में अपने मेन-ड्रॉ डेब्यू के बाद से, सबालेंका ने इस टूर्नामेंट में किसी भी अन्य खिलाड़ी की तुलना में सबसे ज़्यादा सिंगल्स मेन-ड्रॉ मैच जीते हैं। अब उनकी कुल जीत की संख्या 37 हो गई है। राखिमोवा पर मिली जीत ने सबालेंका के न्यूयॉर्क और ग्रैंड स्लैम रिकॉर्ड में कुछ और उपलब्धियां भी जोड़ दी हैं सबालेंका अब लगातार 16 ग्रैंड स्लैम इवेंट्स में चौथे राउंड तक पहुंची हैं।

एलआईसी को आईसीआईसीआई बैंक में हिस्सेदारी बढ़ाने के लिए मिली आरबीआई की मंजूरी

मुंबई (वार्ता)। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने सार्वजनिक क्षेत्र की जीवन बीमा कंपनी भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) को निजी क्षेत्र के आईसीआईसीआई बैंक में हिस्सेदारी बढ़ाकर 9.99 प्रतिशत करने की अनुमति प्रदान कर दी है। आईसीआईसीआई बैंक ने शनिवार को शेयर बाजार को बताया कि उसे 04 सितंबर की रात आरबीआई से एलआईसी के नाम जारी पत्र की प्रति प्राप्त हुई है। इसमें बताया गया है कि केंद्रीय बैंक ने एलआईसी के आवेदन पर विचार के बाद उसे एक साल के भीतर बैंक में अपनी कुल हिस्सेदारी 9.99 प्रतिशत तक करने की अनुमति दे दी है। एक साल के भीतर ऐसा न कर पाने की स्थिति में यह अनुमति अपने-आप रद्द मानी जायेगी। यह अनुमति कतिपय नियामकीय अर्हताओं को पूरा करने की शर्त के साथ प्रदान की गयी है। उल्लेखनीय है कि 30 जून की शेयरधारिता के अनुसार, आईसीआईसीआई बैंक में एलआईसी की हिस्सेदारी 4.35 प्रतिशत है।

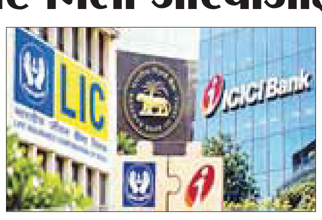

चीन ने कड़े संघर्ष में भारत को हराया

किताक्यूशू (जापान) (वार्ता)। चीन ने शनिवार को यहां पूल बी में भारत के खिलाफ सीधे सेटों में जीत के साथ एशियाई पुरुष वॉलीबॉल चैंपियनशिप में अपने अभियान की शुरुआत की। उन्होंने 25-21, 28-26, 27-25 से जीत हासिल की। तीन बार की कॉन्टिनेंटल चैंपियन टीम ने पहला सेट तो आसानी से जीत लिया, लेकिन अगले दो सेटों में उन्हें कड़ी टक्कर मिली। भारत ने दूसरे सेट को तय समय से आगे तक खींचा, लेकिन आखिर में चीन ने इसे 28-26 से अपने नाम किया। तीसरा सेट भी कुछ ऐसा ही रहा; एक और कड़े मुकाबले में चीन ने संयम बनाए रखते हुए मैच जीत लिया। चीन के मुख्य कोच विटाल हेनेन ने कहा कि उन्होंने मैच से पहले तय किया गया लक्ष्य हासिल कर लिया है, लेकिन साथ ही यह भी कहा कि उनके खिलाड़ी दूसरे और तीसरे सेट के आखिर तक अपना शानदार प्रदर्शन बनाए रखने में नाकाम रहे और अभी भी सुधार की गुंजाइश है। इस जीत से चीन को तीन अंक मिले और वे पूल बी में ईरान के बाद दूसरे स्थान पर आ गए (अंक अनुपात के आधार पर), जबकि हर टीम एक-एक मैच खेल चुकी थी।

टीसीएस हैदराबाद में शुरू करेगी एक गीगावाट का डेटा सेंटर

हैदराबाद (वार्ता)

टाटा समूह की सूचना प्रौद्योगिकी कंपनी टीसीएस हैदराबाद में 264 एकड़ में एक गीगावाट का डेटा सेंटर स्थापित करेगी। कंपनी ने शनिवार को एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि वह अपनी सहायक कंपनी हाइपरवॉल्ट एआई डेटा सेंटर लिमिटेड के जरिये यह डेटा सेंटर शुरू करेगी। इसके लिए उसने जमीन अधिग्रहण का काम पूरा कर लिया है। टीसीएस हाइपरवॉल्ट को चरणबद्ध तरीके से विकसित कर रही है। वह हाइपरस्केलर्स, एआई कंपनियों और वैश्विक कंपनियों के लिए सुरक्षित, विस्तार के विकल्प के साथ और एआई-रेडी डेटा सेंटर अवसंरचना तैयार कर रही है। हाइपरवॉल्ट के डेटा सेंटर विशेष रूप से एआई वर्कलोड के लिए बनाये जा रहे हैं। इनमें लिक्विड कूलिंग, डायरेक्ट टू चिप कूलिंग, हाई रैक डेनसिटी, हरित ऊर्जा और विश्वसनीयता को जोड़ने वाला एनर्जी मॉडल तथा मजबूत नेटवर्क कनेक्टिविटी जैसी सुविधाएं होंगी। कंपनी और उसके साझेदार इस अवसंरचना के निर्माण और प्रबंधन के लिए 70,000 करोड़ रुपये तक निवेश करने की उम्मीद कर रहे हैं। टीसीएस ने बताया कि हैदराबाद का यह एआई डेटा सेंटर कैम्पस विशेष रूप से फ्रंटियर एआई कंपनियों और हाइपरस्केलर्स की जरूरतों को पूरा करने के लिए बनाया जायेगा। इसमें एआई प्रशिक्षण, इंफ्रेंस और आधुनिक कंप्यूटिंग वर्कलोड्स के लिए हाई-डेंसिटी जीपीयू लगाने की सुविधा होगी। पूरी तरह विकसित होने के बाद इस परिसर के देश के सबसे उन्नत और सबसे बड़े एआई अवसंरचना परिसरों में शामिल होने की उम्मीद है। परिसर के निर्माण में हरित ऊर्जा और जल-निरपेक्ष डिजाइन के सिद्धांतों का भी इस्तेमाल किया जायेगा। तेलंगाना के माननीय मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने हाइपरवॉल्ट के अधिकारियों के साथ बैठक के दौरान इस परियोजना को न केवल तेलंगाना बल्कि पूरे देश के लिए ऐतिहासिक बताया। उन्होंने कहा कि यह स्थापित करता है कि हैदराबाद अब मजबूत अवसंरचना के साथ वैश्विक एआई क्रांति में सबसे आगे है। तेलंगाना के आई एवं उद्योग मंत्री डी. श्रीधर बाबू ने बताया कि इस समझौते की शुरुआत इस साल जनवरी में दावोस में श्री रेड्डी और टाटा संस के चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन के बीच हुई बातचीत से हुई थी।

अडानी डिफेन्स ने एके-203 राइफल के गोली-बारूद की आपूर्ति के लिए किया समझौता

नयी दिल्ली (वार्ता)

अडानी डिफेन्स एंड एयरोस्पेस ने इंडो-रशियन राइफल्स प्राइवेट लि (आईआरआरपीएल) के साथ गोली-बारूद की आपूर्ति के लिए पांच वर्षीय समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। आईआरआरपीएल भारत-रूस संयुक्त उपक्रम है, जो भारत में एके-203 असॉल्ट राइफलों का निर्माण करता है।अडानी डिफेन्स एंड एयरोस्पेस इन राइफलों के लिए 7.62गुना 39 मिमी छोटे-कैलिबर के गोली-बारूद का विनिर्माण एवं आपूर्ति करेगी। कंपनी ने भारत में स्मॉल-कैलिबर गोला-बारूद के निर्माण की क्षमताएं स्थापित की हैं, जिसमें कानपुर स्थित एक फैक्ट्री भी शामिल है जहां छोटे-कैलिबर के गोले-बारूद बनाए जाते हैं। कंपनी ने कहा है कि यह समझौता छोटे हथियारों की पूरी आपूर्ति श्रृंखला में घरेलू क्षमताओं को और मजबूत करने वाला है तथा इससे रक्षा विनिर्माण के क्षेत्र में आत्मनिर्भर-भारत के प्रयासों में मदद मिलेगी। आईआरआरपीएल की स्थापना वर्ष 2019 में भारत-रूस अंतर-सरकारी समझौते के तहत भारतीय सशस्त्र बलों के लिए एके-203 असॉल्ट राइफलों के स्वदेशी निर्माण के उद्देश्य से की गई थी। इसका कारखाना उत्तर प्रदेश में अमेठी जिले के कोरवा में है। इस संयुक्त उपक्रम में भारतीय कंपनी एडवांस्ड वेपन्स एंड इक्विपमेंट इंडिया लिमिटेड और म्यूनिशंस इंडिया लिमिटेड तथा रूसी कंपनी कंसर्न कलाश्निकोव और रोसोबोरोनएक्सपोर्ट हिस्सेदार हैं। दिसंबर 2021 में इस कंपनी के साथ कुल 614100 से कुछ अधिक संख्या में एके-203 रायफलों की आपूर्ति के लिए अनुबंध पर हस्ताक्षर किए गए थे।

एसबीआई और बिस्लेरी के बीच जिम्मेदार प्लास्टिक कचरा प्रबंधन को बढ़ावा देने के लिए साझेदारी

मुंबई (वार्ता)

सार्वजनिक क्षेत्र के सबसे बड़े ऋणदाता भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने अपनी शाखाओं और कार्यालयों में जिम्मेदार कचरा प्रबंधन को बढ़ावा देने के लिए बिस्लेरी इंटनेशनल के साथ साझेदारी की है। इस सहयोग के तहत बिस्लेरी एसबीआई के कर्मचारियों और सफाई कर्मचारियों के लिए जिम्मेदार प्लास्टिक कचरा प्रबंधन पर प्रशिक्षण और जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करेगी। साथ ही वह बैंक के कार्यालयों से इस्तेमाल किये गये प्लास्टिक कचरे को इकट्ठा करके उसे रीसाइक्लिंग के लिए भेजने का काम भी करेगी। एसबीआई और बिस्लेरी ने शनिवार को एक लेटर ऑफ एसोसिएशन (सहयोग समझौता) पर हस्ताक्षर किये। बिस्लेरी ने बॉटल्स फॉर चेंज नाम से एक पहल शुरू की है। इसके जरिये वह संस्थानों, हाउसिंग सोसायटियों, कंपनियों और समाज को जिम्मेदार प्लास्टिक कचरा प्रबंधन के बारे में जागरूक करती है। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के प्रबंध निदेशक (रिस्क, कंप्लायंस और एसएजीआर) रवि रंजन ने कहा, बिस्लेरी के साथ बॉटल्स फॉर चेंज पहल के तहत हमारा सहयोग हमारे रोजमर्रा की कार्यस्थल संस्कृति में पर्यावरण अनुकूल तौर-तरीकों को शामिल करने की दिशा में एक कदम है। हमारा मानना है कि जब कर्मचारी जिम्मेदार फैसले लेने के लिए सशक्त होते हैं, तो यह जागरूकता हमारे कार्यालयों से आगे बढ़कर उन समाज तक भी पहुंचती है जिनकी हम सेवा करते हैं और जिनका हम हिस्सा हैं। बिस्लेरी इंटरनेशनल के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एंजेलो जॉर्ज ने कहा, जिम्मेदार प्लास्टिक कचरा प्रबंधन की शुरुआत जागरूकता और सामूहिक पहल से होती है। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के साथ हमारी साझेदारी देश के सबसे बड़े संस्थानों में से एक की पहुंच और बॉटल्स फॉर चेंज के जरिये बिस्लेरी के अनुभव को एक मंच पर लाती है, ताकि इस्तेमाल किये गये प्लास्टिक को जिम्मेदारी से अलग करने, इकट्ठा करने और रीसाइकिल करने के लिए प्रोत्साहित किया जा सके।

चीनी, अधिकतर दालों में नरमी, चावल मजबूत

नयी दिल्ली (वार्ता)

घरेलू थोक जिंस बाजारों में शनिवार को चीनी में नरमी रही। चीनी के साथ ज्यादातर दालों के दाम भी गिर गये। चावल में मजबूती देखी गयी जबकि गेहूं की कीमत पिछले कारोबारी दिवस के स्तर पर ही पड़ी रही। खाद्य तेलों में उतार-चढ़ाव का रुख रहा। मीठे के थोक बाजार में चीनी की औसत कीमत 53 रुपये गिरकर 5,687 रुपये प्रति क्विंटल रह गयी। गुड़ भी 96 रुपये की गिरावट में 6,005 रुपये प्रति क्विंटल बोला गया। खुदरा बाजार में चीनी की औसत कीमत 41 पैसे घटकर 61.52 रुपये प्रति किलोग्राम रह गयी। औसत दर्जे के चावल की औसत कीमत 46 रुपये बढ़कर 4,121 रुपये प्रति क्विंटल पर पहुंच गयी। गेहूं 2,865 रुपये प्रति क्विंटल के पिछले कारोबारी दिवस के स्तर पर ही रहा। आटे का भाव सात रुपये टूट गया। दाल-दलहनों में तुअर दाल की औसत कीमत 53 रुपये और उड़द दाल की 33 रुपये प्रति क्विंटल गिर गयी। मूंग दाल 31 रुपये और मसूर दाल 29 रुपये प्रति क्विंटल सस्ती हुई। वहीं, चना दाल पांच रुपये प्रति क्विंटल मजबूत हुई। खाद्य तेलों में आज मूंगफली तेल की औसत कीमत 319 रुपये प्रति क्विंटल लुढ़क गयी। वनस्पति 43 रुपये और पाम ऑयल 37 रुपये सस्ता हुआ। सूरजमुखी तेल की कीमत गत दिवस के स्तर पर ही पड़ी रही। सरसों तेल 80 रुपये और सोया तेल 11 रुपये प्रति क्विंटल महंगा हुआ।दाल चना 7989.34 रुपये, मसूर काली 8150.62 रुपये, मूंग दाल 10187.54 रुपये, उड़द दाल 11334.24 रुपये, तुअर दाल 11411.51 रुपये प्रति क्विंटल रही। अनाज (भाव प्रति क्विंटल) गेहूं दड़ा 2865.33 रुपये और चावल 4120.98 रुपये प्रति क्विंटल और आटा (गेहूं) 3337.33 रुपये प्रति क्विंटल रहा। चीनी एस 5686.72 रुपये और गुड़ 6004.81 रुपये प्रति क्विंटल बोले गये। सरसों तेल 19132.15 रुपये, मूंगफली तेल 19616.74 रुपये, सूरजमुखी तेल 18373.29 रुपये, सोया तेल 15582.36 रुपये, पाम ऑयल 14290.09 रुपये और वनस्पति 15676.72 रुपये प्रति क्विंटल के स्तर पर रहा।

करोड़ों के काम और निवेश का झांसा देकर कारोबारी को बनाया बंधक

चाकू अड़ाकर लूटे मोबाइल, टैबलेट व चेकबुक, दो गिरफ्तार

भोपाल (नगर संवाददाता)

भोपाल। राजधानी के कटारा हिल्स थाना क्षेत्र में कंपनी में निवेश और करोड़ों रुपये का काम दिलाने का झांसा देकर एक कारोबारी का अपहरण कर उसे फ्लैट में बंधक बनाने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। आरोपियों ने कारोबारी को चाकू अड़ाकर जान से मारने की धमकी दी और उसके मोबाइल, टैबलेट व बैंक चेकबुक छीन लिए। पुलिस ने मामला दर्ज कर दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।

WhatsApp कॉल से शुरू हुआ संपर्क

सेमिनिया गोंड (भदभदा रोड) निवासी 47 वर्षीय यशवंत लोधी ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि करीब 15 दिन पहले उनके पास दीपक नाम के व्यक्ति का WhatsApp कॉल आया था। उसने खुद को कारोबारी बताते हुए यशवंत की कंपनी एरोसन सोलर एंड वाटर पंप कॉन्ट्रैक्ट प्राइवेट लिमिटेड में निवेश करने की इच्छा जताई। इसके बाद यशवंत को एमपी नगर बुलाया गया, जहाँ दीपक के साथ हरीश दुबे नाम का व्यक्ति भी मौजूद था। दोनों ने दावा किया कि उनके पास बड़ी साइट्स का काम दिलाने वाली टीम है, लेकिन करंट अकाउंट नहीं है। उन्होंने कुल मुनाफे का 3 प्रतिशत देने का भरोसा दिलाकर साथ काम करने का प्रस्ताव रखा।

विदिशा ले जाकर ली नेट बैंकिंग आईडी-पासवर्ड : अगले दिन दीपक और हरीश, यशवंत को विदिशा ले गए और रेलवे स्टेशन के पास एक होटल में रुके। वहाँ उन्होंने काम शुरू करने के बहाने यशवंत से उनकी इंटरनेट बैंकिंग की ID और पासवर्ड हासिल कर लिए। इसके बाद वे यशवंत को भोपाल वापस ले आए।

फ्लैट में बंधक बनाकर चाकू की नोक पर की लूट : 31 अगस्त की रात करीब 2 बजे दीपक (उर्फ रोहन बिष्ट) और हरीश दुबे, यशवंत को कटारा हिल्स स्थित एक मल्टी की पांचवीं मंजिल के फ्लैट नंबर 509 में ले गए। वहाँ पहले से रोनित राज और हर्ष मेहरा मौजूद थे। चारों ने यशवंत को कमरे में बंद कर दिया। आरोप है कि हर्ष ने यशवंत के हाथ पकड़े, रोनित ने गर्दन पर चाकू लगाया और दीपक ने पेट पर चाकू अड़ा दिया। इसके बाद हरीश ने यशवंत से दो मोबाइल (Apple और Samsung), एक Samsung टैबलेट और सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया की चेकबुक छीन ली। आरोपियों ने काम में दखल देने या पुलिस में जाने पर जान से मारने की धमकी दी।

पुलिस कार्रवाई और जांच जारी : कटारा हिल्स थाना पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर आरोपी हर्ष मेहरा, रोनित राज, दीपक उर्फ रोहन बिष्ट और हरीश दुबे के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (BNS) की विभिन्न धाराओं और आयुध अधिनियम की धारा 25 के तहत आपराधिक षड्यंत्र, अपहरण, बंधक बनाने और डकैती/रंगदारी का मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए हर्ष मेहरा और रोनित राज को गिरफ्तार कर लिया है। फिलहाल पुलिस आरोपियों के मोबाइल नंबरों, बैंकिंग लेन-देन और घटनास्थल के साक्ष्यों की गहनता से जांच कर रही है।

निशातपुरा क्षेत्र में भीषण सड़क हादसा केमिकल फैक्ट्री सुपरवाइजर की मौत

भोपाल (नगर संवाददाता)

भोपाल। निशातपुरा थाना क्षेत्र स्थित शिवानी होम्स निवासी 53 वर्षीय कुलदीप सक्सेना की शनिवार को एक दर्दनाक सड़क हादसे में मौत हो गई।

वह दीवानगंज स्थित एक केमिकल फैक्ट्री में सुपरवाइजर के पद पर पदस्थ थे। घटना शनिवार सुबह करीब 9 बजे की है। कुलदीप सक्सेना अपनी एक्टिवा से रूटीन चेकअप कराने भानपुर स्थित एक निजी अस्पताल जा रहे थे। इसी दौरान डी मार्ट और पीपुल्स अस्पताल के बीच पीछे से आ रहे एक तेज रफ्तार ट्रक ने उनकी एक्टिवा को जोरदार टक्कर मार दी।

हादसे में कुलदीप गंभीर रूप से घायल हो गए। मौके पर मौजूद राहगीरों की मदद से उन्हें तुरंत नजदीकी अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों के प्रयासों के बावजूद इलाज के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया। दुर्घटना के बाद आरोपी ट्रक चालक वाहन सहित मौके से फरार हो गया।

कॉलेज से सीधे पोस्टमार्टम रूम पहुंची इकलौती बेटी : कुलदीप की मौत की खबर मिलते ही परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। घटना के समय उनकी इकलौती बेटी कॉलेज में थी। पिता के गंभीर रूप से घायल होने और बाद में दम तोड़ने की सूचना मिलते ही वह कॉलेज से सीधे अस्पताल के पोस्टमार्टम रूम पहुंची। दोपहर में पोस्टमार्टम की प्रक्रिया पूरी होने के बाद पुलिस ने शव परिजनों को सौंप दिया। निशातपुरा थाना पुलिस ने मामले में मर्ग कायम कर लिया है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है ताकि दुर्घटनाकारित ट्रक और फरार चालक की पहचान कर उसे जल्द से जल्द गिरफ्तार किया जा सके।

शिक्षकों का किया सम्मान

भोपाल नगर संवाददाता। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष व विधायक हेमंत खण्डेलवाल ने शनिवार को बैतूल के माइंड्स आई इंटरनेशनल स्कूल में अग्रसेन महाराज ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस द्वारा आयोजित शिक्षक सम्मान समारोह में केंद्रीय मंत्री दुर्गादास उइके के साथ सहभागिता कर सेवानिवृत्त शिक्षकों का सम्मान किया एवं उपस्थित जन से संवाद किया। इस अवसर पर भाजपा जिला अध्यक्ष सुधाकर पवार, डॉ. श्रीकांत दीक्षित, अनिल राठौर, ओ.पी. राठौर सहित अन्य गणमान्यजन उपस्थित रहे।

डॉ. यादव आज से 9 सितंबर तक दुबई प्रवास पर

भोपाल नगर संवाददाता। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 6 से 9 सितंबर 2026 तक दुबई में इन्वेस्ट मध्यप्रदेश-दुबई 2026 के तहत संयुक्त अरब अमीरात के प्रमुख निवेशकों, उद्योग समूहों और वैश्विक कारोबारी नेतृत्व के साथ मध्यप्रदेश में निवेश की संभावनाओं पर सीधा संवाद करेंगे। दुबई में मुख्यमंत्री डॉ. यादव की भागीदारी का एक महत्वपूर्ण पक्ष एआईएम कांग्रेस-2026 में सहभागिता का भी रहेगा। इसके माध्यम से मध्यप्रदेश को अंतर्राष्ट्रीय उद्योग समुदाय के सामने अपनी औद्योगिक और पर्यटन क्षमताओं को प्रस्तुत करने का अवसर मिलेगा।

किसानों की सेवा का त्योहार है बलराम कृषि महोत्सव : मुख्यमंत्री

भोपाल नगर संवाददाता। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि भिंड की धरती जय जवान-जय किसान का सबसे अच्छा और सार्थक उदाहरण है। कभी डकैतों की समस्या से जूझने वाले इस क्षेत्र की पहचान आज उद्योग, रोजगार और कृषि से हो रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि बलराम कृषि महोत्सव अन्नदाता किसानों की सेवा और इनके प्रति आभार व्यक्त करने का त्यौहार है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शनिवार को भिंड जिले में हुए बलराम कृषि महोत्सव को मुख्यमंत्री निवास से वीडियो कान्फ्रेंसिंग से संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कार्यक्रम में मौजूद किसानों से कहा कि कृषि क्षेत्र आने वाले समय में प्रदेश की अर्थव्यवस्था का मजबूत स्तंभ और सबकी समृद्धि की सबसे बड़ी गारंटी बनने जा रहा है। कृषि, पशुपालन और मछली पालन में भिंड तेजी से प्रगति कर रहा है। मुरैना-भिंड में प्रदेश की 50 प्रतिशत से ज्यादा सरसों की पैदावार होती है। मुख्यमंत्री ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि भिंड जिले के किसान अब प्राकृतिक खेती में भी रुचि ले रहे हैं। यहां 3 हजार से अधिक किसानों ने 1250 हेक्टेयर रकबे में प्राकृतिक खेती की है।

शिक्षक अज्ञानता के अंधकार से निकाल ज्ञान के प्रकाश में ले जाते हैं : सूर्यवंशी

भोपाल (नगर संवाददाता)

भोपाल। शिक्षक दिवस के शुभ अवसर पर पंडित खुशीलाल शर्मा सभागार में भव्य शिक्षक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में नगर निगम भोपाल के अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की और उत्कृष्ट कार्य करने वाले शिक्षकों को सम्मानित किया।

समारोह को संबोधित करते हुए नगर निगम अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी ने भारत के पूर्व राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन को नमन किया। उन्होंने कहा कि अज्ञानी से ज्ञानवान शिक्षक ही बनाता है। प्रत्येक मनुष्य के जीवन में शिक्षकों का योगदान अमूल्य है और वही हमें अज्ञानता के अंधकार से निकालकर ज्ञान के प्रकाश की ओर ले जाते हैं। कार्यक्रम के दौरान नगर निगम अध्यक्ष द्वारा उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले शिक्षकों के साथ-साथ प्रतिभावान (टॉपर) छात्र-छात्राओं को भी सम्मानित कर उनका उत्साहवर्धन किया गया। इस अवसर पर समाज कल्याण बोर्ड की पूर्व अध्यक्षा उषा चतुर्वेदी, संस्था के संचालक देवेंद्र सिंह सहित बड़ी संख्या में शिक्षक, विद्यार्थी और गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

बाघों के शिकार और अंगों की अंतर्राष्ट्रीय तस्करी का कुख्यात आरोपी शेरू पारधी गिरफ्तार

भोपाल। मध्यप्रदेश में वन्यजीव अपराधों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत स्टेट टाइगर स्ट्राइक फोर्स (एमपीएसटीएसएफ) को बड़ी सफलता मिली है। एमपीएसटीएसएफ ने बाघों के शिकार और उनके अंगों की अंतर्राष्ट्रीय तस्करी में संलिप्त कटनी जिले के निवासी कुख्यात शिकारी शेरू पारधी उर्फ शेरू सिंह, को शहडोल जिले के ब्यौहारी से गिरफ्तार कर लिया। आरोपी करीब 1.5 वर्ष से फरार था और विभिन्न राज्यों की एजेंसियां उसकी तलाश कर रही थीं। इस मामले में अब तक मध्यप्रदेश सहित 5 राज्यों से कुल 8 आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी है। एमपीएसटीएसएफ की क्षेत्रीय इकाई, जबलपुर द्वारा मामले की विवेचना की जा रही है। कुछ आरोपियों के पकड़े जाने के बाद विवेचना में सामने आया कि इस मामले में एक संगठित गिरोह सक्रिय था।

अम्बेडकर सेतु की मरम्मत का पूरा खर्च ठेकेदार से वसूलेगा पीडब्ल्यूडी

लापरवाही पर 20 फीसदी पेनल्टी, ब्लैकलिस्ट करने की तैयारी

भोपाल (नगर संवाददाता)

भोपाल। राजधानी भोपाल के गणेश मंदिर से गायत्री मंदिर तक बने अम्बेडकर सेतु (फ्लाईओवर) के निर्माण में गुणवत्ता से खिलवाड़ और मरम्मत में लापरवाही पर लोक निर्माण विभाग (PWD) ने कड़ा रुख अपनाया है। विभाग ने स्पष्ट किया है कि निर्माण कार्यों की गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं किया जाएगा और अम्बेडकर सेतु की मरम्मत का संपूर्ण व्यय संबंधित ठेकेदार संस्था मेसर्स वी.के. एस.सी. इंफ्राप्रोजेक्ट्स लिमिटेड से ही वसूला जाएगा। इसके साथ ही, मरम्मत की वास्तविक लागत पर ठेकेदार से 20 प्रतिशत अतिरिक्त क्षतिपूर्ति (पेनाल्टी) राशि भी ली जाएगी। इस कार्य के लिए विभाग द्वारा कोई अलग से बजट आवंटित नहीं किया जाएगा और PWD के पास जमा ठेकेदार की बैंक गारंटी से ही संपूर्ण राशि समायोजित की जाएगी।

31 दिसंबर 2024 को बनकर तैयार हुए इस फ्लाईओवर की दोष दायित्व अवधि (DLP) 30 दिसंबर 2029 तक तय है, जिसके तहत इस दौरान सामने आने वाली सभी कमियों को दूर करने की जिम्मेदारी ठेकेदार संस्था की ही है। बारिश के मौसम में सेतु के बियरिंग कोट में खराबी, एक्सपेंशन जॉइंट से पानी का रिसाव, ड्रेनेज पाइप चोक होने और नीचे सर्विस रोड पर जलभराव व गड्ढे जैसी समस्याएं सामने आई थीं। बार-बार निर्देश देने के बाद भी निर्धारित 15 दिनों में सुधार न करने पर विभाग ने कमियां दूर करने के लिए 4.69 करोड़ रुपये की निविदा आमंत्रित की थी।

इस प्रक्रिया के खिलाफ ठेकेदार संस्था द्वारा मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय (जबलपुर) में याचिका दायर की गई। उच्च न्यायालय ने विभाग की नई निविदा प्रक्रिया पर फिलहाल रोक लगाते हुए ठेकेदार संस्था को फ्लाईओवर की सभी कमियां तुरंत दूर कर पालन प्रतिवेदन अदालत के समक्ष प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। वहीं, संधारण कार्य में लगातार लापरवाही बरतने के कारण PWD ने ठेकेदार संस्था को ब्लैकलिस्ट (काली सूची में दर्ज) करने का कारण बताओ नोटिस भी जारी किया है, जिसके जवाब का विभागीय स्तर पर परीक्षण किया जा रहा है।

विशेष बच्चों को अवसर और सम्मान देना समाज की जिम्मेदारी : पुष्पलता त्रिपाठी

भोपाल नगर संवाददाता। कृष्ण जन्मोत्सव के पावन अवसर पर आयोजित भव्य समारोह में हरसंभव फाउंडेशन की पुष्पलता त्रिपाठी को विशेष अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया। उन्हें कोपलवाणी स्पेशल चाइल्ड वेलफेयर ऑर्गेनाइजेशन एवं संतोष अग्रवाल अविनाश फाउंडेशन द्वारा विशेष रूप से आमंत्रित किया गया था। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि कांता सिंघानिया, ट्रस्टी अविनाश फाउंडेशन तथा विशेष अतिथि अनु चक्रवर्ती, भाजपा महिला मोर्चा अध्यक्ष, महासमुंद सहित अन्य गणमान्य अतिथियों की उपस्थिति रही। सभी अतिथियों का स्वागत एवं सम्मान हरित पौधे भेंट कर किया गया। इस पहल के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण और हरियाली का संदेश दिया गया। समारोह में मूक-बधिर बच्चों द्वारा विशेष नृत्य प्रस्तुति एवं रैंप वॉक प्रस्तुत किया गया। हरसंभव फाउंडेशन की पुष्पलता त्रिपाठी ने कहा कि विशेष बच्चे प्रतिभा के मामले में किसी से कम नहीं हैं। उन्हें केवल उचित अवसर, प्रोत्साहन और सहयोग की आवश्यकता है।

श्रीकृष्ण पर्यावरण संरक्षण का देते हैं संदेश : शुक्ल

भोपाल (नगर संवाददाता)

भोपाल। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल जन्माष्टमी पर्व के पावन अवसर पर कृष्णा राज कपूर ऑडिटोरियम में अखिल भारत वर्षीय यादव महासभा के श्रीकृष्ण जन्माष्टमी उत्सव समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। कार्यक्रम में समाज के प्रतिभावान छात्रों को सम्मानित किया गया। 12 बजे रात्रि आराध्य देव कृष्ण के जन्म उपरांत पूजा अर्चना और प्रसाद वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। समारोह में उप मुख्यमंत्री ने कहा कि द्वापर युग में शिशुपाल जैसे लोग मौजूद थे, वर्तमान कलयुग में भी जब इस प्रकार के उपद्रवी लोगों का सामना होता है, तो समाज को हताश या परेशान होने की आवश्यकता नहीं है। यह समाज का नैतिक दायित्व है कि वह ऐसे तत्वों की पहचान करे, उन्हें समाज से किनारे करे और समय आने पर धर्म एवं न्याय की रक्षा हेतु उन्हें पूर्णत: परास्त भी करे। चाहे रामलीला हो या कृष्णलीला, ये जीवन को सही दिशा देने वाले जीवंत माध्यम हैं। ये लीलाएँ सिखाती हैं विषम परिस्थिति में भी धर्मनिष्ठ जीवन कैसे जिया जाए। अंत में शुक्ल ने आह्वान किया कि वे भगवान श्रीकृष्ण के जीवन-दर्शन से प्रेरणा लेकर समाज को संगठित, जागरूक और धर्मनिष्ठ बनाने का संकल्प लें।

उप मुख्यमंत्री ने कहा शिक्षित होने के साथ संस्कारवान होना आवश्यक

विकास कार्यों का लाभ जेनजी और जेन अल्फा को मिलेगा : शुक्ल

भोपाल (नगर संवाददाता)

भोपाल। अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय में पंचकोष समग्र व्यक्तित्व विकास कार्यशाला का शुभारंभ करते हुए उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि संस्कारों के बिना सुगंध के फूल जैसी है। शिक्षित होने के साथ-साथ संस्कारवान होना आवश्यक है। आज जो विकास के प्रयास हो रहे हैं उनका पूरा लाभ जेनजी और जेन अल्फा को मिलेगा। भारत को 2047 तक विश्वगुरू और आर्थिक महाशक्ति बनाने का संकल्प देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने लिया है। संकल्प को पूरा करने की जिम्मेदारी युवाओं पर है। युवा शिक्षित होने के साथ-साथ संस्कारवान बने इसके लिए पंचकोष समग्र व्यक्तित्व विकास की भारतीय दृष्टि को अपनाना आवश्यक है।

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि जीवन के उच्च लक्ष्य तय करने के साथ हमे जो प्राप्त है वहीं पर्याप्त है कि आत्मसंतुष्टि होनी चाहिए। देश विरोधी तत्व युवाओं को शाफ्टकॉर्नर बनाकर उनको पथ से विमुख करने का प्रयास कर रहे हैं। सांसद जनार्दन मिश्रा ने कहा कि सनातन परंपरा के मूल्य और वैदिक ज्ञान को आधुनिक विज्ञान ने भी प्रमाणित किया है। युवा पीढ़ी प्राचीन ज्ञान के अच्छे मूल्यों को अपनाये। प्राचीन ग्रांथों में भी भ्रमित करने के लिए भी मिलावट कर दी गई है। सही ज्ञान को अपनाने पर ही आत्मबोध और आत्मचिंतन से आत्मसंतुष्टि होगी। शर्मा ने कहा कि समाज को बदलना है तो शिक्षा को बदलना होगा। विवेकानंद विश्वविद्यालय सागर के कुलगुरू डॉ. अजय तिवारी ने कहा कि गुरू ही शिष्य को सही मार्ग दिखलाते हैं। कुल गुरू राजेन्द्र कुड़रिया ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कार्यशाला के उद्देश्यों की जानकारी दी। सहयोजक रामभूषण मिश्र ने कार्यशाला के संबंध में जानकारी दी। समापन कुल सचिव नीरजा नामदेव द्वारा आभार प्रदर्शन से हुआ।

शिक्षा, प्रतिभाओं के प्रोत्साहन से ही नई पीढ़ी होगी मजबूत : मंत्री राजपूत

जन्माष्टमी पर यादव समाज ने निकाली भव्य रैली

भोपाल (नगर संवाददाता)

भोपाल। मध्यप्रदेश के खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि मेहनत, लगन और शिक्षा ही सफलता का सबसे मजबूत आधार है। समाज के प्रतिभाशाली बच्चों को प्रोत्साहित करने से उनमें आगे बढ़ने का आत्मविश्वास पैदा होता है।

मंत्री राजपूत सागर जिले के राहतगढ़ में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के पावन अवसर पर यादव समाज द्वारा आयोजित भव्य कार्यक्रम को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। इस दौरान यादव समाज के लोगों ने मंत्री राजपूत का आत्मीय स्वागत एवं सम्मान किया। यादव समाज द्वारा राहतगढ़ के प्रमुख मार्गों से भव्य रैली निकाली गई। प्रतिभा सम्मान समारोह में समाज के विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले लोगों के साथ प्रतिभावान छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया। मंत्री राजपूत ने कहा कि मध्यप्रदेश में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में भाजपा सरकार समाज के प्रत्येक वर्ग के विकास और कल्याण के लिए निरंतर कार्य कर रही है। यादव समाज का इतिहास गौरवशाली रहा है। भगवान श्रीकृष्ण ने कर्म, कर्तव्य, धर्म और लोककल्याण का संदेश पूरी दुनिया को दिया।

प्रतिभाओं का सम्मान

यादव समाज द्वारा आयोजित सम्मान समारोह में शिक्षा के साथ-साथ अपने-अपने क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने वाले समाज के लोगों को भी सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में समाज के वरिष्ठजनों ने कहा कि प्रतिभा सम्मान जैसे आयोजन बच्चों और युवाओं को आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करते हैं। राहतगढ़ में आयोजित जन्माष्टमी समारोह के दौरान यादव समाज की एकजुटता और उत्साह देखने को मिला। अंत में राजपूत ने कहा जब युवा शिक्षा एवं संस्कार से जुड़ते हैं तो समाज और राष्ट्र दोनों मजबूत होते हैं।

अंतरराष्ट्रीय गिद्ध जागरूकता दिवस पर वन विहार में हुए कार्यक्रम

भोपाल (नगर संवाददाता)

भोपाल। संचालक वन विहार विजय कुमार के निर्देशन में आज 5 सितंबर 2026 को अंतर्राष्ट्रीय गिद्ध जागरूकता दिवस के अवसर पर भोपाल बर्ड्स एवं वन विहार राष्ट्रीय उद्यान, भोपाल के संयुक्त तत्वावधान में पक्षी भ्रमण एवं गिद्ध जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य आमजन, विद्यार्थियों एवं प्रकृति प्रेमियों को गिद्धों के महत्व, उनकी पारिस्थितिक भूमिका तथा संरक्षण के प्रति जागरूक करना था।

कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों ने वन विहार राष्ट्रीय उद्यान के प्राकृतिक परिवेश में पक्षी अवलोकन किया तथा विभिन्न पक्षी प्रजातियों के व्यवहार एवं उनके आवास के बारे में जानकारी प्राप्त की। प्रतिभागियों को गिद्धों की पहचान, उनकी जीवनशैली, भोजन, आवास तथा पारिस्थितिकी तंत्र में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका के बारे में विस्तार से बताया गया।

कार्यक्रम में पक्षी विशेषज्ञ डॉ. संगीता राजगीर द्वारा बताया गया कि गिद्ध प्रकृति के महत्वपूर्ण सफाईकर्मी हैं। वे मृत पशुओं के अवशेषों को शीघ्रता से समाप्त कर पर्यावरण को स्वच्छ रखने में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं।

मुख्यमंत्री ने स्टेट कमांड सेन्टर पहुंचकर वर्षाजनित परिस्थितियों की ली जानकारी

मानसून सक्रिय रहने तक रहें बेहद सावधान : डॉ. यादव

भोपाल (नगर संवाददाता)

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश में अतिवृष्टि की वजह से कुछ क्षेत्रों में बाढ़ की स्थिति उत्पन्न हुई है। ऐसे में हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता नागरिकों की सुरक्षा है। कठिनाई की इस घड़ी में शासन, प्रशासन, तहसील का हर अधिकारी और कर्मचारी पूरी संवेदनशीलता, तत्परता और समन्वय के साथ राहत और बचाव कार्यों में सहयोग करें। किसी भी नागरिक को संकट में अकेला न छोड़ें। सभी कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक, होमगार्ड, फील्ड अधिकारी, राहत एवं बचाव कार्य में जुटी एजेंसीज

प्रदेश में मानसून सक्रिय रहने तक बेहद सजग रहें, सर्तक रहें, सावधान रहें और किसी भी परिस्थिति को हैंडल करने के लिए तैयार रहें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शनिवार को होमगार्ड कार्यालय के एसडीआरएफ स्टेट कमांड सेन्टर पहुंचकर प्रदेश के सभी जिलों के पुलिस अधीक्षकों के साथ वीडियो कान्फ्रेंसिंग से बात की और सभी से उनके जिलों में वर्षा की स्थिति की जानकारी लेकर समीक्षा बैठक भी की।

मीडिया प्रतिनिधियों से चर्चा : जिलों के अधिकारियों को वीसी से निर्देश देने के उपरांत डॉ. यादव ने मीडिया प्रतिनिधियों से चर्चा में कहा कि प्रदेश में कमोबेश पूरे क्षेत्र में बारिश का दौर बना हुआ है। बीते एक माह में आपदा प्रबंधन टीमों की मदद से 2,783 से अधिक लोगों का सफलतापूर्वक रेस्क्यू कर लिया गया है। फिलहाल अगले दो-चार दिनों में किसी बड़ी चुनौती की स्थिति नहीं है, लेकिन अचानक बाढ़ जैसी परिस्थितियों से निपटने के लिए सभी आवश्यक तैयारियां पहले से सुनिश्चित की गई हैं। हमारी इन्हीं तैयारियों का ही परिणाम है कि अब तक प्रदेश में जान-माल की कोई विशेष हानि नहीं हुई है। उन्होंने कहा कि हमारे पुलिस बल एवं राहत दलों ने भी पूरी दक्षता और मुस्तैदी के साथ अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन किया है। आगामी दिनों में बारिश की आशंका को देखते हुए हम लगातार सतर्क हैं और व्यवस्थाओं पर भी नजर बनाए हुए हैं।

इसी क्रम में आज प्रदेश में बाढ़ आपदा प्रबंधन से संबंधित तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की है, ताकि किसी भी आकस्मिक परिस्थिति में त्वरित और प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करते हुए प्रदेशवासियों के जान-माल-मवेशियों की सुरक्षा कायम रखी जा सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमने सबसे संवाद कर अपनी तैयारियों को और बेहतर कर लिया है।

उप मुख्यमंत्री ने अधिकारियों और कर्मचारियों को किया सम्मानित

भोपाल नगर संवाददाता। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कृष्णा राज कपूर आडिटोरियम में आयोजित समारोह में विभिन्न क्षेत्र में श्रेष्ठ कार्य करने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों को सम्मानित किया। उप मुख्यमंत्री ने समारोह में महिला एवं बाल विकास विभाग, मध्यप्रदेश विद्युत मंडल, स्वास्थ्य विभाग तथा अन्य विभागों के अधिकारियों और कर्मचारियों को प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। समारोह में सांसद जनार्दन मिश्रा, पूर्व मंत्री जय सिंह मरावी, राजेन्द्र शर्मा तथा बड़ी संख्या में स्थानीय जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नवीन आनंद जोशी द्वारा सुपर प्रिंटिंग प्रेस, 17 चौकी तलैया, भोपाल से मुद्रित एवं ई - 100 / 22, शिवाजी नगर, भोपाल म.प्र. से प्रकाशित। सम्पादक- **नवीन आनंद जोशी** , मुख्य कार्यकारी संपादक **श्रीमती रोमा मल्होत्रा** । समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल न्यायालय रहेगा।